



# प्राधिकार से प्रकाशित

#### PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 41]

नई बिल्लो, शनिवार, अश्लुबर 10, 1981,/आश्विन 18, 1903

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 10, 1981/ASVINA 18, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

# भाग II-खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)

# PART II-Section 3-Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक झावेश और ग्रिधिस्चनाएं Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (order than the Ministry of Defence)

# विस मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 नवस्थर, 1980

#### आय कर

काल्आल 2721:---राजस्व विभाग, प्रधिसूचना सं० 608 (फासंब 203/25/74-- प्राई दी ए II), नारीख 7 मई, 1974 का निम्नलिखिन रूप में भागत. संशोधन करता है ---

सेंटर के नाम के पण्चात् कृपया निम्नलिखित जं। इ दें।

यह प्रधिसूचना 31-3-1982 तक विधिमान्य है।

[सं० 3749/फा॰मं० 203/147/77-माई०टी०ए०]]

#### MINISTRY OF FINANCE

#### (Department of Revenue)

New Delhi, the 20th November, 1980

#### INCOME TAX

S.O. 2721.—The Department of Revenue partially amend the Notification No. 608 (F. No. 203/25/74-ITA.II) dated the 7th May, 1974 as under :-

The following may please be added after the name of centre. This no ification is valid upto 31-3-1982.

[No. 3749]F. No. 203|147|77-ITA.JI]

#### मुखिपव

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1981

का॰ था॰ 2722:--राजस्य विभाग, ग्रधिमूचना सं० 2056 (फा॰सं० 203/145/77 भाइ टी ए II) ता० 26-11-1977 का निम्नलिखित रूप में संशोधन करना है '--

"ग्रायोजनकर्ता--

भारतीय श्रीपधि संगम पूर्णे"

के स्थान पर

''भ्रायोजनकर्ता⊶–

भारतीय घौषधि घन्संधान

संगम, पूणे" पर्दे ।

[मं० 3923/फा०सं० 203/44/81 **माई**०टी०ए० **1**1]

#### CORRIGENDUM

New Delhi, the 31st March, 1981

#### INCOME TAX

SO. 2722.—The Department of Revenue hereby amend the Notification No. 2055 (F. No. 203/145/77?ITA.II) dated 26-11-1977 as under :--

To be undertaken by Indian Drug Association Poona

(3359)

#### READ

To be under taken by Indian Drug Research Association, Poona.

[No. 3923|F. No. 203|44|81-ITA.II]

नई दिल्ली, 23 मई, 1981

#### भाय-कर

का० आ० 2723 — इस कार्यालय की प्रधिसूचना म० 2245 (का० सं० 203/102/77 — प्राई०टी०ए० 11), तारीख 31-3-78 के धनुक्रम में, सर्वमाधारण की जानकारी के लिए यह प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रयात् भारतीय कृषि प्रनुसंधान परिषद् ने निम्न-लिखित संस्था को प्राय-कर प्रधिनियम, 1001 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजमों के लिए धनुमोदित कर दिया है।

#### संस्था

एस पी० कृषि प्रनुसन्धान ग्रीर विकास प्रतिष्ठान, मुम्बई।

यह प्रधिसूचना 1-4-1981 से 31-3-1984 तक की तीन वर्ष की भवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3972/फा०स० 203/227/80-माई०टी०ए० II]

New Delhi, the 23rd May, 1981

#### INCOME TAX

S.O. 2723.—In continuation of this Office Notification No. 2245 (F. No. 203|102|77-ITA. II) dated 31-3-1978, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

#### INSTITUTION

Aspee Agricultural Research & Development Foundation, Bombay.

This notification is effective for a period of three years from 1-4-1981 to 31-3-1984.

[No. 3972]F. No. 203|227|80-ITA. II]

नर्ष विल्ली, 19 धगस्त, 1981

#### श्राय-कर

का० आ० 2724: — सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए घिष्ठसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात् भारतीय समाज विकास भ्रमुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को भायकर भ्रिधिनियम, 1961 की बारा 35 की उपबारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखिन शर्तों पर भ्रमुमोदिन किया है।

- (i) यह कि विवेकानन्य निधि द्वारा इस छूट के मधीन संगृहीत निधियों का उपयोग एक मान्न समाज विभान में मनुसंघान की उन्नति के लिए ही किया जाएगा।
- (ii) यह कि निधि, इस छूट के प्रधीन संग्रह की गई निधियों का पृथक लेखा रखेंगी भौर;
- (iii) यह कि निधि, छूट के भ्राधीन संग्रह की गई निधियों का भीर वह रीति जिसमें उनका उपयोग किया गया है दिशा करने हुए एक आर्थिक रिपोर्ट भीर लेखाओं का संपेरीक्षित विवरण भ्रनुसंधान परिषद् को भेजेंगी।

#### संस्था

#### विवेकानस्द निधि, कलकसा

यह प्रक्षिसूचमा इसको जारी किए जाने की नारीख से तीन वर्षे तक प्रभावी रहेगी।

[मं॰ 4169/फा॰मं॰ 203/61/81-माई॰टी॰ए II]

#### New Delhi, the 19th August, 1981

#### INCOME-TAX

- **S.O.** 2724.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 on the following conditions:
  - That the funds collected by Vivekananda Nidhi under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in social science.
  - That the Nidhi shall maintain separate accounts of funds so collected by them under this exemption and
  - That the Nidhi shall send to the Council an Annual Report and Audited Statement of Accounts regularly showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilized.

#### INSTITUTION

#### Vivekananda Nidhi Calcutta

This notification is effective for a period of three years from the date of issue of this notification.

[No. 4169]F. No. 203[61[81-ITA II]

का० आ० 2725.—सर्वमाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूक्ति — किया जाता है कि भारतीय कृषि धनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्निलिखित वैज्ञानिक धनुसंधान कार्यक्रम को धाय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iV) के साथ पठित, धाय-कर घिषितयम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयंजनों के लिए नीचे विनिविष्ट प्रविध के लिए धनुमोदित किया है, धर्षातु:—...

वैज्ञानिक धनुसंधान परियोजना :

पौधो की जीनों का क्लोमीकरण

भौर उनकी संरचना और मणि-

व्याप्ति का ग्रध्ययन

2 किसके धारा प्रायोजित किया गया है :

हिन्दुस्तान लीकर लिमिटड

3 कहां पर प्रायोजित किया गया है:

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय मई दिल्ली (वातावरण विज्ञान

स्कृल)।

4. भनुसंधान परियोजना के भवधि :

1-7-1981 से 2 वर्ष

5 प्राक्कलित व्यय:

100.000 ছ০

2. जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली भाय-कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 35(i)(ii) के भ्रधीन श्रनुमोदित है। देखिए श्रिष्ट मुखना सं० 475 तारीख 26-9-1973।

[सं॰ 4170/फा॰सं॰ 203/86/81-आई॰सी॰ए॰ II]

S.O .2725.—It is hereby notified for general information that the following scientific research programme has been approved for the period specified below for the purposes of subsection (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 by the Indian Council of Agricultural Research, New Delhi :—

1. Scientific Research

Project:

Cloning of Plant Genes and

•

Study of their structure and

Expression.

2. Sponsored (a) by : 3. Sponsored (b) at :

Hindustan Lever Limited.

Jawaharlal Nehru University, New Delhi (School of Environmental Sciences).

4. Duration of Research Project;

2 Years with effect from 1-7-81.

5. Estimated expenditure:

Rs. 1,00,000

2. Jawaharlal Nehru University, New Delhi stands approved under Section 35(i)(ii) of the Income-tax Act, 1961 by Notification No. 475 dated 26-9-1973.

[No. 4170/F. No. 203/86/81-JTA. 1]]

#### नई विल्ली, 20 मगस्त, 1981

#### आय-कर

का॰ आ॰ 2726.— प्रधिसूचना सं० 3163 (फा॰ सं० 203/86/ 79 माई०टी०ए० II) तारीख 29-1-1980 के मनुक्रम में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह मधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित संस्था को, विद्वित प्राधिकारी, भर्थात् भारतीय कृषि अनुसंघान परिषद् द्वारा माय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए मन्मोदित किया है:-

सहयुक्त कृषि विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।

यह मधिसूचना 27-4-1981 से 26-4-1984 तक तीन वर्ष की भवधि के लिए प्रभावी है।

सिं० 4172/फार्लि 203/273/80 मार्कार मर्गा

New Delhi, the 20th August, 1981

#### INCOME TAX

S.O. 2726.—In continuation of this office Notification No. 3163 (F. No. 203|86|79-ITA. II) dated 29-1-80, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Agricultural Research, the Prescribed Authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the income-tax Act, 1961:

#### INSTITUTION

Associated Agricultural Development Foundation, New Delhi.

This notification is effective for a period of three years from 27-4-1981 to 26-4-1984.

[No. 4172|F. No. 203|73|80-ITA.III]

का०आ 2727.---सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसुचित किया जाता है कि सन्निव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित बैशानिक मन्संधान कार्यक्रम को भ्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6 के साथ पठित, माय-कर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए नीचे विनिर्विष्ट ग्रवधि के लिए मनुमोदित किया है, मर्थात् :--

वैज्ञानिक अनुसंधान परियोजना का नाम :

वसा लिकर विनिर्माण के लिए तकनीकी

जानकारी का विकास ।

प्रायोजक का नाम:

मैसर्स बासमेर लारी एंण्ड कं० लिमिटेड 21, नेताजी सुभाष मार्ग, पी०मो० बाक्स नं० 4,

कलकता-700001 I

प्रायोजित स्थान :

सैन्द्रल लेवर रिसर्च, इन्स्टीट्यूट,

प्रारंभ की सारीख: समाप्ति की तारीख:

12-1-1981 11-7-1982

प्राक्कलित लागतः 6. 25 लाख

2. सेन्ट्रल लेवर रिसर्च इंस्टीट्यूट, महास, वैज्ञानिक भौर भौद्योगिक ग्रमसंधान परिषद् की एक यनिट है जो, भारतीय भाय-कर भन्निनियम, 1922 की धारा 10(2) (xiii) के प्रधीन प्रमुमोदित है। देखिए वित्त मंजालय के राजस्य विभाग की प्रधिसूचना सं० 34 तारीख 23-11-1946।

[सं० 4173/फा०से० 203/119/81-माई०टी०ए० II]

S.O. 2727.—It is hereby notified for general information scientific research programme has been that the follow approved for the period specified below for the purposes of sub-section (2A) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi:

Name of Scientific Research

Project:

Development of Knowhow, for the manufacture

thetic Fat Liquors.

Name of the sponsorer:

M/s. Balmer Lawrie & Co. Limited 21, Netaji Subhash Road, P.O. Box No. 4, Calcutta-700001.

Sponsored at:

Central Leather Research

Institute, Madras.

Date of commencement: Date of completion · Estimated outlay:

12-1-1981 11-7-1982

6.25 lakhs

2. Central Leather Research Institute, Madras is a unit of C.S.I.R. which is approved under Section 10(2)(xiii) of the Indian Income-tax Act, 1922 vide Ministry of Finance Department of Revenue Notification No. 34 dated 23-11-1946.

[No. 4173/F.No. 203/119/81-ITA, II]

का॰ आ॰ 2728 -- इस विभाग की मधिसूचना सं० 2503 (फा॰ सं॰ 203/47/78-माई॰टो॰ए॰ II) तारीख 13 सितम्बर, 1981 के धनकम में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए धर्धिसचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रर्थात्, सचिव विज्ञान घौर तकनीकी विभाग नई विल्ली ने निम्नलिखित संस्था को भाय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, माय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए भन्य प्राकृतिक था धनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक धनुसंधान संगम" प्रवर्ग के घद्यीन, निम्नलिखित गतौ पर प्रमुमोदित किया है, प्रथित :--

- (i) यह कि मैसर्स गणेश सायंटिफिक रिसर्च फाउन्डेशन, नई विल्ली प्राकृतिक या ग्रन्प्रयक्त (कृषि/पगपालन/मत्स्यकी ग्रीर ग्रीपधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों कापृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उस्त फाउन्डेशन प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक सन्संघान संबंधी किया-कलापों की वार्षिक पारिषद विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 भ्रप्रील तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जाएं भौर उसे सूचित किए जाएं।
- (iii) यह कि उक्त फाउन्डेशन प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष माथ-कर भायक्त को भेजेगा ।

मैसर्स गणेश सार्याटिफिक रिसर्च फाउन्डेशन, नई दिल्ली।

यह प्रधिमूचना 1-4-1981 से 31-3-1984 तक तीन वर्ष की ग्रविध के लिए प्रभावी है।

[सं० 4174/फा०सं० 203/122/81-माई०टी०ए० II]

- S.O. 2728.—In continuation of this Department's Notification No. 2503 (F. No. 203|47|78-ITA II) dated the 13th September, 1978 it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income tax Act, 1961 read with Rule 6(IV) of the Income-tax Rules, 1962 under the category 'Association' in the area of other natural or applied sciences, subject to the following conditions:—
  - 1. That Mis. Ganesh Scientific Research Founda New Delhi will maintain a separate account Foundation, the sums received by it for scientific research

- the field of natural or applied sciences (other than agricultural|animal husbandry|fisheries and medicines).
- That the said Foundation will furnish the annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose, by 30th April, each year.
- That the said Foundation will submit the annual return and statement of accounts to the Commissioner of Income-tax, every year.

#### INSTITUTION

M/s, Ganesh Scientific Research Foundation, New Delhi This notification is effective for a period of Three years from 1-4-1981 to 31-3-1984.

[No. 4174|F, No. 203|122|81-ITA, II]

का० आ० 2729 :— सर्वेसाघारण की जानकारी के लिए प्रधिम्मित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रधीत् सचिय, विज्ञान और पेशी कि विशेष को मानलिखित संस्था को आय-कर नियम, 962 के नियम 6(iv) के साथ पठित, आय-कर घिषियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्राकृतिक और प्रमुप्य कि होना के क्षेत्र में "संगम" प्रकर्ग के प्रधीन, निम्नलिखित शतीं पर धनुमीवित किया है प्रधीत् :—

- (i) यह कि कोठारी रिसर्च फाउडेंगन महास प्राकृतिक या यनुप्रयुक्त (कृषि/पणुपःलन/मारस्यकी धाँर भीषधि से मिस्र) विज्ञान के क्षेत्र में वैशा-निक भनुसंधान के लिए प्राप्त राशि का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त प्रांतिष्ठान प्रत्येक विस्तीय वर्ष के लिए प्राप्ते वैक्कानिक प्रमुक्तियान संबंधी किया कलायों की वाषिक विवरणी विवित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 प्रप्रैन तक ऐसे प्रक्यों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकिथित किए जाएं भीर उन्हें सुचित किए जाएं।
- (iii) यह कि उक्त प्रतिष्ठान प्रत्येक वर्ष के लिए दार्थिक विवरणी
   भीर लेखाओं का वार्थिक विवरण आयकर भायकत मन्नास की में मेंगा ।

#### संस्था

कोठारी रिसर्च फारंडेशन, महास ।

यह प्रधिसूचना 14-4-1981 से 13-4-1984 तक 3 वर्ष की प्रविधि लिए प्रभावी है ।

[सं० 4175/फा० सं० 203/2/81-प्रा**र्व**टो ए-II]

- S.O. 2729.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—
  - 1. That the Kothari Research Foundation, Madras will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences (other than agriculture/animal husbandry/fisheries and medicines).
  - That the said Foundation will furnish Annual Return
    of its scientific research activities to the Prescribed
    Authority for every financial year in such forms as
    may be laid down and intimated to them for this
    purpose by 30th April, each year.
  - That the said Foundation will submit the Annual Return and Statement of accounts to the Commissioner of Income-tax, Madras for every year.

#### INSTITUTION

Kothari Research Foundation, Madras.

The notification is effective for a period of 3 years from 14-4-1981 to 13-4-1984.

[No. 4175]F. No. 203|2|81-ITA.II]

- का० आ० 2730 :---सर्वेमाधारण की जानकारी के लिए अधि-सूचित किया जाता है कि विद्वित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय सामाजिक विकान धनुसंघान परितर् ने निस्तिबित नख्या को प्राय-कर अधि-यम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) क प्रयोजनों के लिए निम्नर्लिखित करों पर धनुसोबित किया है धर्मात्:--
- (1) यह कि विकास प्रध्ययन संस्थान द्वारा इस छूट के मधीन प्राप्त धनराशि का उपयोग मनन्य रूप से सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान की प्रोक्षति के लिए किया जाएगा:
- (2) यह कि संस्थान इस छूट के प्रधीन इस प्रकार प्राप्त राशि का प्राप्त लेखा रखेगा ।
- (3) यह कि उक्त संस्थान प्रत्येक वर्ष वार्षिक रिनोर्ट ग्रीर इ.स. छूट के ग्राधीन प्राप्त राशि को दिशित करने वाला, लेखाओं ग्रीर उस रोति का जिसमें इस राशि का उपयोग किया गया है का संपराजित विवरण परिषद को नियमित रूप से भेजेगा. ग्रीर
- (4) क्योंकि संस्थान का घन्तर विषयक कार्यक्षेत्र प्रतिरिक्त, सामाजिक विज्ञान भी है, इसलिए यदि संस्थान सामाजिक विज्ञान के भिन्न क्षेत्र में प्रमुसंघान के लिए कोई संवाय या विधि प्राप्त करता है तो संस्थान को उन संवायों ग्रीर उनके उपयोग का पृथक लेख रवना वाहिए।

#### संस्थ

विकास प्रध्ययन संस्थान, जयपुर

यह मधिलूचना 35-4-1981 से 3 वर्ष का नविध के लिए प्रभावों

[स॰ 4176/फा॰ सं॰ 203/57/81-प्राईटा ए-II]

- S.O. 2730.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, subject to the following conditions:—
  - 1. That the funds collected by the Institute of Development Studies under this exemption shall be utilized exclusively for promotion of research in social sciences;
  - That the Institute shall maintain separate accounts of the funds so collected by them under this exemption;
  - 3. That the Institute shall send to the Council an Annual Report and Audited Statement of Accounts regularly showing the funds collected under this exemption and the manner in which these funds are utilised; and
  - 4. Since the Institute has an inter-disciplinary focus going beyond social sciences, if it receives any donations or funds for research in fields other than social sciences, it should maintain separate accounts for those donations and their utilization.

#### INSTITUTION

Institute of Development Studies, Jaipur

This notification is effective for a period of 3 years with effect from 15-4-1981.

[No. 4176]F. No. 203|57|81-ITA.II]

का० आ० 2731:—सर्वमाधारण की आनकारी के लिए प्रशिक्ष चित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रणीत् भारतीय धायुविज्ञान ध्रमु-संधान परिषद् नई विल्ली ने निम्नलिखित संस्था को ध्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, धाय-कर प्रधितियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के सिए विकित्सा धनुसंधान के क्षेत्र में "वैकानिक धनुसंधान संगम" प्रवर्ग के प्रधीन निम्नलिखित णतौँ पर धनुमोबित किया है, प्रथीत् :—

- (i) यह कि संगम, चिकिरसा प्राकृतिक या प्रनुप्रयोगिक (कृषि/ पशुपालन/मारस्यकी भीर भौषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक सन्संधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए ग्राने नैनालिक, प्रमुसंघान संबंधी कियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिग्रद की प्रति वर्ष 31 मई सक ऐसे प्रक्षों में प्रस्तुत करेगा/करेगों जो इन प्रयोजन के लिए ग्रिधि-कपित किए जाएं भीर उसे सुचित किय जाएं।
- (iii) यह कि उक्त संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक परीक्षित विषरण परिषद को प्रति वर्ष 31 मई तक मेजेगः और इ.स.कें/ इ.स.की एक प्रति सम्बद्ध ग्राय-कर भायुक्त की भेजेगा।

#### संस्था

#### मंगलम, लखनऊ

यह ग्रधिसूचना 28-7-1981 से 27-7-83 तक दो वर्ष की श्रविश्व के लिए प्रकार्या होगी ।

[मंठ 4177/फा॰ सं॰ 203/129/81-माई टी ए-Ц]

- S.O. 2731.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
  - (ii) That the Association will furnish annual neturn of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - (iii) That the Association will furnish an annual audited statement of accounts to the Council by 31st may, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

#### Mangalam, Lucknow

The notification is effective for a period of two years from 28-7-1981 to 27-7-1983.

[No. 4177]F. No. 203|129|81-ITA.II]

- का० वा० 2732 :--सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधि-सूचित विया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थीत् भारतीय चिकिस्सा अनुसंधान परिषत्, नई दिस्ली ने निम्निलिखित संस्था की आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की बारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के सेल में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्निलिखित गर्ती पर धनुमोदित किया है, अर्थीत् :--
- (i) यह कि संगम प्राकृतिक या प्रानुप्रयोगिक (कृषि/पगुपालन/ मारस्यकी भीर भौषित्र से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में चिकित्मा अनुसंद्वान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संगम प्रत्येक वर्ष के लिए घपने वैज्ञानिक श्रनु-संधान संबंधी किया कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्षे 31 मई तक ऐसे प्रख्यों में प्रस्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किया जाये घौर उसे सुनित किए जाएं।
- (iii) यह कि एक्त संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखामों का वार्षिक सपरीक्षित विवरण परिवद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेगेगा और इस के श्रतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध भाय-कर प्रायुक्त को भेगेगा ।

#### संस्था

शहमवाबाद सिविल हस्पताल एण्ड बी० के० मैडिकल कालेज रिसर्व एसोसिएशन, भहमवाबाव (गुजरात)

यह प्रधिसूचना 29-6-81 से 28-6-83 तक 2 वर्ष को भवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 4178/का० म० 203,121/81-प्राईटा ए-**II**]

- S.O. 2732,—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
  - (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the Latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - (iii) That the Association will furnish an annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Commissioner of Income-tax.

#### INSTITUTION

Ahmedahad Civil Hospital and B. J. Medical College Research Association, Ahmedahad (Gujarat.)

The notification is effective for a period of two years from 29-6-81 to 28-6-83.

[No. 4178]F. No. 203|121|81-ITA.II]

का० था० 2733 :---सर्वमाझारण की जानकारी के लिए प्रधित्वित किया जाता है कि विद्वित प्राधिकारी, प्रयांत्, निवार पोर्ं प्रौद्योगिकी विभाग, नई विस्सी ने निस्तिविद्वत संस्था को प्रध्य-कर तिथम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, प्राय-कर प्रधितियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के निए प्रस्य प्राञ्चतिक धौर अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के प्रभेश निस्तिविद्वा शर्तो पर अनुमोदित किया है, प्रथीत् :--

- (i) यह कि मैन-मेड टैक्सटाइल रिसर्च इन्सटीट्यूट, सूरत प्राकृतिक या प्रानुप्रयोगिक (कृषि/पशुपालन/मास्स्यकी भौर भौषधि से मिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक धनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि उक्त संगम प्रत्येक वर्ग के लिए प्रपा वैज्ञानिक अनुसंघान संबंधी किया कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् की प्रति वर्ष 20 अप्रैल तक ऐसे प्रकृषों में प्रस्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथित किए जायें और उसे सुचित किए जायें।
- (iii) यह कि उक्त संगम प्रत्येग वर्ष के लिए लेखामी का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष ग्राय-कर भ्रायुक्त, सूरत की भेजेगा।

#### संस्था

मेन-मेड दैक्सटाइस रिसर्व इन्स्टोटयूट, सूरत

यह पश्चिम्चना 16-4-1981 से 15-4-1983 तक 2 तर्ष की मनश्चि के लिए प्रमानी है।

[मं० 4179/का॰ सं० 203/148/80-प्राईटी ए-II)

- S.O. 2733.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of subsection (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category 'Association' in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—
  - That the Man-Made Textile Research Association, Surat will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agriculturel animal husbandary fisheries and medicines.
  - 2. That the said Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April, each year.
  - 3. That the said Association will submit the Annual return and Statement of Accounts to the Commissioner of Income-lax, Surat for every year.

#### INSTITUTION

Man-Made Textile Research Institute, Surat.

This notification is effective for a period of two years from 16-4-1981 to 15-4-1983.

[No. 4179]F. No. 203]146[80-ITA.II]

का॰ आ॰ 2734----सर्वेसाघारण की जानकारी के लिए प्रधि-सुचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रयात् भारतीय सामाजिक विकान प्रमुसंघान परिषद् में निम्निलिखित संस्था को माय-कर ध्रविनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्निलिखित शर्तों पर ग्रनुमोवित किया है, प्रयात :---

- (i) यह कि परिषद धारा इस छूट के भन्नीन संग्रीहत निभियों का उपयोग भन्नय ६५ से सामाजक विशान में भनुसंधान के संभवतंन के लिए किया जाएगा।
- (ii) यह कि परिषष् इस छूट के श्रधीन संग्रहीत निष्ठियों का पृथक लेखारचीगा।
- (iii) यह कि परिषद् आर्थिक रिपोर्ट और लेखाओं का संपरीक्षित्त कियरण भार सार थि भार परिषद् नई विल्ली की नियमित रूप से भोजेगा जिसमें इस छूट के प्रशीन संग्रहीत निधियां भीर जह रीति विश्वत होगी जिसमें उनका उपयोग किया गया है।

#### संस्था

#### हिमालय समीका परिषद्, कलकता।

यह भिक्षपुत्रना 29-4-1981 से 28-4-1984 तक 3 वर्ष की भविध के सिएप्रभाषी है।

[सं॰ 4180/फा॰ सं॰ 203/214/80-प्राई टी ए-II)]

- S.O. 2734.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 on the following conditions:
  - That the funds collected by the Parishad under the exemption will be utilised exclusively for promotion of research in social sciences.
  - 2. That the Parishad shall maintain separate accounts of funds collected by them under the exemption.
  - 3. That the Parishad shall send to the I.C.S.S.R., New Delhi an annual report and audited Statement of Accounts regularly showing the funds collected under this exemption and the manner in which these funds were utilized

#### INSTITUTION

Himalaya Sameekha Parishad, Calcutta.

This notification is effective for a period of three years from 29-4-1981 to 28-4-1984.

[No. 4180|F. No. 203|214|80-ITA.II]

कां० ब्रां० 2735 :---सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए शिध-धूचित किया जाता है कि विद्वित प्राधिकारी, अर्थात्, सिंबय, विज्ञान भीरे श्रीधोगिकी विभाग, नई विल्ली ने निस्नलिखित संस्था को आव-कर नियम, 1962 के नयम 6 (iv) के साथ पाठेत, आय-कर प्रविधित्त, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्राकृतिक भीर धनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में संस्था प्रवर्ग के भ्रधीन निम्नलिखित सर्तों पर धनुभोषित किया है, प्रथात :--

- (i) यह कि सेंटर प्राफ प्लांट इंजीनियाँरिय सर्थितेत्र, हैश्राबाद प्राकृतिक या प्रनुप्रयुक्त (कृषि पशुपालन मारस्यको ग्रोर श्रोषक्षि से कित्र) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक मनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेकारक्षेत्राः
- (ii) उक्त सेंटर भाफ प्लाट इंजीनियरिंग सर्विसेज प्रत्येक वर्ष के लिए प्रापने वैज्ञानिक भनुसंबान संबंधी कियाकशानों को वाधिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 30 ग्रापैल तक ऐसे प्रकरों में प्रस्तुन करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ग्राधिकथित किए जाएं भीर उसे सूचित किए जाएं।
- (iii) उक्त सेंटर प्राफ प्लाट इंजीनियरिंग उसे प्रति वर्ष वार्षिक विवरणी भीर लेखा विवरण प्राय-कर ग्रायक्त को भेजेगा।

#### संस्था

संटर प्राफ प्लांट इंजीनियरिंग सर्विसेज, हैवराबाद ।

यह प्रशिक्षचना 26-5-81 से 25-5-83 तक दो वर्ष की प्रविधि के

[स॰ 4181 फा॰ सं॰ 203/70/79-माईटी ए-II]

- S.O. 2735.—It is notified for the general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Institution" in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—
  - That the Centre of Plant Engineering Services, Hyderabad will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural or applied sciences (other than agriculture animal husbandry fisheries and medicines);
  - That the said Centre of Plant Engineering Services
    will furnish the annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for
    every financial year in such forms as may be
    laid down and intimated to them for this purpose,
    by 30th April each year;
  - That the said Centre of Plant Engineering Services, will submit the annual return and statement of accounts to the Commissioner of Income-tax, every year.

#### INSTITUTION

Centre of Plant Engineering Services, Hyderabad.

This notification is effective for a period of two years from 26-5-81 to 25-5-83.

[No. 4181]203|70|79-IT A-II]

का० आ० ३७३६ :—इस विभाग की प्रधिसूचना औ० 2802 (का० सं० 203/32/78-प्राई टी ए-II) सार्ग्य 5 मई, 1979 के प्रानुक्षम में, सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए प्रधिमूचिन किया जाता है कि विहिन प्राधिकारी, प्रथान् भारतीय प्रायुविकान अनुस्थान परिषय, नई दिल्ली ने निम्नलिखित मंस्था को प्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (ii) के साथ पठित, प्राय-कर ग्रंथिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा प्रनुसंधान के कीच में 'वैज्ञानिक अनुसंधान संगम' प्रयमें के ग्रंथीन, निम्नलिखित शर्नो पर अनुमोदिन किया है, प्रयान :—

- (i) यह कि संगम, चिकित्सा अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का भयक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए प्रपने वैज्ञानिक धनुसंध न संबंधी किया कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् की प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्रदर्भों में प्रस्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रशीजन के लिए ध्रिषकिषित किए जाएं धीर उसे सूचित किए जाएं।
- (iii) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाको का वार्षिक मपरी-क्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई सक भेजेगा और इसकी एक प्रति सम्बद्ध धाय-कर आयुक्त को भेजेगा ।

#### संस्पा

चस्तर श्रारोग्य मंडल, बस्लभ विद्या नगर, कैरा ।

यह पश्चिमुचना 24-4-1981 से 23-4-1983 तक 2 वर्ष की भ्रविध के लिए प्रभावी है।

[सं० 4182/फा० सं० 203/128/81-माईटी ए-II]

- S.O. 2736.—In continuation of this Department's notification No. 2802 (F. No. 203|32|79-ITA.II) dated 5th May, 1979, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
  - (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May, each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - (iii) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

The Charutar Arogya Mandal, Vallabh Vidya Nagar, Kaira,

The notification is effective for a period of Two years from 24-4-1981 to 23-4-1983.

[No. 4182|F. No. 203|128|81-ITA.II]

का० आ० 2737 :---सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रधि-सूचिन किया जाता है कि विहित प्राधिकारी धर्षांत् विज्ञान धरीर प्रोधौणिक विधाग, नई विल्ली ने निम्नलिखित संस्था को सायकर नियम, 1962 के नियम 6 के भाष पठित, धायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्राहृतिक धरीर अनु-प्रवृक्त विज्ञान के क्षेत्र में "महाविधालय" प्रवर्ग के श्रधीन, मिम्नलिखित शर्तों पर श्रनमोदिन किया है, प्रश्नीन :---

- (i) यह कि ध्यागराजन कालिज धाफ इंजीनियरिंग मदुरै, प्राकृतिक या धमुप्रवृक्त (कृषि/पणुपालन/मास्स्यकी धौर झौषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रमुसंधान के लिए प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा)।
- (ii) यह कि उक्त कालिज प्रत्येक वर्ष के लिए प्रपने वैज्ञानिक प्रतु-संधान संबंधी कियाकलामी की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 30 प्रप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधि-कथित किए जाएं ग्रीर उसे सुचिन किए जाएं।
- (iii) यह कि उन्त कालिज प्रत्येक वर्ष के लिए बार्षिक विवरणी और लेखाओं का विवरण प्रायकर प्रायक्त मकुरे की मेजेगा।

#### संस्पा

ध्यागराजन् कालिज भाफ इंग्रीनियरिंग, मबुरे ।

यह प्रधिसूचना 2-7-81 से 1-7-84 तक 3 वर्ष की श्रवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 4183/फा० सं० 203/262/80-**आई** टी ए-II]

- S.O. 2737. It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science & Technology, New Delhi the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category 'College' in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:
  - (1) That the Thiagarajan College of Engineering, Madulai will maintain a separate account of the sums received and it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agricultural|husbandry|fisheries and medicines.
  - (2) That the said College will furnish annual returns of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
  - (3) That the said College submit the Annual return and Statement of Accounts to the Commissioner of Income-tax, Madurai for every year.

#### INSTITUTION

# THIAGARAJAN COLLEGE OF ENGINEERING MADURAI

This notification is effective for a period of three years from 2-7-1981 to 1-7-1984.

[No. 4183|F. No. 203|262|80-ITA.II]

का० आ० 2738 :—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए प्रधि-सूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रषांत् नारतीय प्रायुविकास प्रमुखान परिषद, नई दिल्ली ने निस्तिलिखित संस्था को भायकर नियम, 1962 के नियम 6 (i) के साथ पटित भाय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्रायुविकान प्रनुसंधान के क्षेत्र मे 'वैज्ञानिक धनुसंधान संगम' प्रवर्ग के प्रधीम, निस्तिखित ग्रानों पर अनुसोवित किया है, भ्रषांत् :——

- (i) यह कि सोसाइटो प्रायुविज्ञान प्रनुसंघान के क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रनुसंघान के लिए प्राप्त राणियों का पृथक लेखा रखेगा ।
- (ii) यह कि सोसाइटी, प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनु-मंधान संबंधी कियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रन्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रधि-कथित किया जाए और उसे सुविस किया जाए।
- (iii) यह कि उपत मोसाइटी प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का पार्चिक मंपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई सक भेजेगा और इसके प्रतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध भायकर प्रायक्त को भेजेगी ।

#### rient

सेंटर फार रीजनस, इकास्पोजिकल एंड साइंस स्टडीज इन डेबलपसेंट माल्टरनेटिव्स, कलकत्ता

यह प्रधिसूचना 29-5-1981 से 28-5-1984 तम तीन वर्ष की प्रविध के लिए प्रभावी है।

[सं० 4184/फा० सं० 203/109/81-माई टी ए-II]

- S.O. 2738.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research Association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Society will maintain a separate account of sums received by it for scientific research in the field of medical research.
  - (ii) That the Society will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - (iii) That the Society will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

Centre for Regional, Ecological and Science Studies in Development Alternatives, Calcutta

The notification is effective for a period of three years from 29-5-1981 to 28-5-1984.

[No. 4184|F. No. 203|109|81-ITA.JI]

का० आ० 2739 :— इस विभाग की प्रधिसूचना सं० 2739 कि एप्ता को एप्ता 1-3-1989 के प्रमुक्त में, सबैसाधारण की जानकारी के लिए धर्धिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, धर्थात् भारतीय कृषि प्रमुसंधान परिषद ने निम्नलिखित संस्था को प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 35 की उपधारा (1) के धंड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्रमुमोधिन किया है,

#### संस्था

भे० एम० वैज्ञानिक प्रनुसंधात केन्द्र, ममौधा, मोसीनगर फैजाबाद (उत्तर प्रवेश)

यह प्रधिमूचना 17-1-1980 से 16-1-1983 तक 3 वर्ष की प्रविधि के लिए प्रभारी हैं।

[सं० 4185/फा॰ सं॰ 203/134/79-प्राईटी ए-III]

S.O. 2739.—In continuation of this office Notification No. 2739 (F. No. 203|197|78-IT.AII) dated 1-3-1979, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Agricultural Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961.

#### INSTITUTION

K. M. Scientific Research Centre, Masondha, Motinagar, Falzabad (U.P.)

This notification is effective for a period of 3(three) years from 17-1-1980 to 16-1-1983.

[No. 4185]F. No. 203[134]79-FTA.II]

का० वा० 2740 :---सर्वसाधारण की जानकारी के लिए श्रीध-सूचित किया जाता है कि विद्वित प्राधिकारी, श्रथति, भारतीय भायुविज्ञान के सैंधान परिषद, तई दिल्ली ने निम्निलिखित संस्था की श्रायकर नियम,

- 1962 के नियम 8(ii) के साथ पठित, भायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान निजान के लेख में ''वैज्ञानिक अनुसंधान संगम'' प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शसों पर अनुमोदित किया है, अधीत ——
- (i) यह कि न्यास विकित्सा अनुसंघान के लिए प्राप्त राशियों का प्रथक लेखा रखेगा :
- (ii) उक्त न्यास प्रत्येक वर्ष के लिए प्रयंत वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी त्रियाकलायों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्रस्पों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकथित किए जाएं ग्रीर उसे सूचित किए जाएं।
- (iii) उक्त न्यास प्रत्येक वर्ष के लिए लेखकों का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके अतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध क्षायकर आयुक्त को भेजेगा ।

#### संस्था

डा० न।रन जी मोनजी बोरा चैरिटेबल हस्ट, सुम्बई

. यह भ्रधिसूचना 17-6-1981 से 16-6-1983 तक 2 वर्ष की भ्रविध के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 4186/फा० स० 203/106/81-मार्घ ती ए-II]

- S.O. 2740.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (I) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific Research Association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Trust will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
  - (ii) That the Trust will furnish annual returns of scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - tiii) That the Trust will furnish an annual audited statement of accounts to the Council by 31st May each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

Dr. Naranji Monji Vora Charitable Trust, Bombay.

The notification is effective for a period of two years from 17-6-1981 to 16-6-1983.

[No. 4186]F. No. 203[106]81-JTA.JI]

भा० आ० 2741.--इस निभाग की प्रधिसूचना सं० 2610 तारीख 12-12-78 के अनुक्रम में, सर्वेसाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्रधिकारी, अर्थात्, भारतीय प्रायुविकान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्निलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6 (ii) के साथ पठित, भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक संगम" प्रवर्ग के अर्थान, निम्निलिखिन एतौं पर अनमोदिन किया है, अर्थान् :---

- (i) यह कि संगम, त्रायुविकान (कृषि/पश्पालन/मात्स्थकी और श्रीषधि
   से मिन्न) अनमंद्रान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेशा ।
- (ii) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए प्रपत्ते वैक्कानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वाधिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्रस्पों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए ध्रधिकथित किए जाएं और उसे सुवित किए जाएं।

(iii) यह कि संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित वियरण परिषद् का प्रति वर्ष ३१ मई तक भेजेगा प्रौर इतके इतकी एक प्रति सम्बद्ध शाय-कर ग्रायुक्त का भजेगा ।

#### संस्था

भाई रिसर्च सेन्टर, मद्रास ।

यह प्रशिमूचना 23-11-1980 में 22-11-1981 तक एक वर्ष का प्रविध के लिए प्रभाव। है।

[स॰ 4187/फा॰ स॰ 203/294/1980-फ्राई टी ए-II]

- S.O. 2741.—In continuation of this office Notification No. 2610 (F. No 203|124|78-ITA. II) dated 12-12-78, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Medical Research, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (I) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "Scientific research association" in the field of medical research, subject to the following conditions:—
  - That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
  - That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - 3. That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

Eye Research Centre, Madras.

This notification is effective for a period of one year from 23-11-1980 to 22-11-1981.

[No. 4187]F. No. 203[294]1989. ITA.II]

- का० आ० 2742 :—सर्वमाधारण की जानकारी के लिए ग्रधि-मूजित किया जाता है कि विहिन प्राधिकारी, ग्रथीन, भागतीय चिकित्सा श्रमुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखिन मंस्था को श्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (ii) के साथ पठित, श्राय-कर श्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा श्रनुसंधान के क्षेत्र में "कैज्ञानिक श्रनुसंधान संगम" प्रवर्ग के श्रधीन, निम्नलिखिन गर्सो पर श्रनमोदिन किया है, श्रवांत :—
- (i) यह कि सगम वैज्ञानिक भनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पथक लेखा रखेगा ।
- (ii) यह कि उक्त रंगम प्रत्येक वर्ष के लिए प्रपने वैक्षानिक अनु-संधान संबंधी किया कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् की प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रयोजन के लिए प्रधिकथित कि जायें ग्रीर उसे सुचित किए जाएं।
- (iii) यह कि उक्त संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके ग्रतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध श्राय-कर श्रायुक्त को भेजेगा ।

#### संस्था

बांद्रा होली फैमिली श्रस्पताल सोसायटी, मम्बई

यह घिष्मूचना 3-7-1981 में 2-7-1983 तक 2 वर्ष की भवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 4188/फा० स० 203/112/81-फ्राई टी ए-II]

S.O. 2742.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) 762 GI/81—2

- of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6 (ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "Scientific Research Association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
  - (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - (fii) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

Bandra Holy Family Hospital Society, Bombay.

The notification is effective for a period of two years from 3-7-1981 to 2-7-1983.

[No. 4188/F. No. 203/112/81-ITA.II]

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1981

#### आय-कर

का० आ० 2743:—मर्वमाधारण की जानकारी के लिए प्रधिम्स्चित किया जाना है कि विहिन प्राधिकारी, प्रयति विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग, नई विल्ली ने निम्नियिवन संस्था को प्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, प्राय-कर प्रधिनियम, 1961 की द्वारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्रन्य प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "संगम" प्रयर्ग के प्रधीन, निम्नलिखित गर्ती पर प्रमुमोदिन किया है, प्रथित ——

- (1) यह कि जयरामदास पटेल, साइनटिफिक रिसर्थ फाउंडेगन, मुम्बई प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त े (कृषि/पशुपालन/मस्त्यकी धीर घोषधि से भिन्म) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त फाउडेशन प्रस्थेक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसक्षान संबधी किया कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रक्षों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकथिन किए जाए और उसे सूचित किए आएं।
- (3) यह कि उक्त फाउडेशान प्रति वर्ष वार्षिक विवरणी भौर लेखा विवरण भायकर भायक्त, नई विल्ली को भेजेगा ।

#### संस्था

जयरामदास पटेल साइनटिफिक रिसर्च फाउंडेशन, मुम्बई

यह प्रशिक्ष्यना 3-7-1981 से 2-7-1984 तक 3 वर्ष की धवधि के लिए प्रभावी है।

[स॰ 4201/फा॰ मं॰ 203/266/80 आई टी ए-II]

New Delhi, the 3rd Septemebr, 1981

#### INCOME TAX

- S.O. 2743.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Department of Science and Technology, New Delhi the prescribed authority for the purpose of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with rule 6 of the Income-tax Rules, 1962 under the category 'Association' in the area of other natural and applied sciences subject to the following conditions:—
  - That the Jayramdas Patel Scientific Research Foundation, Bombay will maintain a separate account of the sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agriculture animal husbandry fisheries and medicines.

- 2. That the said Foundation will furnish annual return of its scientific research activities to the Prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- 3. That the said Foundation will submit the Annual return and Statement of Accounts to the Commissioner of Income-tax, New Delhi for every year.

#### INSTITUTION

Jayramdas Patel Scientific Research Foundation, Bombay This notification is effective for a period of three years w.e.f. 3-7-1981 to 2-7-1984.

[No. 4201/F. No. 203/266/80-JTA.JI]

का०आ० 2744 .— इस विभाग की प्रधिसूचना सं० 2053 (फा० सं० 203/121/77-धाई टी ए ii) तारीख 26-11-1977 के अनुक्रम में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रयात्, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली में निम्नलिखित संस्था को श्राय-कर श्रीधनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्ती पर अनुमोदित किया है, श्रयांब्:—

- (1) यह कि इस छूट के अधीन रामक्र॰ण मिणन श्रारा संब्रहीत निश्चियों का उपभोग एकमात्र सामाजिक विज्ञान में श्रनुसंधान की प्रोक्षति के लिए किया जाएगा।
- (2) यह कि राम कृष्ण मिशन, इस छूट के घ्रधीन प्राप्त राणि का प्रथक लेखा रखेगा।
- (3) यह है कि रामकृष्ण मिशन, इस छड़ के श्रधीन सग्रहीत निधियों श्रीर वह रीति जिसमें निधियों का उपभोग किया गया है, दर्शाने वाली वार्षिक रिपोर्ट शौर उनके लेखा का संपरीक्षित विवरण परिषद् को नियमित रूप से भेजेगा।

#### संस्था

राम कृष्ण मिशन, विवेकानन्द कालिज, भद्रास

यह प्रधिसूचना 1-4-1980 से 31-3-1983 तक 3 वर्ष की प्रवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 4202/फा०सं० 203/76/81-माई टी ए-II]

- S.O. 2744.—In continuation of this office Notification No. 2053 (F. No. 203/121/77-ITA.II) dated 26-11-1977. It is hereby notified forgeneral information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Science Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 on the following conditions:—
  - That the funds collected by the Ramakrishna Mission under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in social sciences.
  - That the Ramakrishna Mission shall maintain separate accounts of the funds collected by them under the exemption.
  - That the Ramakrishna Mission shall send to the Council Annual Reports and audited statement of account regularly showing the funds collected under this exemption and the manner in which the funds are utilized.

#### INSTITUTION

Ramakrishna Mission, Vivekanada College, Madras

This notification is effective for a period of three years from 1-4-80 to 31-3-1983.

[No. 4202|F. No. 203|76|81-ITA.III

का०आर० 2745 .—सर्वेमाधारण की जानकारी के लिए प्रधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, प्रधांत, भारतीय प्रायुधिकान अनुसंधान परिषष् नई दिल्ली ने निम्नलिखित सस्था को ग्राय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान सगम" प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित शतौं पर अनुसंदित किया र, प्रथांत्:—

- (i) यह कि सगम विकित्सा अनुसंघान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेंगा।
- (ii) यह कि उक्त सगम प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनु-संघान संबंधी किया कलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा/करेगी जो इस प्रयोजन के लिए अधिकषित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।
- (iii) यह िक उक्त संगम प्रत्येक वर्ष के लिए लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित निवरण परिषक् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके/इसकी एक प्रति सम्बद्ध श्राय-कर भ्रायुक्त को भेजेगा।

#### संस्था

भगवान महाबीर विकलाग सहायता समिति, जयपुर।

यह प्रधिसूचना 11-8-81 से 10-8-84 तक 3 वर्ष की प्रविध के लिए प्रभावी है।

[सं॰ 4203/फा॰ सं॰ 203/131/81-आई टी ए-II] एम॰के॰ पाण्डेय, उप सचिव

- S.O. 2745.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions:—
  - (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical tesearch.
  - (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council for each year by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
  - (iii) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

#### INSTITUTION

Bhagwan Mahavir Viklang Sahayata Samiti, Jaipur.

This notification is effective for a period of three years from 11-8-81 to 10-8-84.

[No. 4203/F. No. 203/131/81-ITA.II] M. K. PANDEY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1981

#### आय-कर

का ब्लाब 2746.—आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2 खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, तथा भारत सरकार के राजस्य विभाग की दिनांक 31 दिसम्बर. 1979 की अधिसूचना संख्या 3114 (फार्क्स 404/3/करवरभर-डीएल माई/79/मर्करूपकर्पकर) का भ्रतिलंघन करते हुए. केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा श्री एसरुएसरु मेहता को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपन्नित भ्रधिकारी हैं,

उक्त मधिनियम के मतर्गत कर वसूली मधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह प्रधिसूचना श्री एस० एस० मेहता द्वारा कर क्सूली प्रधिकारी के पव को कार्यभार प्रकृण करने की तारीख में लागू हानी।

[स॰ 4205/फा॰ स॰ 398/14/81-आ॰ किल्स॰ स॰ कि

भारत का राजपत

New Delhi, the 4th September, 1981

#### INCOME TAX

SO. 2746.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3114 (F No 404/3/TRO-DLI/79 ITCC) dated 31 12 79, the Central Government hereby authorises Shri S S Mehta being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act

2 This Notification shall come in o force with effect from the date Shri S S Mehta takes over charge is Tix Recovery Officer

[No 4205|F No 398|14|81-ITCC]

का० आ० 2747.— आयकर धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खड़ (44) के उपखंड़ (11) का प्रमुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की विनाक 19 जून, 1980 की प्रधिस्थाना सक्या 3482 (फा०स० 398/18/80-प्राव्कवनवक्त) तथा 30 जनवरी 1979 की सक्या 2692 (फा० स० 404/27/क०वव्यव-भी एच प्रार्व) का प्रतिलघन करते हुए केन्द्रीय सरकार, एनवहारा श्री केव्वेच ख्रा की, जो केन्द्रीय सरकार के राजपन्निस प्रधिकारी है उक्त प्रधिनियम के अवर्गत कर वसूली प्रधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह प्रधिसूचना श्री के०के० खन्ना द्वारा कर वसूली प्रधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

> [सक्या 4209/फा०स० 398/25/81-म्रा०क०म०क०] मार०सी० हाडा, उप सचिव

S.O. 2747—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of of the Government of India in the Department of Revenue No 3482 (F No 398/18/80 ITCC) da ed 19 6 80 and No 2692 (F. No 404/27/(TRO-BHR)/79 ITCC dated 30 1 1979, the Central Government hereby authorises Shri K K, Khanna, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2 This Notification shall come into force with effect from the dated Shri K K Khanna takes over charge as Tax Recovery Officer

[No 4209|F No 398|25|81 ITCC] R C HANDA, Dy Secy

#### भादेश

नई दिल्ली, 24 सितम्बर 1981

#### स्टाम्प

का का 2748. — भारतीय स्टास्प ग्रिधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के माण्ड (क) द्वारा प्रवत्त प्राक्तियों का प्रयोग करते हुंग केन्द्रीय सरकार एनव्द्वारा उस मृत्क को साफ करती है जो राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किए जाने वाले 15 करोड़ 12 लाख तथा 50 हजार रुपये मूल्य के बन्धपत्रों पर, उक्त प्रधिनियम के भ्रतर्गत प्रभाय है।

[म० 20/81-स्टाम्प/फा०म० 33/३3/81-बि०क०] भगवान दास, प्रवर मचिव

#### ORDER

New Delhi, the 24th September, 1981

#### STAMPS

S.O 2748.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Cential Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of fifteen crore, twelve lakhs and fifty thousand tupees to be issued by the National Cooperative Development Corporation are chargeable under the said Act

[No 20|81|Stamps F No 32/33/81-ST] BHAGWAN DAS, Under Secy.

#### भोग्नीय उत्पाव शुस्क समाहतालय

कानपुर, 3 सिसम्बर, 1981

का० आ० 2749 — कन्द्रीय जल्पाद णुल्क नियमावस्ती, 1944 के नियम 173-छ के उपनियम (4) हारा प्रदत्त णिक्नियों का प्रयोग करते हुए मैं एतत्रद्वारा 'सूती वस्त्र को मुख्य कच्चे माल रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ की मद स० 16क(4) के भ्रतगंत भाने वाले ट्रान्सिमान रखर बैल्टिंग के लिए निर्धारित करता हू। इसका लेखा स्वयं निकासी प्रक्रिया के भ्रतगंत काम करने थारा प्रत्येक निर्धारिती द्वारा स्वयं निकासी प्रक्रिया की गुटिका (हैण्ड बुक्क) तृतीय सस्करण के फार्म IV, अनुबन्ध II मे रखा जाएगा, जैसी कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के भ्रष्ट्रिया VIII-क मे गुल्क थोय माल भ्रष्टीत ट्रांसिमशन रखर बैल्टिंग के विनिर्माण में लगने वाले कच्चे माल का लेखा रखने की व्यवस्था की गई है। छीलन सथा रही जा रह जाय उनका भी अलग से हिसाब रखा जाय , जिससे प्रयुक्त वच्चे माल तथा परिष्ट्रण उत्पाद वा भ्रनुपात जात किया जासके।

[अधि० स॰ 6/81/पत्नाक V (16-क) (8)2-সা৽/VI/81/2950-8] जे० रामकृष्णन, समाहर्ता

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Kanpur, the 3rd September, 1981

S.O. 2749—In exercise of the powers conferred by sub-rule (4) of Rule 173 G of Central Excise Rules, 1944, I hereby prescribe "textile fabrics" as the principal raw material for the Transmission Rubber Belting falling under item 16-A (4) of the Central Excise Tariff, an account of which shall be maintained in form IV, annexure II of the S R. P. Hand Book IIIrd Edition by every assessee working under the Self Removal Procedure laid down in Chapter VII A of the Central Excise Rules, 1944 for account of raw material and components consumed in he manufacture of excisable goods 1e transmission tubber beltings, Cuttings and wastages that may occur should also be accounted for separately to arrive at the consumption of raw material ratio with the finished product

[Notification No 6|1981|C No V (16-A) (8)|2-Tech| VI|81|29508]

J RAMAKRISHNAN: Collector

# केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालय, मध्य प्रदेश

**इदौ**र 20 जन, 1991

फा०आ० 2750.—श्री भार० के० एस० चौहान, प्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्य समृष्ठ 'ख' मध्य प्रदेश इदौर, निवर्तन भी आयु प्राप्त बरने पर दिनाक' 30-4-81 के प्राप्तान्त् से शासकीय सेवा में निकृत्त हुए।

[प्रधिसूचना स० 9/81/प०मं० H(3)9-गोप/81]

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, M. P.

Indore, the 20th June, 1981

S.O. 2750.—Shri R. K. S. Chauhan, Superintendent, Central Excise, Group 'B' of Madhya Pradesh Collectorate, Indore, having attained the age of superannuation, has retired from Government service in the afternoon of 30-4-81.

[Notification No. 9|81|C. No. II (3) 9-Con[81]

इंदोर, ३० जुलाई, 1981

का आ 2751. — केन्द्रीय उत्पाव शुल्क के स्राधीक्षक समूह 'ख' के पव पर पदोन्नत होने पर श्री एस०एस० मजदे, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (ख०श्रे०) ने केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेज, रायपुर में 17-6-81 के पूर्वान्ह मे प्राधीक्षक के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

[मधिसूचना सं॰ 13/81/प०सं० 11(3)9-गोप/81)] एम० के० धर, समाहर्ता

Indore, the 30th July, 1981

S.O. 2751.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B' Shri S. S. Mazde, Inspector of Central Excise (S. G.), has assumed charge as Superintendent, Central Excise, Range-I, Raipur, in the fore-noon of 17th June, 1981.

[Notification No. 13|81C. No. II(3) 9-Con[81] S. K. DHAR, Collector

# वाणिज्य मंत्रालय

#### (वाणिज्य विभाग)

मावेश

नई विल्ली, 10 अक्तूबर, 1981

का०आ० 2752.— केन्द्रीय सरकार की, निर्यात क्वालिटी नियंत्रण प्रीर निरीक्षण प्रिष्ठिनियम, 1963 (1963 का 22) की घारा 6 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का, प्रयोग करते हुए, यह राय है कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए ऐसा करना आवश्यक तथा समीचीन है क काजू की गिरियों का निर्यात से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण धौर निरीक्षण किया जाए;

भीर केन्द्रीय सरकार ने उक्त, प्रयोजन के लिए नीचे बिनिर्दिष्ट प्रस्ताव बनाए है तथा उन्हें निर्यात (क्वालिटी नियंक्षण भीर निरीक्षण नियम, 1964 के नियम II के उप-नियम 2 द्वारा भ्रपेक्षित रूप में निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज विया है;

भतः, भवः, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के भनुसरण में काजू की गिरियों से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की भ्रधिसूचना सं० का०न्ना० 1022 और 1023 तारीख 26 मार्च, 1966 तथा का०न्ना०सं० 275 तारीख 21 जनवरी 1978 को मधिकान्त करने हुए, उक्त प्रस्तावों को उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

इसके द्वारा सूचना दी जप्ती है कि, उक्त प्रस्ताओं के बारे में कीई प्राक्षेप करने या सुझाथ दैने का इच्छुक कोई व्यक्ति उसे इस धादेश के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद "मनोहर बिल्डिंग" एम०जी० रोड, एर्नाकुलम, कीबीन 582011 को भेज सकता है।

#### प्रस्ताव

- (1) अधिसूचित करना कि काजू की गिरिया निर्यात से पूर्व क्वासिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन होंगी।
- (2) इस सबंध के उपबंध 1 मे दिए गए काजू की गिरियों के नियंति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1981 के प्रारूप के अनुसार, क्विनिटी नियंत्रण और निरीक्षण के प्रकार को निरी-क्षण के ऐसे प्रकार के रूप में विनिदिष्ट करना जो नियंति से पूर्व काजू की गिरियों को लागू होगा ।
- (3) इस धादेण के उपाबन्ध में विण् गए विनिर्देशों को काजू की जिए मान-क विनिर्देशों के रूप में मान्यता देता ।
- (4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में ऐसी काजू की गिरियों के निर्मात को तथ तक प्रतिषिद्ध करना जब तक कि उनके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त अधि-करण द्वारा जारी किया गया इस आश्रय का प्रमाणपद्ध न हो कि काजू कि गिरिया मानक विनिर्वेशों के अनुरुप हैं तथा निर्यात योख है।
- (5) इस फ्रांदेश की कोई भी बात भावी जैलाग्नों को भूमि समुद्र या वायु मार्ग द्वारा काजू की गिरियों के नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होंगी, परन्तु यह नज जब कि ऐसे नमूनों का योज पर्यन्त निःशहक मृत्य 250 रुपए से फ्रांधिक न हो।
- (6) इस आदेश में "काजू की गिरियां" से ऐसी सभी प्रकार की काजू की गिरियां अभिप्रेत हैं, जो बिना भुनी हुई, भुनी हुई साबृत टुकड़ो में सिकी हुई और नमक लगाई हुई है।

#### उपाद्यस

काजू की गिरियों के लिए विनिर्वेश
 विभिन्न किस्सों के लिए श्रेणी श्रभिधान, ब्यापार नाम भौर साधारण लक्षण यदि निम्नलिखित होंगे:

	(क) काजूकी गिरि	या (मा <b>ब</b> ुत)
श्रेणी प्रभिष्ठान	गिरियों की मख्या प्रति पींड	साधारण विशेषताएं
<b>इ</b> ब्स्यू/ 180	170/180	काजुकी गिरियां काजुमों का छिल्का उतारकर मीर छीलकर (ऐना-
डब्स्यू /210	200/210	कार्डियम श्राविसडेन्टल) से प्राप्त की जाएंगी तथा विभिष्ट भाकार की
<b>स्टब्स्</b> / 240	220/240	होंगी । रंग में सफेद, पीली, हाथी बीत या हरूकी राख के रंग की
<b>ड</b> ब्ल्यू /280	260/ 280	तथा उचित रूप से मृष्क होगी । कीटाणुद्वारा किए जाने थाले
डब्ल्यू /320	300/320	नुकसान, खराब गिरियों तथा काले या भूरे धब्बों से मुक्त होंगी ।
डक्ट्यू ४००	350/400	गिरियां पूर्णतः बीआवरण से मुक्त होंगी।
<b>ड</b> ब्ल्यू /450	400/450	
<b>ड</b> ब्स्यू /500	450/500	
सह्यता : दूटी हुई गिरिया तथा अगली	निम्न श्रेणी की गिरियां, यदि कोई हों, पैक	किए जाने के समय एक साथ 5 प्रतिशत से ग्रधिक नहीं होगी।

श्रेणी मभिधान	ब्यापार माम	साधारण विशेषता <sup>म्</sup> रं
भु०सा. 1	भुनी <b>दृ</b> ई सामृत	काजू की गिरियां काजुमों का छिलका उसार कर स्रीर छीलकर (ऐनाकाडियम स्नाक्सिडेन्टल) से प्राप्त की जाएगी विशिष्ट प्रकार की होंगी तथा उचित रूप से शुष्क होंगी । कीटाणु द्वारा किए जाने वाले नुकसान खराब गिरियां तथा काले धब्स्नों सौर बीजाबरण से मुक्त होंगी । बिक्कत गंध याले काजुमों से पूर्णतः मुक्त होंगी । स्नधिक ताप से मुनी हुई होने के कारण रंग में हल्की सूरी, हल्के हाथी बांत, हल्की राख या गहरे हाथी बांत के रंग की हो सकती हैं।

# ग. डेजर्ट काजू की गिरियां (साबुत)

श्रेणी अभिधान	ब्यापार नाम	विवरण	माधारण विशेषताएं
भृसाधयाभृमा 1-क	भुनी हुई साबुत हुई साबुत 1-क	घटिया या भुनी मामूली सी निकत पड़ी हुई गिरियां	काजू की गिरियां काजुओं का छिलका उतारकर ग्राँर छीलकर (एनाकार्वियम श्राक्सिडेन्टेल) से प्राप्त की जाएंगी, विशिष्ट श्राकार की होंगी तथा उचित रूप से गुष्क होंगी। कीटाणु द्वारा किए जाने वाले नुकसान तथा परीक्षणों से पूर्ण रूप से मुक्त होंगी मामूली सी भुनी हुई गिरियां तथा जरा मी धब्बों वाली तथा अपवर्णित गिरियां अनुजात होंगी। वे पूर्णन: विक्रुस गंध से मुक्त होंगी गिरियां कच्ची भी हो सकती है। श्रीर भुने होंगे के कारण रंग में हल्की भूरी, हल्की नीली या हल्के हाथी दौत के रंग की हो सकती है।
ष सा	डेजर्ट सामुत	8	हत्य त्या पार्त पर्यं का हा सम्या है।  हाजू की गिरियां काजुमों का छिलका उतार कर भौर छीलकर (ऐनाकार्डियम माक्सिडेन्टल) से प्राप्त की जाएंगी, विशिष्ट भाकार की होंगी तथा उचित रूप से शुष्क होंगी । किटाणु द्वारा किए जाने वाले मुकसान तथा बीजावरण से पूर्णतः मुक्त होगी।  मुनी हुई, भपवणित धब्बे तथा शिकन पड़ी हुई गिरियां  मनुक्तात नहीं होंगी। गिरियों पर गहरे काले धम्बे हो सकते हैं।
<b>सह्</b> यता	टूटी हुई गिरियां प्रधिक नहीं होगी	थ। घ्रगली निम्न श्रेणी की गिरिया, ।	यदि कोई हों, पैक किए जाने केसमय एक साथ 5 प्रतिशत से

# घ. काजू की गिरियां (सफेंद टुकड़ें)

श्रेणी मणिष्टान	व्यापार नाम	विवरण	साधारण सद्घण
<b>ब</b>	बट्स	आड़ी तिरस्त्री ट्टी हुई तथा प्राकृतिक रूप मे जुड़ी व हुई गिरियां	काजू की गिरियां काजुओं का छिलका उतार कर घीर छोलकर (एनाकार्डियम माक्तियडेन्टल) से प्राय्त की जाएंगे तथा रंग में सफेब पीली, हाथी दांत के रंग की या हल्की भूरी होंगे तथा उचित कप से मुख्क होंगी। कीटाणु द्वारा होने वाले नुकसान खराब
ट्	टुकड़े	प्राकृतिक रूप से टूटी हुई गिरिक्षों की लम्बाई	गिरियों तथा काले धक्यों से ग्रौर विक्कत रंध वाक्षी गिरियों से पूर्णतः मुक्त होंगी । टुकड़े बीजा- वरण से पूर्णतः मुक्त होंगे।
स ब टु	सफेब वड़े टुकड़	दों से भ्रष्टिक टुकड़ों में टूटी हुई गिरियां जो 4 छिद्रों वाली 18 एस० डक्क्यू० जी छलनी / 4.75 मि० मी० भ्राई० एस० छलनी से न निकल सके	य <b>यो</b> क्स
छो स टु	छोटे सफेद टुकड़े	एल डब्ल्यूपी के रूप में वर्णित से छोटी टूटी हुई गिरियां किन्तु जो 6 छिद्रों वाली 20 एस० डब्ल्यू जी० छलनी 2.50 मि० मी० आर्ड० एस० छलनी से न निकल सके।	यथ <del>ीक्स</del>

3372	THE GAZETTEO	F INDIA : OCTOBER 10, 1	981/ASVINA 18	, 1903 [PART II—Sec. 3(ii)]
कें किं	बेजी बिट्स	छो०स०टू० में वर्णित छोटी हुई गिरियां जो 10 छिट्रों डब्स्यू जी छलनी /1.70 मि छलनी में से म निकल सकें।	वार्षा 24 एस ० मी० ब्राई एस	यथोक्त
सह्यताः ्	पैक किए जाने के समय ध्रम	ती निम्न श्रेणी के या टुकड़ों के 5 प्री	नेपात तक । 	
ड. काजूकी	गिग्मि (भुने हुए ट्रकड़े)			
श्रेणी <b>प्र</b> भिक्षान	भ्यापार नाम	विवरण	स	।धारण सक्षण
भ्युं <b>य</b>	भुने हुए बट्स	तिरछी टूटी हुई गिरियां तथा प्रा <b>इ</b> हुई गिरियां	तिक रूप से जुड़ी क	जू की गिरियां काजुझों का छिलका उन एकर और छील कर (एनाकाडियम झाक्सिकेन्टल) से प्राप्त की जाएंगी तथा उचित रूप से मुख्क होंगी । कीटाणु द्वारा किए जाने वाले नुकसान खराब गिरियों, काले धब्बों तथा बीजावरण से पूर्णतः मुक्त होंगी । विकृत गंध वाली गिरियों से पूर्णतः मुक्त होंगी । अधिक ताप के कारण भुने हुए दुकड़े हल्के भूरे या गहरे हाथी वात के रंग के हो मकते हैं।
म टु	भुने हुए दुकके	प्राकृतिक रूप से लम्बाई में टूटी	हुई गिरियां का	जु की गिरिया काजुओं को छिलका उतारकर भौर छील कर (एनाकाडियम भाक्सिडेन्टेल) से प्राप्त की जाएंगी तथा उचित रूप से गुरुक होंगी किहाण डारा किए जाने वाले नुकसान खराब गिरियों , काले धब्बों तथा बीजावरण से पूर्णतः म्वत होंगी । बिक्कत गंध बाली गिरियों से मुक्त होंगी । श्रीधक ताप के कारण भुने हुए टुकड़े हत्के भूरे या गहरे हाथी बात के रंग के हो सकते हैं ।
<b>मु</b> टु	भुने हुए टुकडे	टुकड़ों में टूटों हुई गिरियो कि वाली 16 एम डब्स्यू जो मि०मी० ग्राई एम छलनी में	० छलनी/4.75	* .
भुको हु	भूमे हुए छोटे टुकके	भृटुमें वर्णित गिरियों मे छोटी किन्तु को 6 छिट्रों घानी जी छलनी / 2.80 मि० मी में से ग निकल सकें।	ट्टी हुई गिरियां 20 एस डब्स्यू ॰ भाई एस छलनी	यथो <b>क्</b> त
सह्यसा		के समय अपली निम्न श्रेणी के या टुव	ष्ट्री के 5 प्रतिसत तक	5   
	की गिरियों के टुकड़ें 		····	
श्रेणी <b>भ</b> भिघान	व्यापार नाम	<b>विव</b> रण	दूषण	साधारण लक्षण
भुष टू	भुने हुए घटिया टुकडे या भुने हुए टुकडे 1-क	टुकड़ों में टूटी हुई गिरिया किन्तु जो 4 छिद्रों वाली 16 एस डब्ल्यू जी छलनी / 4.75 मि० मी० झाई एम छलनी में से न निकल सकें।	सिकुड़ी हुई गिरियों गिरियों तथा काले विकृत हो सकते हैं।	•

कारण विक्रन हो सकती है तथा धब्बे भी हो सकते हैं।

				5
हे दु	केजटं टुकड़े	टुककों में टूटी <b>हुई</b> गिरयों भिन्तु जो 4 <b>म्</b> छिदों वाली 16 एस <b>डब्स्</b> यू जी छलनी 4.75 मि० मी० झाई एस छलनी में से न निकल सके।		यथोक्त
के छो टु	डेजर्ट छोटे टुक हे	उसी किस्स की किन्तु डेटुसे छोटी गिरियां जो 6 छिद्रों बाली एम डब्ल्यू जी छलनी / 2.80 मि० मी० माई एस छलनी से न निकल सके।		यधोक्त
डे ब	डेजर्ट बट्म	तिरकी टूटी हुई तथा प्राकृतिक रूप से जुड़ी हुई गिरियां।		यथोक्स
बेंदु '	डेजर्ट टुकड़े	प्राकृतिक रूप से लम्बी टूटी हुई गिरियां	<del></del>	य <b>थो</b> क्त

#### 1. फच्ची सामग्री

- 1.1. काजू की गिरियों का जिनमें भुनी हुई, बिना भुनी हुई साबुस गिरियों या उनके टुकड़े सम्मिलिन हैं, भुनने तथा नमक लगाने के लिए प्रयोग की जाएगी।
- 1.2 वे किसी भी प्रकार के कीटाणु ग्रसन--फर्क्स वृद्धि, विकृत गन्ध तथा बीजावरण की उपस्थिति से पूर्णतः मुक्त होगी ।

#### 2. तैयार करना

- 2.1 भूनी हुई सथा नमक लगाई हुई काजू की गिरिया, किसी भी मान्यसा प्राप्त पकाने वाले बर्सन में उनको भूनकर तथा नमक लगाकर या सूखा भून कर तथा नमक लगाकर तैयार की जाएंगी।
- 2.2. पकाने के लिए प्रयुक्त बर्तन स्टैनलेस स्टील के होंगे।
- 2.3 भुनने से पहले गिरियों का आर्थता यंग 3.5 प्रक्षिमत से प्रिक्षिक नहीं होगा।

#### 3. उत्पाद की अपेक्षाएं

- 3.1 न्नेता तथा विनेता के बीच की गई संविधा में यथा धनुवाद श्रोणी ध्राभिदान तब तक धनुकात होंगे जब तक कि वे तथ्यों का वर्ष्यंपदेशन न करते हों।
- 3.2 रसायन विश्लेषण पर, काजू की गिरियां भूनकर तथा नमक लगाकर तैयार करने के पश्चात निम्निलिखित सारणी में दर्शित स्वीकृति स्तरों के मंतर्गत होंगी।

#### सारणी

# स्वीकृति स्तर

मुक्त वसाक्षम्ल पैरासा**इड** मूल्य

0.4% (भोलिक मम्ल के इप में)
सतवसा के भार के प्रनुसार
सतवसा का 2 एम ई जी, .02/कि
ग्राम भूनी हुई तथा नमक
लगी हुई गिरियों में मुक्त बसा
ग्रम्स तथा पैराक्माइड मूल्य के
प्राक्कलन की पद्धति परिणिष्ट
में दिए गए निर्धारण की पद्धति
के मनुसार होगी।

3.3 खाष भपिमश्र निवारण नियम, 1966 के भधीन भनुज्ञात परिरक्षक तथा सुरुचि कर्मेक ।

#### 4. पैक करना

4.1 भुनी हुई और नमक लगाई हुई काजू की गिरियां केता द्वारा ऐसे प्राकार के डिब्बों में घीर ऐसी प्रस्थ धर्मेकाओं के धनुसार जो विनर्दिष्ट की जाए पैक की जाएगी।

- 4.2 गिरियां संविदा की धपेकानुसार पन्नी में पैक की जा सकती है।
- 4.3 डिब्लो नए साफ ध्रौर जंग रहित या किसी भी प्रकार के नुकसान से मुक्त होंगे।
- 4.4 गिरियां पैक्यूम वाले भाधानों में या मंग्निय गैस के माध्यम से पैक की जाएनी।
- 4.5 केता की पैक करने की अपेक्षाओं के अनुसार गत्ते (कार्ड बोर्ड) के डिब्बों में या विसंक्रमित लकड़ी की पेटियों में बंद किए जायेंगे।
  - 4.6 प्रत्येक डिब्बों मा पेटियों पर निम्निलिखित चिह्न होंगे:
  - (क) उत्पादकानाम
  - (ख) विनिर्माताकान।म
  - (ग) पोत लदान (शिर्षिपग) भिन्ह
  - (घ) किलोग्रामों में शुद्ध ग्रीर कुल भार।

# 5. मृ**हर बन्द करना**

5.1 पैक किए जाने के पश्चात प्रत्येक परेषण उचित रूप से जैसा कि परिषद द्वारा विभिद्दिष्ट हो मुहरबंद किया आएगा।

#### परिशिष्ट

भुनी हुई भौर नमक लगाई हुई काजू की गिरियों में पैराक्साइड मूल्य के प्राक्कलन के लिए पद्धति

#### 1. प्राक्कलन की प्रक्रिया

- 1.1 मिश्रक में 50 प्राम काजू की गिरियों प्रौर पाउडर हों। 250 लिटर के डाटदार शक्वाकर फ्लास्क में चूरा सामग्री लें ग्रौर उसमें 150 मिलीलीटर क्लोरोफार्म मिलाएं ग्रौर फ्लास्क को रात भर हिलक्ष वशा (शेकर) में रखें। ग्रगले विन दूषण के ग्रंतर्गत मसाले को बूधर फ्लास्क में छान लें। श्रवशेषों को फिर 100 मिलीलीटर क्लोरोफार्म में मिला वें ग्रौर दो घंटे के लिए शेकर में रखें ग्रौर फिर छान लें। तब क्लोरोफार्म राम 250 मिलिलीटर तक हो जाए।
- 1.2 प्रगं का 10 मिलीलीटर या लगभग 0.5 प्राम बसा बाला यथीजित एलिकीट भाग मूखें भीर छोटे वो भीकरों (25 मिलीलीटर क्षमना बाले ) में निकाला जाए। डिग्न को जल के ऊपर रखने से क्लोरोफार्म वाध्यित करना बंद कर दिया जाए और फिर देगिजयों को 70 डिग्नी सेंअपे० वाले बैक्यूम श्रोजन में स्थानाल्तरित कर दिया जाए। बैक्यूम के ग्रंतगैत वाध्यीकरण एक घंटे के लिए किया जाएगा। वेगिजयां बाहर निकाल ली जाएंगी, ग्रांधित में ठंडी की जाएंगी ग्रोर उन्हें तीला जाएगा। वेगियां को फिर ग्रोजन में 30 मिनट के लिए रखा जाएगा

फिर उटा कि: फाएगा ग्रीर तोला जाएगा। यह प्रक्रिया नव नक दोहराई जाएगी जब तक कि दो परिणाम जानक दोलों का ग्रन्तर 5 मिर्निग्राम से अधिक नहीं होगा।

1.3 4 प्राम वना वाले क्लोरोफार्म प्रकं का एलिकोट 500 मिलिलीटर वाले डाटदार णक्वाकार प्लास्क में उला जाएना ग्रीर क्लोरोफार्म एसिटिक एसिड का 2:3 भ्रनुपात प्राप्त करने के लिए ख़ेगल एसिटिक एसिड की अपेक्षित माला मिलाई जाएनी । इसमें संतृष्त पोटाणियम भ्रायोधीन चोल का 0.5 मिलीलीटर पिपेट किया जाएना भीर चोल को कभी-कभी ठीक एक मिलट के लिए हिलाकर स्थिर रहने दिया जाएगा भीर फिर उसमें 50 मिली लीटर भ्रामूत जल मिला दिया जाएगा 0.1 एन सोडियम थायोसल्फेट भ्रीरे-भ्रीरे मिलाने हुए भ्रीर निरन्तर तथा सल्पूर्वक हिलाते हुए इसका भ्रनुमापन करें। अनुमापन लगातार करते रहें जब तक कि पीला विल्कुल लूप्त न हो जाए। एक प्रतिशत स्टार्च सुक्क का 0.5 मिलीलीटर मिलाएं भ्रीर भ्रनुमापन भिरन्तर करते रहें जब तक कि नीला रंग लुस्त न हो जाए।

टिप्पण : (1) प्रतिविन धाभिकर्म का पूर्ण निर्धारण करे पूर्ण अनुमापन 0.1 एन मोडियम थायोसल्फेट के 0.1 मिलीलीटर से ग्रधिक नहीं होगा।

- (2) यदि धनुमापन घारम्भ करने से पूर्व घोल का रंग हल्का पीला है तो उस धवस्या में स्टार्च सूचक का मिलाया जा सकता है।
- (3) शदि प्रनुमापन- 0.1 एन सोडियम थायोसल्फेट घोल के 0.5 मिलीलीटर से कम है तो 0.01 एन सोडियम थायोसल्फेट घोल का प्रयोग करने हुए निर्झारण को दोहराएं।
- 1.4 पैरावसाइड मूल्य की गणना निम्नानुसार की जा सकती है। पैराक्साइड मूल्य निम्न के मिली तुल्यांकी रूप में होगा:-

1000 प्राम बसा के प्रनुसार प्रति पैराक्साइड

(ए<u>-की) एम × 1000</u>-जन्म

जहां ए---नमूने का भ्रनुरूपन बी----णृस्य साधारणता एन----थयोसल्फेट की डब्लू---परीक्षण के लिए ली गई वसा का भस्म भार

#### 2. मुक्त बला अस्ल का प्राक्त लग :

- 2.1 लगभग 5 थाम बसा वाले क्लोरोफार्म के एक एलिकबाट को तोलने वाले शक्याकार फलास्क में डाला जाएगा। जल तापन पर क्लोरो-फार्म वाक्षिपत किया जाएगा। क्लोरोफार्म के सबशेवा वैक्यूम भोवन के वैक्यूम के सधीन हटा दिए जाएंगे। फलास्क को क्लोरोफार्म मुक्त वासा के साथ तोला जाएगा।
- 2.2 फिलोपयीलीन का भूजक के रूप में प्रयोग करते हुए मस्कोहल (मामुत) हल्के सोडियम हाइड्रोक्साइड मील सहित निष्प्रभावित होगा। 50 मिलीलीटर गर्म बसा में निष्प्राभावित मस्कोहल मिलाई जाएगी भीर फलास्क को भ्रच्छी तरह हिलाया जाएगा। 0.1 एन सोडियम हाइ- ड्रोक्साइड सहित मनुमापन तब तक करें जब तक कि गुलाबी रंग जो 30 सैकेन्ड के लिए स्थिर है लुप्त न हों।

टिप्पनी: यदि अनुमापन 0.1 एन सौडियम हाइड्रोक्साइड को 0.5 मिली-लीटर से कम हो तो 0.2 एन सोडियम हाँइड्रोक्साइड घोल प्रसुक्त करते हुए निर्धारण दोहराएं ।

2.3 मुक्त बसा भ्रम्ल की गणना निम्नानुसार की जा सकती है: तले के रूप में भुक्त बसीय भ्रम्ल

प्रतिश<sup>न</sup>  $-\frac{\mathbf{v}\times\mathbf{v}\mathbf{f}\times\mathbf{28.}}{\mathbf{s}\mathbf{s}\mathbf{v}\mathbf{a}}$ 

जहां ए ——सोडियम हाइड्राक्साइड घोल का मिलि० एन——सोडियम हाइड्रोक्साइड घोल की प्रभामान्यना तथा डब्ल्यू——जांच के लिए ली गई बमा का ग्राम में भार एस—–टीन के डिब्कों के लिए विनिर्देश

कोण की गिरियों के पैक करने के लिए प्रयोग किए गए टीन के डिब्बे 30 एस उब्ल्यू जी (0.3150 एम एम) की उत्तम क्वालिटी की टीन की चहुर से बने होंगे तथा प्रत्येक डिब्बे का भार 1 किलोग्राम से कम नही होगा ।

1. नलीदार संत् बोर्ड डिब्बों के लिए विनिर्देश

सीलबंद डिब्बों के पैक किए जाने के लिए प्रयोग किए गए नालीदार तंतु बोर्ड डिब्बे 5—साई के होंगे तथा निम्नलिखित छो आधीं को भी पूरा करेंगें, ग्रंथीतृ:—

कम संख्या विशिष्टता	भ्रपेक्षा .
1 विस्फटन क्षमता कि० ग्रा०/सें० मी० <sup>2</sup> स्यूनतम	12
2 पदार्थं ग्राम/मी० <sup>8</sup> न्यूनतम	150
(क) नलीवार माध्यम के लिए	
(ख) लाइनरों के संयुक्त भार के लिए	450
3 <sup>ए</sup> लूट का प्रकार	क <b>ख</b> गसा इसके निए उसका कोई भी सस्मिश्रण
4 पंचर प्रतिरोध यूनिट न्यूनतम	175
3 काल की गिरियां पैक करने के लिए प्रयोग की गर्न	सकति की मेरियों के

 काजू की गिरियां पैक करने के लिए प्रयोग की गई लकड़ी की पेटियों के लिए विनिर्देश

यदि विदेशी केता उत्पाद लकड़ी की पेटियों में प्राप्त करना चाहते हैं तो एसी लकड़ी की पेटियां निम्नलिखित प्रपेक्षाओं को पूरा करेंगी, प्रथात्:--

- (1) पेटियां साफ घौर सुखी होंगी ;
- (2) पेटियों को कीट प्रसन से रोकने के लिए उचित रगायनों से संसाधित किया जाएगा और वे फंफुबी से मुक्त होंगी; नथा
- (3) पेटियां बनाने के लिए प्रयुक्त लकड़ी के नक्तों में फंलक के लिए 12 मिलीमीटर की ग्रीर ग्रन्थ फलकों के लिए 6 मिलीमीटर की मोटाई होगी ।

#### उपादंघ

निर्यात (क्वामिटी नियंक्षण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963का 22) की धारा 17 के अधीन बनाए जाने के लिए प्रस्ताबिल नियमों का प्रारूप)

- संक्षिप्त नाम सथा प्रारम्भ--(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम काजू की गरियों का निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण ग्रौर निरीक्षण) नियम 1981 है।
  - (2) ये को प्रवृत्त होंग।
- 2. परिभाषाएं—-इन नियमों में जब तक कि संवर्ध से ग्रन्थणा ग्रपक्षित न हो :--
  - (क) "श्रिधिनियम" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण श्रीर निरीक्षण) श्रिधिनियम, 1963 (1963 का 22) श्रीभित्रेत है;
  - (ख) "भ्रभिकरण" से प्रधिनियम की धारा 7 के प्रधीन मुम्बई, कलकत्ता, कोचीन, विल्ली या महास में स्थापित भ्रभिकरणों में से कोई एक ग्रन्थिकरण ग्रभिप्रेत है

- (ग) "काजू की गिरियों" से सभी प्रकार की काजू की बिना भूनी हुई साबुत टुकडों में, भूनी हुई तथा नमक मिली हुई गिरियां प्रभिन्नेत हैं।
- 3. क्वालिटी नियंत्रण प्रिमिश्ण द्वारा धमुमोदित केवल प्रसंस्करण यूनिटें ही निर्मात के लिए काजू की गिरियों का प्रसंस्करण करने का पाझ होंगी तथा धमुमोदन प्राप्त करने के लिए अहित होने के लिए एक यूनिट के पास नीचे किनिविष्ट स्पृनतम सुविधाएं होनी चाहिए :
  - (क) संभरक यूनिटें प्रधिकरण द्वारा धनुमोदित केवल संभरक यूनिटें ही निर्यात के लिए कक्जी काम की गिरियों को संसाधित करेगी ।

साधारण यूनिट में प्रचलित कीट विज्ञान पहलुओं के विशेष निर्देश से सफाई तथा स्वास्थ्य की स्थितियों के विनिर्णय के लिए तथा निर्यात के लिए काजू की गिरियों के प्रसंस्करण हेत् उपसब्ध स्यूनतम सुविधाओं की उपयुक्तना का निर्धारण करने के लिए संशरक यूनिटें/शाखा कारखाने प्रधिकरण द्वारा मृत्यांकन फिए जाने के अध्यक्षीन होंगे। संभरक यूनिट के पाम नीचे यथा थिनिदिष्ट न्यूनतम मुविधाएं होगी।

#### फ. 1 परिवेश भीर निर्माण

- (क) उन यूनिटों का परिजेश, जो प्रसंस्करणकर्ता के भौतिक नियंत्रण के भश्रीन है ऐसा होगा जिससे किसी भी सफाई की कोई समस्या महीं होगी ।
- (खा) भवन/मोड सामाधन प्रव रूप में रखा जाएंगे ।
- (ग) कार्य करने वासे कक्षों की ग्रसन की किमी भी जीखिम से बचाने के लिए ग्रच्छी भवस्था में रखा जाएगा ।

#### क 2 प्रसंस्करणक्षेत्र

- (क) कच्ची गिरी के गोदाम सथा प्रसंस्करण कक्षा इस प्रकार के होंगे कि प्रभावणाती प्रति पीड़क तथा पीड़क हरण मंक्रियाएं की जा सके ?
- (खा) प्रसंस्करण कक्षों में कुत्तक पक्षियों तथा मजातियों का प्रवेश रोकते के लिए व्यवस्थाएं उपलब्ध होंगी।
- (ग) सभी कार्य क्षेत्रों में प्रक्ली रोशनी होगी !
- (ध) खाद्य उत्पादो के भण्डारकरण के लिए प्रयोग किए गए क्षेत्र या कक्षा भौर डिब्बे उनके पृथक धीर सुभिन्न होंगे जो मखाध सामग्री के लिए प्रयोग किए गए हैं।
- (क) मधी कतन, ट्रेमेज की सतह, जो सामग्री के सम्पर्क में घाती हैं, प्रयोग के पूर्व पश्यात् सथा प्रयोग के ग्रन्तरालों के दौराम जब भी घावश्यक हों, साफ की जाएंगी।

## क. ३. प्रमाधन मुविधा

यूनिट में थिधि के प्रधीन यथा धर्पेक्षित पर्याप्त प्रसाधन सुविधाक्री की व्यवस्था की जाएंगी ।

प्रसाधनों में माम्रुत तथा पर्याप्त पानी के प्रदाय का प्रबंध किया जाएगा।

# क. 4 कार्मिको का स्थास्थ्य तथा स्वच्छना

- (क) संयद्ध का प्रबंध मंडल यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी ऐसे क्यिक्त को, जिसके बारे में यह जानकारी हो कि यह संचरणीय रोग ने पीड़ित है, यूनिट के किसी भी क्षेत्र में काम करने की धनुमित न दी जाय ।
- (खा) प्रसंस्करण क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी व्यक्ति कार्य करते समय भागनी भारपधिक सफाई रखेंगे।
- (ग) कार्यकर्ता प्रत्येक धनुपन्धित के पश्चात् कक्ष प्रसंश्करण में प्रवेश करने से पर्व ग्रपने हाथ धोएंगे ।
- (व) प्रसंस्करण कक्षों में किसी भी रूप में तम्बाकृका चवाना, गूकना नथा प्रयोग करना प्रतिषिक्त होगा ।

#### क 5 परिवहन सविधाएं

यह सुनिधिचत किए जायेगा कि पूर्व प्रसंकृत तथा तैयार उत्पाद पैक किये जाने वाले केन्द्री में कवल पालियीन के स्तर वाले/ जंक रहित धातु के विक्कों से ले जाया जाता है।

#### क. 6 निरीक्षण प्रक्रिया

- (क) संगुरिण यूनिटों के मूर्याकिन के प्रयोजन के लिए निर्यातकर्ता परिषद् द्वारा निर्धारित प्रपत्न में सम्भरण यूनिटों के झ्योरे अभिकरण को लिखित रूप में देशा।
- (ख) ऐसी सूचका प्राप्त होने पर, अधिकरण के अधिकारी यूनिट से प्रसंस्करण के लिए उपलब्ध गुविधाओं, स्वश्वता तथा स्वास्थय वशाओं का विनिर्णय करने के लिए संभरण यूनिटों में आयेंगे।
- (ग) यदि यह पाया जाता है कि इन नियमों में यथा विनिर्विष्ट स्मृत्तिय सुविधाएं यूनिट में जपलब्ध हैं और स्वास्थकर तथा स्वच्छता वणाए समाधानश्रव हैं और कोई ग्रासन समस्या दिखाई नहीं देती है, तो अभिकश्य को यूनिट का धनुमौदन कर देगा तथा निर्यात के लिए काजू की गिरियों का प्रसंस्थरण करने के लिए अनुज्ञा दे देगा।
  - (घ) यदि यह पाया जाता है कि यूनिट में न्यूनतम स्वास्थ्यकर तथा स्वस्थ्यता देशाएं नहीं हैं तो प्रसंस्करण कर्ता को उस यूनिट में निर्यात के लिए काज की गिरियों का प्रसंस्करण करने की घनुका नहीं दी जाएगी।
  - (ष्ट) वह यूनिट, जिसका अनुभोदन महीं किया गया है या जिसका अनुभोदन बापस ने लिया गया है। दोषों पर मुझार करने के पश्चात् नया अनुभोदन प्राप्त करने के लिए नया आवेदन-पद्म दे सकता है।
  - (च) यति किसी भी समय उत्पाद की अनुरूपता बनाए रखने में किसी प्रकार की कठिनाई होती है तो प्रधिकरण को सूचना देते हुए निर्यात के लिए उत्पादन को निलिम्बित किया जाए, परन्तु अभिकरण दोषों का मुझार करने के लिए दो सप्ताह की सूचना अवधि देगा।
- (छ) निर्यात के लिए प्रक्रिया केवल तभी पुनः भारम्य की जाएगी जब भ्रभिकरण उसका लिखिन भ्रतुमोवन कर वे।
- (ज) भूनना, सुखना, खिलका उतारना, श्रेणोकरण, भण्डारकरण इस्यादि जैसी संसाधन प्रक्रियाएं यूनिट के अनुभवी कार्मिक के पर्यवेक्षणाक्षीन स्वास्थ्यकर दणाओं में की आएंगी।
- (ज्ञा) प्रसंस्करण संक्रियाची की, जब भी धावश्यक समझा जाए, घ्रशि-करण के घ्रधिकारी जांच पड़ताल करेंगे ।

#### क. 7 प्रसंस्करण

यह सुनिष्चित किया जाएगा कि द्रावश्यक प्रति-पीड़क तथा पीड़क-हरण उपाय कालिकतः तथा जब कभी श्रक्षिकरण के श्रक्षिकारियों द्वारा सुकाय दिया जाए किए जाते हैं।

# खा पैक करने के केन्द्र

साधारण : म्राभिकरण द्वारा प्रनुमोदित पैक किए जाने के केन्द्र ही नियति के लिए काजू की गिरियों को पैक करने के पास होंगे।

खा। ऐसे अनुमोदित पैक किए जाने के केन्द्र केन्नल अनुमोदित संभरण यूनिटों से ही निर्यात के लिए पैक की जाने वाली गिरियां प्राप्त करेंगे। अनुमोदन के लिए अहाँता होने के लिए पैक करने वाले केन्द्र के पास नीचे यथा विनिर्विष्ट स्यूनतम सुविधाएं होनी चाहिए।

#### स्त्र. 2 परिवेश, सन्निर्भाण तथा अभिन्यास

- (क) भवन स्थायों /प्रधंस्थायों सन्तिर्माण का होना सथा प्रक्की दशा में रक्षा जाएगा।
- (ख) उस परिसर के जो प्रसंस्करण कर्ता के मौतिक नियंत्रण के अधीन है, झास पास किसी भी प्रकार का दलदल, कूडे का हेर या पणु गृह नहीं होगा, जो किसी भी प्रकार की सफाई की समस्याओं को उत्पन्त कर सकता हो।

rown bernell or a rob territorial content (ग) कार्यकारी पृत्सियों से प्रसप की किसी भी जोखिम से बचाने के लिए ग्रन्की दशा में रखा आएगा।

#### ख. 3 प्रसंस्करण क्षेत्र

- (क) प्रमंस्करण कक्षी में कीटाणुधीं कुसकी, पक्षियों तथा मजातियीं के प्रयेण का निवारण करने के लिए उपाय किए जाएंगे।
- (ख) सभी कार्य क्षेत्रों में श्रुक्छी रोणनी होगी।
- (ग) खाद्य उत्पादों के भण्डारकरण के लिए प्रयोग किए गए या कक्ष उनसे पृथक और सुभिन्न होंगे, जो श्रखाद्य सामग्री के लिए प्रयोग किए जाते है।
- (ध) प्रसंस्करण संक्रियाची के दौरान कार्यकारी क्षेत्रों में से भगणिष्ट सामग्री वारंकार हटायी जाएगी।
- (इट) सभी बर्रान, ट्रे तथा मेज की सतह, जो काजू की गिरियों के सम्पर्क में ब्राती है प्रयोग के पूर्व, पत्रवात् तथा प्रयोग भन्तराली के दौरान, जब भी श्रावश्यक हों, साफ की जाएंगी ।
- (च) सभी छोटे पात्र जैसे हे, बाऊल भीर क्षेत्रों को भरते के लिए प्रवृत्त बर्सन लकडी के श्रक्तिरिक्त संक्षारण सामग्री से बने होंगे तथा उनकी समह दरारों से मुक्त विकनी होगी।
- (छ) प्रसंस्करण संकियाओं के दौरान रही कार्यकारी क्षेत्रों से बारंबार हटाई जाएंगी।
- (ज) पैकिंग/भराई अनुभाग के प्रवेश पर हाथ धोन की सुविधा जैसे हाथ धोने का पास तथा साब्त की सुविधा होगी।

#### भा 4 मशीनरी

- (क) पैकिंग केन्द्र के पास 26" ऊंचाई के वेक्युम की निकालने के योग्य एक विटापैक उपकरण अच्छी कार्यकारी दणा में होगा। वैक्युमीकरण के बौरान डिब्बों में से निकाली गई वैक्युम उप-दिशित करने के लिए भेज के साथ विटापैक्स लगाया जाएगा।
- ं(खा) पैकिंग केन्द्र के सहराई प्रनुभाग में बातीय बाहरी पदार्थ संद्धकर्ता (पी० एफ०---एम० एस०) का प्रबंध किया जाएगा जो गिरियों के साथ विद्यमान बाह्य पकार्थको पृथक करेगा।काजुकी गिरियों को भरने का सम्पूर्ण कार्य केवल पी० एफ० एम० एस० द्वारा ही किया आएगा।
- (ग) स्वास्थ्य दशाश्रों के श्रधीन रखे गए पैकिंग केन्द्र में, गिरियीं की भन्भूल रखने के लिए ग्रावण्यक गीतलन सुविधाएं होंगी 🔻

#### **न्त्र.** 5 प्रसाधन स्**वि**क्षाणं

सफाई के प्रकार की पर्याप्त प्रसाधन सुविधाओं का प्रबंध किया जाएगा । प्रसाधनों में साबुन तथा पर्याप्त पानी का प्रबंध किया जाएगा । म्ब. 6 कार्यकारों का स्वाम्थ्य तथा स्वच्छता

- (क) प्लांट प्रश्रंध मंडल यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी ऐसे व्यक्ति को जिसके बारे में यह जानकारी हो कि वह संकामक ंरोग से पीड़ित है, यूनिट के किसी भी क्षेत्र में काम करने की भ्रमुमति न दी जाए ।
- (सा) प्रसंस्कारण क्षेत्र में कार्य करने वाले सभी व्यक्ति कार्य करते समय अपनी अन्यधिक सफाई रखेंगे।
- (ग) कार्यकर्ता प्रस्येक अनुपस्थिति के पश्चात् प्रसंस्करण कक्षो में प्रवेश करने से पूर्व भ्रपने हाथ धोएंगे।
- (भ) प्रसंस्करण कक्षों में जबाने, थूकने तथा किसी भी भूप मे तस्बाक् क। प्रयोग करना प्रतिषिद्ध होगा ।
- (क) प्रसंस्करण कक्षों में खाना रखने वाले डिक्के नहीं रखे जाएंगे।

(म) प्रवंधमञ्जल जराई तथा पैतिया अनुभागों में कार्य कर रहे कर्म--वारियो का स्वज्छ एप्रेन सथा डोप (हैडगियर) देगा।

# ख. 7 पैक करने आले केन्द्रों का धनुमोदन

- (क) निर्यात करने के लिए काज़ की गिरियों को पैका करने का डच्छुक प्रसंस्करणकर्ता अपने ऐसा करने के आधाय की सूचना, लिखित रूप में परिषद् द्वारा विहित प्रोफार्मा में, प्रभिक्षरण को देगा।
- (ख) ऐसी सूचना प्राप्त होने पर ग्राभिकरण के श्रक्षिकारी पैकिंग युनिट में यह देखने के लिए जाएंगे कि यूनिट में प्रसंस्करण के लिए सुविधाएं उपलब्ध है।
- (ग) यदि वह पाया जाता है कि यूनिट में न्यूनतम बिहित मुविधाएँ हैं तो युनिट को निर्यात के लिए काजू की गिरियों को पैक करने के लिए अनुमोदिन कर विया जाएगा।
- (घ) किसी युनिट को दिशागया ग्रन्मोदन कम सेकम दो सप्ताह की सूचना देने के पण्चान्, निम्नलिखिय कारणों मे बापस से लिया जाएगा, **म**र्थात् :----
  - (1) यदि उपस्कर तथा मणीनरी ग्रन्छी कार्यकारी दशा में न हो :
  - (2) यदि यूनिट की स्वच्छना तथा सफाई विमाएं समाधन
  - (3) यदि संभरण यूनिट की स्वच्छना नया सफाई की दशा समाधानप्रव है तथा भ्रशिकरण के स्रधिकारियों ने कीट विज्ञान सर्वेक्षण में कीट ग्रसन के मामली की देखा हो।
  - (4) यदि प्रसंस्करणकर्ता ने परिषद् द्वारा जारी किए गए नियमों के उपबर्धा का प्रतिक्रमण या जानगृहा कर प्रतिक्रमण करने का प्रयास किया हो।
- (इ.) प्रसंस्करणकर्ता की धनुमोदन को ऐसे वापस लेने के बारे मैं लिखित रूप में सूचना दी जाएगी।
- (च) जब जिटापैक मणीन विहित कार्यकारी दशा मे न हो तो युनिट में बिटापैक कार्य नहीं किया जाएगा।
- (छ) वह यूनिट जिसका अनुमोदन वापस ले लिया गया है, दीवों को सुधारने के पक्ष्वात् फिर से भनुसोवन प्राप्त करने के लिए नया मानेदन-पश्र देगा ।
- (ज) यदि किसी यूनिट को किसीं भी समय किसी कारण से अपेक्षाओं की अनुरूपना रखने में कटिनाई हो या प्रभिकरण द्वारा निर्वेषित किया गया हो तो प्राधिकरण को सूचित करते हुए, निर्यान के लिए उत्पाव को निलम्बित कर दिया जाएगा।
- (भ) निर्यात के लिए प्रसंस्करण को केवल तभी पुनः धारम्भ किया जाएगा जब बह लिखित रूप में मभिकरण द्वारा प्रन्मोदित कर वियाजाए।

#### ग. संयुक्त यूनिटे

एक संयुक्त जाज़ का कारखाना, जिसके पास निर्मात के लिए क जूकी गिरियों का प्रसम्करण करने तथा पैक करने दोनों के लिए सुविधाएं हैं, संभरण यूनिट सथा पैकिंग केन्द्र के लिए अनुसोवन प्राप्त करने की विहिन सुविधाएं राजने बाला माना जाएगा। ऐसी यूनिटों के लिए एक ससुक्त श्रनुमोदन पर्याप्त होगा ।

#### (म) श्रिभिलेखों का रखाजान।

काजूकी गिरियों के प्रसंस्करण पर प्रभावी नियंत्रण सृतिस्थित करने के लिए प्रसंस्करणकर्ता सम्बन्धित परिसरी पर ग्रावश्यक भ्रापिलेख/रजिटर

रखेगा श्रीर ये अभिकारण के अधिकारियों को निरीक्षण के लिए, जब भी अपेक्षित हो, उपलब्ध कराए जाएंगे।

#### छ. निरीक्षण की प्रक्रिया

- (क्षं) काजू की गिरियों के पंग्षण का निर्यात करने का इच्छुक निर्यात कर्ता परिषद् द्वारा विहित प्रोफार्माधों में श्रीमकरण की लिखित कप में मुखना देगा तथा ऐसी मुखना के साथ इस श्राग्य का श्रीपणा-पत्न भी देशा कि काजू की गिरियों का परेषण, इस संबंध में प्रभिकरण द्वारा यथा विहित क्वालिटी नियंतण उपायों का प्रशेग करते हुए ध्रमंकुत किया गया है।
- (ख) ऐसी मूचना पोन लदान के लिए प्रमाण-पन्न की प्राप्ति की प्रपेक्षित तारीख से कम से कम सान कार्य दिवस (भूनो हुई नथा नमक लगी हुई काजू की गिरियों के सम्बन्ध में 15 कार्य दिवस) से पूर्व प्रभिकरण के कार्यालय की पहुंच जाएगी।
- (ग) ऐसी सूचना प्राप्त होंगे पर श्रीमंकरण सामान्यतः प्रपेक्षित रूप में जीच नमूने लेगा और यदि श्रीमंकरण का समाधान हो जाता है कि निर्यात किया जाने वाला परेषण विनिविष्ट मानकों के श्रनुरुष है तो यह निर्यात कर्ता को यह घोषणा करने हुए कि परेषण निर्यात योख्य है, प्रमाण-पन्न जारी करेगा।
- (म) जब प्रभिकरण का इस प्रकार का समाधान नहीं होता है ता अह ऐसा प्रमाण-पन्न जारी करने से इन्कार कर देगा तथा ऐसे इन्कार की सूचना उसके कारणों महित लिखित रूप में निर्यात कर्ती की वेगा।
- (ङ) निरीक्षण के प्रयोजन के लिए प्रभिक्षरण के अधिकारी सुसंगन अभिलेखों भौर उस परिसरों तक, जहां काजू की गिरियों का प्रसंस्करण, पैंकिंग तथा भंडारकरण किया जाता है, पहुंच होगी।
- (च) प्रमाणन के पश्चात् भी श्राधकरण की भण्डारकरण में या पत्तनी
   गर परेषण की क्वालिटी पुनः निर्धारित करने का श्राधकार
   होगा ।
- (छ) परेषण के इन प्रक्रमों में से किसी भी प्रक्रम पर मानक विनि-वैंगों के प्रमुख्य न पाए जाने पर मूल रूप से जारी किया गया प्रमाण-पत्र वापस ले लिया जाएगा।

#### 4. निरीक्षण फीम

श्रेणी बेबी बिट्न (बी० बी०) जो जिसके 12.70 कि आम या उसके भाग के लिए साठ पैमें फीस है, छोड़कर 11.34 कि आम का काजू की पिरियों या इसके भाग के लिए साठ पैमें की दर से फीन ६ सूल की जाएगी। तथापि भूनी हुई तथा समक लगाई हुई काजू की गिरियों के सामले में प्रत्येक परेषण के लिए स्यूनतम 30/- रुगए पीत पर्याप्त नि:- शुल्क मूस्य के प्रत्येक 100 रुपए या इसके भाग के लिए 30 पैसे की दर से फीस सी जाएगी।

# 5. श्रपील

- (क) प्रशिक्षरण द्वारा खण्ड 6 (घ) या ख. 7 के प्रश्नीन उसकी स्निट के लिए प्रमुसीदन प्रदान करने से या नियम इ के प्रधीन नियान याग्य का प्रमाण-पत्न जारी करने से प्रकुष्ण किए, जाने से व्यक्तित कोई व्यक्ति उसके द्वारा ऐसे इन्कार की सूचना प्राप्त होने के दस दिन के भीतर इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों के सम्बन्धित पैमल के संयोजक को, जिसमें कम से कम तीन परन्तु ग्राधिक से प्रधिय सात सदस्य होंगे, व्यपील कर सकता है।
- (ख) विशेषक पैनल की गुल सदस्यता के कम स कम दो तिष्टाई सदस्य व्यवसायी सदस्य होगे।

- (ग) पैनल की गणपूर्ति तीन से होंगी।
- (व) धर्पाल उसके प्राप्त होने के प्रत्यह दिन के भीतर निपटा दी जाएगी।

[सं॰ 6(1)/81-नि॰नि॰ तथा नि॰ उ०] सी॰ बी॰ कुकरंती, संगुक्त सिण्व

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### (Department of Commerce)

#### ORDER

New Delhi, the 10th October, 1981

S.O. 2752.—Whereas, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Cashew Kernels should be subjected to Quality Control and Inspection prior to export.

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government in supersession of the notifications of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S. O. 1022 and 1023 dated the 26th March, 1966 and S.O. No. 275 dated the 21st January, 1978 relating to Cashew Kernels hereby publishes the said proposals for information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objection or suggesti on with respect to the said proposals may forward the same within 45 days of the date of publication of this order in this Official Gazette to the Export Inspection Council, Manobar, M. G. Road, Ernakulam, Cochin-682011.

#### PROPOSALS

- To notify that Cashew Kernels shall be subject to quality control and inspection prior to export;
- (2) To specify the type of quality control and inspection in accordance with the draft Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1981 as set out in Annexure-I to this order as the type of inspection which shall be applied to Cashew Kernels prior to their export;
- (3) To recognise the specifications as set out in Annexure to this order as the standard specifications for Cashew Kernels
- (4) To prohibit the export of Cashew Kernels in the international trade unless the same are accompanied by a certificate of inspection issued by an Agency recognised by the Central Government under Section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 to the effect that Cashew Kernels confirm to the standard specifications and are exportworthy.
- (5) Nothing in this order shall apply to the export by land, sea or air of samples of Cashew Kernels to prospective buyers, provided that no such sample is in excess of F. O. B. value of Rs. 250/-.
- (6) In this order, 'CASHFW KFRNFLS' means all types of Cashew Kernels-unscorched, scorched, wholes, pieces, toasted and salted Kernels.

#### ANNEXURE

#### Specifications for Cashew Kernels

1. Grade designations, trade names and general characteristics etc. for different varieties shall be as follows:

# A. CASHEW KERNALS (Whole)

Grade designation	Number of Kernels per lb.	General Characteristics
W/180	170/180	Cashew Kernels shall have been obtained through shelling and peeling coshewants (Ances-
W/210	200/210	rdium Occidentale) shall have the characteristics shi pe shall be white pale in cry or light
W/240	220/240	ash in colour and reasonably dry. They shall be completely free from insect damage, dama-
W/280	260/280	ged Kernels and black or brown spots. They shall be completely free from rancid Kernels.
W/320	300/320	The Kernels shall be completely free from tests.
A/400	350/400	
w/450	400/450	
w/500	450/500	
Tolocance:	Broken Kornels and I	Kernels of the next lower grade, if any, shall not together exceed 5% of the time of packing.

#### B. SCORCHED CASHEW KERNELS (Whole)

Grade designation	Trade Name	General Characteristics
SWI	Scorchod Wholes	Cashew Kernels shall have been obtained through shelling and pecling cashewauts (Anacardium OCCIDENTALE); shall have the characteristic shape; shall be reasonably dry. They shall be completely free from insects damage, damaged Kernels and black spots and tests. They shall be completely free from rancid Kernels may be light brown, light ivory, light ash or deep ivory in colour due to scorching as result of overheating.

Tolerance: Boken Kernels and Kernels of the next lower grade, if any, shall not together axceed 10 % at the time of packing.

# C. DESSERT CASHEW KERNELS (Whole)

Grade designation	Trade Name	Blemish	General Characteristies
SSW or SW IA	Scorched Wholes Second or Scorched Wholes 1. A	Slightly Shrivelled Keine- nels	Cashew Kernels shall have been obtained by shelling and pecling cashewnuts (Anacardium Occidentale) shall have the characteristics shape, be reasonably dry. They shall be completely free from insect damage and tests, slightly scorched Kernels and Kernels with slight speckling and discolouration permitted. They shall be completely free from rancid Kernels. The Kerrels may also be immature. The Kernels may be light brown, light blue or light ivory in colour due to scorching.
DW	Desert Wholes		Cashew Kernels shall have been obtained by shelling and peeling cashewnuts (Anacardium Occidentele) shell have the characteristic shape, shall be reasonably dry. They shall be completely free from insect damage and tests. Scorched, discoloured, speckled and shrivelled Kernels poimitted. Reneid Kernels not permitted. The Kernels may show deep black spots.

Tolerance: Broken Kernels of Kernels of the next lower grade, if any, shall not together exceed 5% at the time of packing.

# D. CASHEW KERNELS (White pieces)

Grade designation	Trade Name	Descriptkon	General Characteristics
В	Butts	Kernels broken crosswise and naturally attached	Cashew Kernels shall have been obtained by shelling and pee- ling cashewnuts (Anacardium Occidentale) shall be white.
S	Splits	Kernels split naturally lengthwise	pule ivory or light ash in colour and reasonably dry. They shall be completely free from insect damage, damaged Kernels and black spots. They shall be completely free from rancid Kernels. The pieces shall be completely free from tests.
LWP	Large White pieces	Kernels broken into more than two pieces and not passing through a 4 mesh 16 S. W. G. sleve/ 4 75 mm-I.S. Sieve.	-do-

surface speckling and discolouration penultted. The Kernels may be light brown deep ivery or light to deep blue in colour. May be deformed due to immature nuts and may have spots.

[भाग[[ खण्ड 3(ii)].		भारत का राजेपः	न. भ्र <del>वलू</del> बर 10, 1981 <b>/मारिय</b> म 18,	1903 3379
1	2	3	4	
SWP	Small White pieces	Brordon Kernels smaller than those described as LWP but not passing through a 6 mesh 20 SWG sieve/2 80 mm— 1. S. Sieve	-do-	
BB  Tolerance: up	Baby Bits  to 5 percent of the next le	Plumules and broken Ker- nels smaller than tho- so described as SWP but not passing throu- gh a 10 mesh 24 SWG sieve/1.70 mm—I.S. sieve	-do- ime of packing.	
Ė. CASHI	EW KERNELS (Scorche	d pieces)		<del>*</del>
Grade designation	Trade Name	Description	General Cha	recteristics
SB	Scorched Butts	Kernels broken cross- wise and naturally atta- ched	reasonably dry. They shall damage, damaged Kernels, blofree from rancid Kernels. Th	n obtained through shelling and ium Occidentals) and shell be be completely free from insect ack spots and tests. They shall be e pieces may be light brown corching as a result of over hea-
SS	Scorched Splits	Kerneis split naturally lengthwise	Cashew Kernels shall have been obtained through and shellin and peeling cashewnuts (Anacardium Occidentals) and shall be reasonably dry. They shall be completely free from insect damage, damaged Kernels, black spots and testa. They shall be free from rancid Kernels. The pieces may be light brown a deep ivory in colour due to scorching as a result of over heating	
SP	Scorehed pieces	Kernels broken into pie- ces and not passing through a 4 mesh 16- SWG sieve/4.75 mm— I.S. Sieve	-do-	Traing to a reson of over Boaring.
SSP	Scorched Small pleces	Broken Kornels smaller than those described as SP but not passing through a 6 mesh 20 SWG sieve/2, 80 mm— LS. Sieve	-do-	
		wer grade or pieces at the th	ne of Packing	
	ERT CASHEW KERNE			
Grade designation	Trade Name	Description	Blemisb	General Characteristics
1	2	3	4	5
SPS	Scorched Pieces Seconds or Scorched Pieces IA	Kerrels broken into ple- ces but not passing through 4 mesh 16 SWG sieve/4.75 mm.— I. S. Sieve	Pieces of shrivelled Kerrels may be deformed due to immature nuts and black spots.	Crshew Kernels shall have been obtained through shelling and pecling Cashewnuts (Ana cardium Occidentals) and shall be reasonably day. They shall be completely free from insect damage and testa. Scorched pieces with

1	2	3	4	5
ДP	Dessert Pieces	Kernels broken into pie- ces but not passing through 4 mesh 16 SWG sieve/4.75 mm— LS. Sieve	More shrivelled then those des- cribed as SPS & deeply scor- ched	-do-
DSP	Dessen Small Pieces	Kernels of the same des- cription as, but small- er than DP and not passing through a 6 mesh 20 SWG sieve/ 2.80 mm—I. S. Sieve.	er-va vaga	-dn-
DB	Dessert Butts	Kernels broken cross- wise and naturally atta- ched.		-do-
DS	Dossert Splits	Kernels split naturally lengthwise	<u> </u>	-do-

G. Specifications for roasted and salted Cashew Kernels.

#### 1. Raw material

- 1.1 Cashew Kernels, which shall include scorched, unscorched whole or pieces shall be used for roasting and salting.
- 1.2 They shall be completely free from insect infestation of any kind, fungal growth, rancldity and the presence of testa

#### 2. Preparation

- 2.1 Roasted and salted Cashew Kernels shall be prepared by roasting the cashew Kernels in any of the recognised cooking media and salting, or through the dry roasting and salting process.
  - 2.2 The cooking utensils used shall be of stainless steel.
- 2.3 The moisture content of the Kernels before roasting shall not be more than 3.5 per cent.

#### 3. Product requirements

- 3.1 The grade designations as stipulated in the contract between the buyer and the seller shall be allowed unless they make any misrepresentation of the facts.
- 3.2 The kernels, after the preparation through roasting and salting, on chemical analysis, shall be within the acceptance levels shown in the Table below:

#### The Table

# Acceptance levels Free fatty acid — 0.4% (as oleic acid) on the weight of extracted fat Peroxide value — 2 meg./.02 kg. of extracted fat

The method of estimation of Free Fatty Acid and Peroxide value in roasted and salted cashew Kernels shall be as per the method of determination given in the Appendix.

3.3 Preservatives and flavouring agents permitted under the prevention of Food Adulteration Rules, 1966.

## 4. Packing

- 4.1 The roasted and salted cashew Kernels shall be packed in consumer containers of the size and other requirements as may be specified by the buyer.
- 4.2 The Kernels may also be foil packed as required in the contract.
- 4.3 The containers shall be new, clean and free from rusting or any kind of damage.

- 4.4 Kernels shall be packed in the containers under vacuum or in the medium of inert gas.
- 4.5 The containers shall be packed in cardboard cartons or disinfected wooden cases according to the packeting requirements of the buyer.
  - 4.6. Each carton of case shall be marked to show-
  - (a) name of the product
  - (b) name of the manufacturer
  - (c) shipping marks
  - (d) net and gross weight in Kgs.

#### 5. Sealing

5.1 Each consignment after packing shall be suitably scaled as may be specified by the Council.

#### APPENDIX

Method for estimation of peroxide value in Roasted and Salted Cashow Kernels:

#### 1. Procedure of estimation

1.1. Weight 50 gms. of Cashew Kernels and powder these in a grinder.

Take the powdered material in 250 ml. stoppered conical flask and add 150 ml. of chloroform, keep the flask in shaker over night. Next day the slurry is filtered in a Buchner flask under suction. The residue again mixed with 100 ml. of chloroform and kept in a shaker for two hours and filter. The volume of the combined chloroform extracts is then made upto 250 ml.

- 1.2, 10 ml. each of the extract or suitable allquot portion containing about 0.5 gm. Fat is pipetted out into two previously dried and weighed in small beakers (25 ml. capacity) Chloroform is evaporated off by keeping the dishes on water bath. Then the dishes are transferred to a vacuum oven maintained at 70°C. Evaporation under vacuum is carried out for one hour. Dishes are taken out, cooled in a desicator and weighed. The dishes are again kept in the oven for 30 minutes, then taken out, cooled and weighed. This process is repeated until the difference between the two consecutives weighings is not more than 5 mg.
- 1.3. Aliquot of the chloroform extract containing about 4 gm. of fat is taken in a 500 ml. stoppered conical flask and required quantity of glacial acetic acid is added to get 2:3 ratio of chloroform acetic acid. 0.5 ml, of saturated potassium

iodide solution is pipetted out into this and the solution is allowed to stand with occasional shaking for exactly 1 minutes and then 50 ml. distilled water is added. Titrate this with 0.1 N Sodium thiosulphate adding it gradually and with constant and vigorous shaking. Titration is continued until the yellow colour has almost disappeared. 0.5 ml. of 1% starch indicator is added and the titration continued until the blue colour just disappeared.

#### Note:

- Conduct blank determination of the reagent daily. Blank titration should not exceed 0.1 ml. of 0.1.N. Sodium thio-sulphate.
- (2) if the colour of the solution is light yellow before the start of titration, starch indicator may be added at that stage.
- (3) If the titration is less than 0.5 ml. of 0.1.N. Sodium thio-sulphate solution, repeat the determination using 0.01 N. Sodium, thio-sulphate solution.
- 1,4. The peroxide value may be calculated as under:

Peroxide value as milli equivalents of peroxide per 1000 gm.

of fat = 
$$\frac{(a-b) \times N \times 1000}{W}$$

Where a - Titration of samples:

b ∞blank

N=Normality of thiosulphate

W=Weight of fat taken for test

#### 2. Estimation of free fatty acids

- 2.1. An aliquot of the chloroform containing about 5 gm. of fat is taken in a weighed conical flask. Chloroform is evaporated off on a water bath. Traces of chloroform is removed under vacuum in the vacuum oven. Flask is weighed with chloroform free fat.
- 2.2. Absolute alcohol (Distilled) is neutralised alcohol with dilute sodium hydroxide solution using phenolphthalein as indicator. To the fat 50 ml. of hot, neutralised alcohol is added and the flask is shaken well. Titrate with 0.1.N. Sodium hydroxide till a plnk colour which is stable for 30 seconds appeared.

Note: If the titration is less than 0.5 ml. of 0.1.N. Sodium Hydroxide solution repeat the determination using 0.02.W. Sodium Hydroxide solution.

2.3. The free fatty acid may be calculated as under: Free fatty acid as oleic, percentage— A×NX"28.2

W

Where A-ml. of the sodium hydroxide solution N-normality of the sodium hydroxide solution and W-Weight in gas of fat taken for test

#### H. Specifications for tin containers:

The tin containers used for packing Cashew Kernels shall be fabricated of prime quality tinsheets of 30 SWG (0.3150 mm.), and each container shall weight not less than 1 Kg.

1. Specifications for corrugated fibre board cartons

The corrugated fibre board used for packing scaled tins shall be of 5-ply, and also satisfy the following requirements, namely:

Sl. No.	Property	Requirement
 I	Brusting strength Kg/cm2 min	12
П	Substance g/m2/min (a) For corrugation medium (b) For combined weight of liners	150 450
ш	Type of flute	A, B, C or any combination of those thereof
īV	Puncture resistance units min	175

J. Specifications for wooden boxes used for packing Cashew Kernels:

In case a foreign buyer desire to obtain the product in wooden boxes, such wooden boxes shall satisfy the following requirements, namely:

- (i) The boxes shall be clean and dry.
- (ii) The boxes shall be treated with suitable chemicals against insect infestation, and be free from mould growth; and
- (iii) The wooden planks used for making boxes shall have a thickness of 12 mm for the plank, and 6 mm for other planks.

#### ANNEXURE

(Draft rules proposed to be made under Section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963).

- 1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Export of Cashew Kernels (Quality Control and Inspection) Rules, 1981.
  - (2) They shall come into force on the......
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context other wise requires:
  - (a) 'Act' means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
  - (b) 'AGENCY' means anyone of the agencies, established under section 7 of the Act at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras;
  - (c) 'CASHEW KERNELS' means all types of Cashew Kernels—unscorched, scorched, wholes, pieces. roasted and salted kernels.
- 3. Quality Control.—Only processing units approved by the agency shall eligible for processing Cashew Kernels for export and a unit to qualify for approval shall have the minimum facilities as specified below.

#### A. Feeder units

Only Feeder units approved by the Agency shall process naw cashewnuts for export.

General: In order to adjudge the sanitary and hygienic conditions with special reference to entomological aspects prevailing in the unit and assess the adequacy of the minimum facilities available to process Cashew Kernels for export, the feeder units/branch factories shall be subjected to an evaluation by the Agency. A feeder unit shall have the minimum facilities as specified below

#### A. 1 Surroundings and Construction

(a) The surroundings of units, which are under the physical control of the processor, shall be such as not to pose any sanitary problems.

- (b) The building/shed shall be maintained satisfactorily.
- (c) The working rooms shall be maintained in goods repair to prevent any risk of infestation.

#### A. 2 Processing Areas :

- (a) The raw nut godowns and the processing rooms shall be such as to permit effective anti-infestation and dis-infestation operations.
- (b) Arrangments shall be available to prevent entry of rodents, birds and the like into the processing rooms.
  - (c) All the working areas shall be well lighted.
- (d) Areas or compartments and the containers used for the storage of edible products shall be separate and distinct from those used for inedible materials.
- (e) All the utensils, trays and table surfaces which come in contact with the material shall be cleaned before after and during intervals of use as often as necessary.

#### A. 3 Toilet facility:

Adequate toilet facilities as required under the law shall be provided in the unit. Soap and plentiful supply of water shall be provided at the toilets.

#### A. 4 Personal health and hygiene :

- (a) Plant management shall have the care to ensure that no person, while known to be affected with a communicable disease, is permitted to work in any area of the unit.
- (b) All persons workings in the processing area shall maintain a high degree of personal cleanliness while on duty.
- (c) The workers shall wash their hands before entering the processing room after each absence.
- (d) Chewing, spitting and use of tobacco in any form shall be prohibited in the processing rooms.

#### A. 5 Transportation Facilities:

It shall be ensured the pre-processed and finished products are transported to the packing centres only in polythene laminated/non rusting metallic containers.

## A. 6 Procedure of Inspection:

- (a) For the purpose of assessment of feeder units, the exporter shall inform the Agency in writing, in the proforma prescribed by the Council, the details of the feeder units.
- (b) On receipt of such information, the Agency officers shall visit the feeder units in order to adjudge the sanitary and hygienic conditions and facilities for processing available in the unit.
- (c) If the unit is found to have the minimum facilities as specified in these rules and the hygienic and sanitary conditions are satisfactory and no infestation problems noticed, the agency shall approve the unit and nermit it to carry out processing of cashew kernels for export.
- (d) If the unit is found not to have the minimum sanitary and hygienic conditions, the processor shall not be allowed to process Cashew Kernels for export in that unit,
- (e) A unit which is not approved or whose approval has been withdrawn may, after rectifying the defects, make fresh application to the Agency for getting fresh approval.
- (f) If at any time there is any difficulty in maintaining the conformity of the product to the production for export shall be suspended under intimation to the Agency, provided, however that the Agency shall give a notice period of 2 weeks for rectification of defects.
- (g) The processing for export shall be resumed only after the same is approved by the Agency in writing.
- (h) The processing operations such as rossting, drying pecling, grading, storage etc., shall be corried our in hygienic conditions under the supervision of experienced personal of the unit

(i) The processing operations shall be subjected to check by the Agency officers as often as found necessary.

#### A. 7. Processing:

It shall be ensured that necessary anti-infestation and disinfestation measures are carried out periodically and as and when suggested by the Agency Officers.

#### 8. Packing Contros ;

General: Only packing centres approved by the Agency shall be eligible for packing Cashew Kernels for export.

8.1 Such approved packing centres shall obtain kernels for packings for export from approved feeder units only. A packing centre to quality for approval shall have minimum facilities as specified below;

#### 8. 2 Surroundings, Construction and Layout :

- (a) The building shall be of permanent/semi-permanent construction and kept in good repair.
- (b) The surroundings which are under the physical control of the processor shall not have any swamps, dumps or animal housing nearby, which might pose any sanitary probelms.
- (c) The working premises shall be kept in good repair to prevent any risk of infestation.

#### 8.3 Processing areas:

- (a) Measures shall be adopted to protect against entry of insects, rodents, birds and the like into the processing rooms.
  - (b) All the working areas shall be well lighted.
- (c) Areas or compartments used for the storage of cdible products shall be separate and distinct from those used for inedible materials.
- (d) Waste material shall be frequently removed from the working areas during processing operations.
- (e) All the utensils, trays and table surfaces which come in contact with Cashew Kernels shall be cleaned before, after and during intervals of use as often as necessary.
- (f) All small receptacles like trays, bowls and utensils used in filling area shall be of non-corrodible material other than wood, and shall also have smooth surfaces free from crevices.
- (g) Rejections shall be frequently removed from the working areas during processing operations.
- (h) Hand washing facility such as wash basin and soap shall be provided at the entrance to the packing/filling section.

#### 8.4 Machinery:

- (a) The packing centre shall have a vitapack equipment in good working condition capable of drawing a vacuum of 26" Hg. The vitapack shall be fitted with a gauge to indicate the vacuum drawn from the tins during vacuumisation.
- (b) The packing centre shall be provided with a pneumatic foreign matter segreator (PFMS) in the filling section to segregate any foreign matter that may be present with the kernels. The entire fitting operations of Cashew Kernels shall be done only through PFMS.
- (c) The packing centre shall have necessary cooling facilities for conditioning the kernels, maintained under hygienic conditions.

#### 8.5 Toilet facility:

Adequate toilet facilities of sanitary type shall be provided, soan and plentiful supply of water shall be provided at the toilets.

# 8.6 Personal Health & Hygiene :

- (a) Plant management shall have take care to ensure that no person while known to be effected with a communicable disease, is permitted to work in any area of the unit.
- (b) All persons working in the processing area shall maintain n high degree of personal cleaniness while on duty.

- (c) The workers shall wash their hands before entering the processing rooms after each absence.
- (d) Chewing, spitting and use of tobacco in any form shall be prohibited in the processing rooms.
  - (c) Lunch boxes shall not be kept in the processing rooms.
- (f) The management shall provide clean aprons and headgers to the employees working in the filling and packing sections.

#### 8.7 Approval of packing centre:

- (a) A processol intending to pack Cashew Kernels for export shall inform his intention to do so in writing, in the proforma prescribed by the Council to the Agency.
- (b) On receipt of such information, the Agency Officers shall visit the packing unit in order to adjudge the facilities for processing available in the unit.
- (c) If the unit is found to have the minimum prescribed facilities the unit shall be approved to pack Cashew Kernels for export.
- (d) The approval accorded shall be withdrawn in respect of a unit for the following reasons, after giving a notice of minimum period of two weeks, viz.
  - (i) If the equipments and machinery are not in good working condition;
  - (ii) If the sanitary and hygienic conditions of the unit are not satisfactory;
  - (iii) If the sanitary and hygienic conditions of the feeder unit are not satisfactory and cases of investation have been reported in the entomological survey by the Agency Officers.
  - (iv) If the processor has violated or deliberately attempted to voilate the provisions of the rules issued by the Council.
- (e) Such withdrawal of approval shall be intimated in writing to the processor.
- (f) No vitapacking work shall be undertaken in the unit, when the vitapack machine is not in the prescribed working condition.
- (g) A unit, whose approval has been withdrawn, may, after rectifying the defects make a fresh application to the Agency for obtaining fresh approval.
- (h) If at any time there is any difficulty for a unit in maintaining the conformity to the requirements for any reason or if directed by the Agency production for export shall be suspended under intimation to the Agency.
- (i) The processing for export shall be resumed only after the same is approved by the Agency in writing.

#### C. Composite Units:

A composite Cashew factory having facilities for both processing and packing of Cashew Kernels for export shall have the prescribed facilities of the feeder unit and the packing centre to be eligible for approval. For such units a composite approval will be sufficient.

#### D. Maintenance of records.

Necessary records/registers shall be maintained by the processor at the respective premises in order to ensure effective control of the processing of Cashew Kernels and these shall be made available to the Agency Officers for inspection as and when required.

# F. Procedure for inspection :

(a) An exporter intending to export a consignment of Cashew Kernels shall give intimation to the Agency in writing in the proforma prescribed by the Council and submit along with such intimation a declaration to the effect that the consignment of Cashew Kernels has been processed exercising the Ouality Control measures as prescribed by the Agency in this regard.

762 GI/81-4

- (b) Such intimation shall reach the Agency office not less than seven working days (15 days in the case of Roasted and Salted Cashew Kernels) prior to the required dated of receipt of certificate for shipment.
- (c) On receipt of such intimation, the Agency shall normally draw checks samples as required, and if the Agency is satisfied that the consignment to be exported complies with the specified standards, it shall issues a certificate to the exporter declaring the consignment exportworthy.
- (d) When the Agency is not so satisfied it shall refuse to issue such certificate and communicate such refusal in writing to the exporter along with the reasons therefor,
- (c) For the purpose of inspection, the Agency officer shall have access to relevant records and premises where processing, packing and storage of Cashew Kernels are carried out
- (f) Subsequent to certification, the Agency shall have the right to reassess the quality of the consignment while in storage or at the ports.
- (g) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any of these stages, the certificate originally issued shall be withdrawn.

#### 4. Inspection Fee:

A fee at the rate of sixty paise for 11.34 Kgs, of Cashew Kernels or part thereof, except for the grade (BB) Baby Bits, for which a fee of sixty paise for 12.70 Kgs, or part thereof shall be charged. However, in the case of Roasted and Salted Cashew Kernels a minimum of Rs. 30 for each consignment, a fee @ 30 paise for every Rs. 100/- F. O. B. Value or part therof shall be charged.

#### 5. Appeal:

- (a) Any person aggrieved by the refusal of the Agency to accord approval for his unit under clause A.5 (d) or 8.7 or to issue a certificate of exportworthiness under Clause (d) of rule E may within 10 days of receipt of the communication of such refusal by it, prefer an appeal to the convener of the concerned Panel of Export consisting of not less than three, but not more than 7 members, appointed for the purpose by the Central Government.
- (b) Atleast two-thirds of the total membership of the panel of Fxperts shall consist of trade members.
  - (c) The quorum of the Panel shall be three.
- (d) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

[No. 6 (1)/81-FI & EPI C. B. KUKRETI, Joint Director

#### मुख्य निर्यंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, 23 सितम्बर, 1981

#### लाइसेंस रह करने का आवेश

कालकाल 2753: सर्वेशी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिल, (बोकारो इस्पात संयत्न) बोकारों की संनाधन घौर परिष्करण के लिए उपस्करों के भायान के लिए 33,32,00,000 स्पएं (केवल तैतीस करोड़ बलीस लाख रुपए) का एक भायात लाइमेंस संल भाई/सीजी/2034471, विनाक 31-5-79 प्रवान किया गंगा था। फर्म ने भनुबन्ध "खं" माल की सूची के साथ भनुलिपि मुद्रा विनिधम नियंत्रण प्रति जारी करने के लिए इस भाधार पर आवेषन किया है कि माल की सूची (भनुबन्ध-ख) के साथ मूल मुद्रा विनिधम नियंत्रण प्रति खो गई है। भागे यह बताया गया है कि उपयुक्त भायात लाइसेंस कलकत्ता के सीमा-शुस्क कार्यालय में पंजीकृत था और उसका श्रीणिक रूप से उपयोग हो चुका हैं एवं उसमें 10,98,54, 697.72 उपए शेष हैं।

2. प्रपने तर्क के समर्थन में शाइसेंसधारी ने बोकारी इस्पात नगर के रिहायणी जिलाधीण के सम्मुख स्टाम्प कागज पर विधिवत साक्ष्यांकित एक शपथ-पन्न वाखिल किया है। नदन्सार में संतुष्ट है कि माल की पूची (अ.तू-बन्ध-खा) के साथ भल भट्टा विनिमय नियंत्रण प्रति फर्म के माथ प्रावागमन में खो गई हैं। यथा संगोधिन, आयान (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 712-55 के उप खण्ड-3 (सीसी) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारी का प्रयोग कर सर्वेश्री भारतीय इस्पान प्राधिकरण लि० (बोकारी इस्पात संयंत्र) बोकारो इस्पात नगर, जिला धनबाद की जारी किए गए ग्रायात लाइसेंस सं०-ग्राई/सीजी/2034471, दिनांक 31-5-79की माल की सुची (अत-बन्ध-खा) के साथ उक्त मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति एसव् द्वारा रष्ट्रकी

3. उक्त भायात लाइसेंस की धनलिप मद्रा विभिन्न नियंत्रण प्रति माल की भूची (प्रमुखन्ध-खा) के साथ वह राशि जिसके लिए धमुलिपि मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रति भावश्यकता है प्रयत् 10,98,54,697.72 रपए के लिए पार्टी को ग्रमण से जारी की जा रही है।

#### अनुबन्धं 🗷

अनुबन्ध-क- में दी गई मदों की अपेक्षा सम्पूर्ण/एम. के. डी. रूप में आयातित उपस्करों की सुची जिसके लिए हमने महानिवेशक तकनीकी विकास निकासी एवं मुख्य नियंत्रक, प्राधात-नियति से पृष्ठीकन के लिए प्रनुरोध किया है। (बैस मनॉलिंग फरनेस के लिए, बोकारों डी पी बार 203)

01 मर्ध सिज्जित ग्रयस्था में परीक्ष्णल उपकरण	78	नग
02 अर्ध सण्जित अधस्था में फोस्टर कैम्ब्रिज रिकार्डस एवं		
इण्डिकेटर्स	230	नग
03 प्रधं सञ्जित भ्रयस्था में डैस्टापाई ट्रोसमीटसं	20	नग
04 ग्रर्ध सज्जित श्रवस्था में कम्प्यूटिंग बिन्स एवं मिना कार्बस	в	नग
05 धर्ध सञ्जित धनस्या में माउटिंग बिन्स	16	नग
06 वीं-ची एकन्वरर्टस	80	नग
07 फ्लेंक्सिवल यर्मोकपल्स	25	नग

[सं० सीजी-2/स्टील/7/79-80/760] एस० के॰ ग्रेनाल, संगन्त मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-नियान हते मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

# (Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

New Delhi, the 23rd September, 1981

#### CANCELLATION ORDER

S.O. 2753.—M/s, Steel Authority of India, Ltd., (Bokaro Steel Plant), Bokaro were granted an import licence No. I/CG/2034471 dated 31-5-1979 for Rs. 33,32,00,000 (Rupces thirty three crores and thirty two lakhs only) for import of equipment for the Processing and Finishing lines. The firm has applied for issue of a duplicate control copy with list of goods Annexure B' on the ground that the original exchange control copy alongwith the list of goods (Annexure 'B') has been lost. It has further been stated that the above import licence was registered with Customs, Calcutta and has been partly utilised, leaving a balance of Rs. 10,98,54,697.72,

2. In support of their contention, the licensee has filed an affidavit on stamped paper duly sworn in before a resident Magistrate, Bokaro Steel City, I am accordingly satisfied that the original exchange control copy with list of goods (Annexure B) has been lost in transit by the firm. In exercise of the powers conferred under sub-clause 3(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955, as

amended, the said original exchange control copy with the list of goods (Annexure B) of import licence No. I/CG/2034471 dated 31-5-1979 issued to M/s. Steel Authority of India Ltd., (Bokaro Steel Plant) Bokaro Steel City, Distt. Dhanbad is hereby cancelled.

3. A duplicate exchange control copy with list of goods (Annexure B) of the above said import licence is being issued to the party separately, for the amount for which the duplicate exchange control copy is required i.e. Rs. 10.98,54,697.72.

#### ANNEXURE B

List of instruments to be imported in complete/SKD form for which we have requested for clearance from DGTD and endorsement from CCI&E (For Bell Annealing Furnance, Bokaro DPR 203) instead of items enlisted in (Annexure-A

01 Flexel instruments in semi-assembled condition 78 nos.

02 Foster cambridge recorders and indicators in 230 nos. semi-assembled condition.

03 Delta PIE transmitters in semi-assembled 20 nos. condition.

04 Computing bins and mini cards in semi-6 nos. assembled condition.

05 Mounting bins in semi-assembled condition 16 nos.

V-VA converters

Flexible thermocouples 25 nos.

> [No. CGII|Steel|7|79-80|760] S. K. GREWAL, Jt. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports and Exports

80 nos.

# संयुक्त मुख्य निर्यक्षक, भाषात-निर्मात का कार्यालय केम्ब्रीय लाइसेंस क्षेत्र

मई दिल्ली, 10 धन्नैल, 19'81

#### मिरस्त-पादेश

का० जा० 2754.-मैसर्सः लक्सर मेटलटेक (इन्डिया) प्रा० लि०. भोखला इन्डस्ट्रियल स्टेट, मई दिल्ली को एक भाषात लाइसेंस सं० पी/एस/ 1921486/सी/XX/72/डी दिमांक 11-7-79 बास्ते 3,00,000/रुपए भगैल-मार्च 1979 की भवधि के लिए बाल पाइन्ट एवं फाइबर टिप पेन के उत्पादन के लिए ए० बी० एस० मांउल्डिग पाँवहर तथा सिलिलोस ऐसिटेट ब्युटिरेट घादि के घायास हेत् विया गया था।

धार्वेदक ने ध्रम एक शपथ-पन्न भाषात-नियति सम्बन्धी कार्य विधि-पुस्तिका 1980-81 के पैरा 352 के भन्तर्गत इस भाभार पर किया है कि उनके भाषात लाइसेंस सं० पी/एस/1921486 दिनाँक 11-7-79 बास्ते 3,00,000/ रुपए भग्रैल-मार्च-79 ग्रवधि के लिए की एक्स खेंज कन्द्रींल कापी बिसा इस्तेमाल कि एवं बिना किसी बैंक में पंजिक्कत किए ही खो गई है। बतः मैं सन्तुष्ट हूं कि उपरोक्त लाइसेंस की मूल एक्सजेंज-अन्द्रोल कापी स्त्रो गई है।

धनः ग्रायान-व्यापार नियंत्रण भावेश 1955 विश्वकः 7-12-5**5 (यथा** संगोधित) की धारा 9 (सी सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं जपरोक्त लाइसेंग पी एस/ 1921486 दिनीक 11-7 79 3,00,000/হণত एक्सचेज कार्प। को निरस्त करमे क्ति भूभ का आवेश वेता है।

श्रावेदक की प्रार्थना पर ग्रब ग्रायात निर्यात की कार्य विधि पुस्तिक। 1980-91 के प्रतुमार उपरोक्त लाइसेंस की एक्सचेंग कापी की प्रकृतिपि (अप्नीकेट कार्पा) जारी करने पर विचार किया जाएगा।

[फा० मं० विल्ली/एल ० 2 (एम)/ए.एम.-79/एम् 1/मीएलए/80]

# (Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports) (Central Licensing Area)

New Delhi, the 10th April, 1981 CANCELLATION ORDER

S.O. 2754.—M/s. Luxor Metaltec (India) Pvt, Ltd. 236 Okhla Indl. Estate, New Delhi were granted Import licence No. P/S/1921486/C/XX|72|D dated 11-7-1979 for Rs. 3,00,000 for import of A.B.O. Moulding Powder & Cellulose Acetate Butyrate etc. for manufacture of Ball Point & Fibre Tip Pens, Refills etc. for AM-79.

The applicant has filed an affidavit as required under para 352 of Hand Book of Import Export Procedure 1980-81 wherein they have stated that Exchange Control copy of licence No. P/S/1921486 dated 11-7-1979 for Rs. 3,00,000 for AM-79 period has been misplaced/lost without having been registered with any Bank and utilised at all.

I am satisfied that the original Exchange Control copy of the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on me under Section 9(cc) of Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-1955 as amended upto date, the said exchange copy of the licence No. P/S/1921486 dated 11-7-1979 for Rs. 3,00,000 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Exchange Control copy of Import licence No. P/S/1921486/C dated 11-7-79 for Rs. 3,00,000 in accordance with the provision of Para 351 to 354 of Hand Book of Import Export Procedures, 1980-81.

[File No. Delhi/L-2(N)/AM-79/AU-I/CLA|80]

#### मई विल्ली, 23 प्रप्रैल, 1981

#### निरस्त आवेश

का० आ० 2755.—मैसर्सः जूपटर रेडियोज (रिज०) सी/46 ग्रांखला इन्डस्ट्रियल एरिया फेज II नई विस्ती को एक ग्रायत लाइसेंस सं० मी/ एस/1425694/सी/XX/74/डो/79 दिनांक 23-2-80 वास्ते 506204 रू० ग्रेप्रैल, मार्च 80 की ग्रायात नीति के ग्रंपेन्डिक्स 5 के ग्रन्तगंन अनुज्ञेय मदो तथा टेलींबिषन के विनिर्माण के लिए दिया गया था।

धावेवक ने एक शपय पत्र प्रश्नैल, मार्च 1980-9; की कार्य विधि-पुस्तिका के पैरा 352 के धन्तर्गत प्रस्तुत किया है कि लाइसेंस संग् पी/एस/1425694/ सी विमांक 23-2-80 बास्ते 506204 देंग्र ध्रुप्तैल, मार्च 80 की श्रविध के लिए की एक्सचेंग कन्द्रोल कापी, 1,71,973 रुपए तक इस्तेमाल करने के पश्चात सथा नई विस्ली कस्टम पर पंजीकृत होने के बाद को गया है।

र्म सन्तुष्ट हूं कि उपरोक्त साइसेंस की एक्सभेंज कन्ट्रोल कापी को गई है। श्रतः भागात व्यापार नियंत्रण भावेश 1955 दिनौंक 7-12-55 यथा संशोधित की धारा 9(सीसी) में प्रदत्त श्रिधकारों का प्रयोग करते हुये मैं उपरोक्त लाइसेंस स॰ पी॰ एस॰ 1425694 दिनौंक 23-2-80 वास्ते 334231 ४० की मूल एक्सचेंज कापी की निरस्त करने का आवेश देता हं।

श्रावेदक की प्रार्थन। पर प्राथ धायात-निर्मात की कार्य विधि-पुस्तिका 1980-81 के पैरा 351 से 354 के श्रनुसार उपरोक्त लाइमेंस की एक्सचेज कापी की धनुक्षिप (बुध्लाकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जाएगा।

[फा॰ सं॰ जे॰ 28/ए॰ एम॰ 80/ए॰ यू॰-I/ सो एल ए/175]
फु॰ माथा वास गुष्ता, उप मुख्य नियंत्रक ग्रायात निर्यात
फुले संयुक्त मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात

# New Delhi, the 23rd April, 1981 CANCELLATION ORDER

S.O. 2755.—M/s, Jupitor Radios (Regd.) C/46, Okhla Industrial Area, Phase-II, New Delhi was granted import licence No. P/S/1425694/C/XX|74|D|79 dated 23-2-80 for Rs. 5,06,204 for import of permissible under Appendix-5 of AM-80 Policy Book for manufacture of T.V. Sets.

The Applicant has filed an affidavit as required under para 352 of Handbook of Import Export Procedures 1980-81 where in they have stated that Exchange Control copy of licence No. P/S/1425694/C dated 23-2-80 for Rs. 5,06,204 for AM-80 period has been lost/misplaced having been registered with New Delhi Customs and utilised to the extent of Rs. 1,71,973.

I am satisfied that the orginal Exchange Control copy on the said licence has been lost/misplaced.

In exercise of the powers conferred on under subject clause 9(cc) in the Import Trade Control order 1955 dated 7-12-55 as amended upto date the said Exchange Copy of licence No. P|S|1425694 dated 23-2-1980 for balance amount of Rs. 334231 is hereby cancelled.

The applicant is now being issued duplicate Exchange Control Copy of import licence No. P/S/1425694 dated 23-2-80 for the balance amount in accordance with the provision of Paras 351 to 354 of Hand Book of Import Export procedures 1980-81.

[File No. J-28/AM-80/AU-I/CLA|175]

(MISS) MAYA DASS GUPTA, Dy. Chief Controller of Import and Export

For Jt. Chief Controller of Imports and Exports

# भागरिक पूर्ति मंत्रालय

#### मारतीय भानक संस्था

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1981

का० आ१० 2756.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन धिह्न) नियम 1955 के नियम 4 के उपियम 1 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा धनुसूचित किया जाता है कि जिन मानक धिह्नों की डिजाइनों, उनके शाब्दिक विवरण तस्तंबंधी भारतीय मानकों के गांर्वकों महिन नीचे धनुसूची में दिएं गए हैं, वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) प्रश्विनियम 1952 ैर उसके भ्रधीन वने नियमों ग्रीर विनियमों के कार्यों के लिए ये मानक चिह्न प्रत्येक के ग्रांगे वी गई तिथिमों से लागू होंग।

उत्पाद/उत्पाद की			
उत्पाद/उत्पाद का श्रेणी	तत्सवधा भारताय मानक का पव सक्या भीर शीर्षक	भानक चिह्न के डिजाइन का शाध्यिक विवरण 	लागू हीने की तिथि
3	4	5	6
प्रशीनादि भौर तकुवे का तेल	IS: 493-1958 मशौनादिझौर तकुवे के तेल की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई पीलो छौर अनुपात में तैयार किया गया है छौर जैसा डिजाइन में विकाया गया है उस मोनीग्राम के ऊपर की घोर भारतीय मानक की पवसंख्यादी गई है।	1980-03-16
बड़े प्रापरेशन के लिए द्वव- चलित भेजें	IS: 5291-1969 बड़े झापरेशन के लिए द्रवचलित मेजों की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसेमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई गैलो बौर अनुपात में तैयार किया गया है भीर जैसा क्षिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की मोर भारतीय मानक की संख्या गई है।	1981-06-16
टे भापरेशन के लिए द्रव- चलित मेर्जे	IS: 6106-1971 छोटे श्रापरेणन के लिए द्ववचलित मेजों की विशिष्टि	n n	1981-06-16
		धापरेशन के लिए इस- IS: 6106-1971 छोटे धापरेशन के लित मेर्जे लिए द्ववचित्त मेर्जो की विशिष्टि	भारतीय मानक की संक्या वी गई है। ब्रापरेशन के लिए इय- IS: 6106-1971 छोटे भापरेशन के ,, ,,

[सं० सी एम की/13: 9]

#### MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

#### INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 17th September, 1981

S O. 2756:—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standards Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

#### **SCHEDULE**

SI. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
ī. ī	S : 493	Machinery and spindle oils	IS: 493—1958 Specification for machinery and spindle oils	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design	1980-03-16
2. I	S : 5291-69	Tables, operation, hydraulic, major	IS: 5291—1969 Specification for tables, operation, hydrau- lic, major	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard, alongwith its year, being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design	1981-06-16
	S: 6106-71	Tables, operation, hydraulic, minor	IS: 6106—1971 Specification for tables, operation, hydraulic, minor	-do-	1981-06-16

का० आ० 2757.--भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपधिनियम (1) के प्रमुसार भारतीय मानक संस्था की प्रोर प्रश्निस्तित किया जाता है कि जिस मानक चिह्न की डिजाइन उसके शाब्दिक विवरण तथा तत्संबंधी भारतीय मानक के शीर्यक सहित नीचे प्रनुसूची में वी गई है यह भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) प्रधिनियम, 1952 ग्रीर उसके प्रधीन बने नियमों ग्रीर विनियमों के निमित्त ये मानव चिह्न उनके सामने वी गई तिथियों से लागू होंगी:

#### **अनुसूची**

कम सं०	मानक चिह्न की दिजाइन	उत्पाद/उस्पाद की श्रेणी	संबद्ध भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न के डिजाइन का लाब्दिक विवरण	लागू होने की सिवि
1		3	4	5	6
1.		शीट रबड़ जाड़ मौर रब प्रवेशीय ओड़	ह IS: 638-1965 शीट रवड़ जोड़ भौर रवड़ प्रवेशीय ओड़ की त्रिमिष्टि (पुनरीक्षित)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई गैंकी और अनुपात में तैथार किया गया है और जैसा बिजाइन में दिखाया गया है मोनोग्राम के ऊपर की झोर भारतीय मानक की संबया वी गई है:	1978-09-01
2.		विस्कोटक भीर मातिशबाजी उद्योग के लिए पैराफीन मोम	IS: 7401-1974 विस्कोटक भौर मातिशवाजी उच्चोग के लिए पैरा- फीन मोम की विशिष्टि	,, 19	78-01-16

[सं० सी एम शी/13:9]

S.O. 2757:—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the Standards mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each:

#### **SCHEDULE**

	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and <b>Title of the Relev</b> ant <b>Indian Stan</b> dard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	IS: 638	Sheet rubber jointing and rubber insertion jointing	IS: 638-1965 Specification for sheet rubber jointing and rubber insertion jointing (revised)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style of and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1978-09-01
	s : 7401	Paraffin wax for explosive and pyrotechnic industry	IS: 7401-1974 Specification for paraffin wax for explosive and pyrotechnic industry	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions a indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1978-01-16

कां कां 2758 -- भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के कनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया अता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रतिद्वार्थ मुहर लगाने की फीन नीचे कनुसूची में दिए गए व्योरे के श्रमसार मिशिंग्ति की गई है और ये फीस उनके सामने वी गई तिथियों से लागू होंगी:

#### अनुसूचा

त्रम सं०	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तरसंबंधी भारतीय मानक की पदसंख्या श्रीर शीर्षक	হকহে		त इकाई मुहर गाने की फी	
1	2	3	4		5	6
1.	रबक शीट जोड घौर रबड़ प्रवेशीय जोड़	IS: 638-1965 रकड़ भीट जोड़ ग्रौर रवड़ प्रवेशीय जोड़ीं की विशिष्टि (पुनरीक्षित)	एक टम	<b>ৰ</b> ০	20 00	1978-09-01
2	विस्फोटफ भौर भातिगबाजी उद्योग के लिए वैराफीन मोम	IS: 7401-1974 विस्फोटक भौर भ्रातिशक्षाजी उद्योग के लिए पैराफीन भोम की विजिष्टि	एक टम	क०	<b>2</b> .00	1981-01-16

[संख्या सी एम डी/13:10]

S.O. 2758.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hareto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

#### SCHEDULE

Sl. Produc No.	t/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. Sheet ru sertion jo	, -	in- IS: 638—1965 Specification for shee rubber jointing and rubber insertion jointing (revised)		Rs. 20.00	1978-09-01
2. Paraffin technic is	<u>-</u>	ro- IS: 7401—1974 Specification for para ffin wax for explosive and pyrote chnic industry		Rs. 2,00	1981-01-16

[No. CMD/13 : 10]

कां थां 2759 — भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विविधम, 1955 के विविधम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों के प्रति इकाई मुहर लगामें की फीस अनुसूची में दिए गए ध्यौरों के अनुसार निर्धारित की गई है। और में फीस प्रत्येक के आगे दी गई तिथियों से लागू होंगी:

#### अनुसूची

ઋम सं०	उत्पाव/उत्पाव की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पव संख्या धौर गीर्पयः -	इसगई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	в
1	मशीनावि भौर तकुषे के सेल	IS: 493-1958 मशीनावि भीर तकुवे के तेल की विकाष्टि	एक किलो सिटर	₹0 10 00	1980-03-16
2.	बड़े भाषरेशन के लिए प्रवचित मेर्जे	IS 5291-196 <b>9 बड़े भाषरेशन के सिए इबल</b> जित एक मेजों की विशिष्टि	ह मेजा	क्० 25 00	1981-06-16
3. t	डोटे आपरेणन के लिए इस्वलिय मेर्जे	IS 6106-1071 छोटे आपरेशन के लिए द्रवचित एक मेजों की विशिष्ट	त मेज	₹0 ?5.00	198 1-0 6-16

[मंख्या सी एम की/13: 10] ए०पी० अनुजी, अपर महानिदेशक S. O. 2759:—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that the making fee(s) per unit for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each:

#### **SCHEDULE**

Sl. Product/Class of Product No.	No. and Title of Relev Standar		Init	-	ing Fee Unit	Date of Effect
(1) (2)	(3)		(4)		5)	(6)
1. Machinery and spindle oils	IS: 493—1958 Spe chinery and spindle	ecification for ma- O	ne Kilolitre	Rs.	10,00	1980-03-16
2. Tables, operation, hydraulic, major	IS: 5291—1969 Speci operation, hydrauli		ne Table	Rs.	25.00	1981-06-16
3. Tables, operation, hydraulic, minor	IS: 6106—1971 Specif operation, hydraulic	-	ne Table	Rs.	25.00	1981-06-16
			<del></del> -	Α.	o. CMD/ P. BANI rector Ge	ERJI, Addi.

# वेट्रोलियम, रसाथन और उर्वरक मंजालय (वेट्रोलियम विकाग)

# न**ई दिल्ली**, 23 सितम्बर, 1981

का० आ० 2760.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह धावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टिम्मल से दीपक फर्टिलाइजर्स बीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लिमि० सलीसोजा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन टीपक फर्टिलाइजर्स बीन पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेणन लि० द्वारा विद्याई जानी चाहिये;

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एतव्याबद्ध अनुसूची में वर्णित मूमि में उपयोग का प्रधिकार मंजिस करना भावस्थक है;

भतः भव पेट्रोलियम भौर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्राधिकारका भ्राजेंन) भ्राधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवरत सक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का भ्राधिकार भ्राजित करने का भ्रापना भागय एतद्वारा भ्रोषित किया है;

भगतें कि उन्त भूमि में हितबार कोई व्यक्ति, उम भूमि के नीचे पाइप लाइन विकाने के लिये आक्षेप सक्तम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस झायोग, (प्लाट मं० 9 मिडिस क्लास हाउँ लि ग कोसायटी पनवेल, जिला-रायगढ़) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 विमों के भीतर कर सकेगा;

भीर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

#### बनुसूची

जरान टर्मिमल से दीपक फॉटिलाइजर्स भीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि॰ तरीजासक पाईपलाइन विछाने के लिये

महाराष्ट्र राज्य	जिलागयगङ्		सानुकाउरान	
गांव	स <b>र्वेक्ष</b> ण नं <b>ब</b> र		स्मवे० मिटर्स	
1	2		3	
—————————————————————————————————————	रेल		118.00	
	163	8	8.00	
		4	20.00	
		3	10 00	

1	2	3	4
म <b>क्राल</b>	166	5	10,00
		1	28.00
		2	26.00
	167	1	50.00
	168	7	20.00
		G	18.00
		1	48.00
	169	11	16.00
		10	8.00
		9	8.00
		1	36.00

1881

187

184

183

6

1

2

3

16

15

14

8

13

17

7

2

1

12

3

2

6

60.00

16.00

44.00

04.00

04.00

10.00

26.00

2.00

32,00

14.00

14.00

34.00

04.00

36.00

02.00

48,00

22,00

20.00 20.00 14.00 53.00

02.00

नाला

नाला

Village

1	2	3	4	1	2	3	4
	230	2	28,00	Bhendkhal		8	32.00
		3	24.00			13	14.00
		4	48.00			1 <b>7</b> 7	14,00 34,00
		1	2.00			Ź	04.00
	0.01					.1	36.00
	231	1	14,00		104	12	02 00
		2	04.00		184	3	48,00
	···				183	1	22,00
			1 1 3 77			2	20.00
		[स॰ 12	016/41/81-प्रो॰- <b>I]</b>			3	20.00
						4	14.00
						5	53,00
MINISTRY	OF PETROLEUN	<b>1, СНЕ</b>	MICALS &			6	02.00
	FERTILIZEI	2S			230	2	28.00
						3	24.00
a	Department of Pet	roleun)	•			4	48,00
	-					1	2.00
New D	elhi, the 23rd Sep	tember,	1981		231	1	14.00
S.O. 2760When	reas in appears to	the Ce	ntral Government			2	04.00

[No. 12016/41/81-Prod. I]

S.O. 2760.—Whereas in appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum for Ulan Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Plot-No. 9. Middle Class Housing Society Panvel Distt. Raigad;

And Every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja,

State-Maharashtra, District-Raigad, Taluka Uran

S.No.

Alliage	9.No.	л.мо.	Area Sq. Meters,	करेगा वि
Bhendkhal	Railway		118.00	किसी वि
	163	8	8.00	
		4	20.00	
		3	10.00	उरा
	166	5	10.00	লি৹ লৰ
		1	28.00	महाराष्ट्र
		2	26.00	- <del> </del>
	167	1	50,00	
	168	7	20.00	
		6	18.00	
		1	48.00	कुंदे
	169	11	16 00	
		10	8,00	
		9	8,00	
		1	36,00	
	188	6	60.00	
		5	16.00	
		1	44.00	
		2	04.00	
		3	04.00 Nalla	
	187	16	10.00 Nalla	
		15	26.00	
		14	2.00	

H No

Area Sa Meter

कां आ 2761 .—यतः केन्द्रीय मरकार, को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टर्मिमल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पीरेशन लि॰ तलोजा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइजर्स ग्रीर पेट्रो-केमिकल्स कार्पोरेशन लि॰ द्वारा बिटाई जानी चाहिये;

भौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के विछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार ग्राजन करना श्रावश्यक है;

मतः मब पेट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के मिक्कियर का प्रार्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की घारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केलीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का प्रथना प्राशय एतवुद्वारा भोषित किया है;

बगर्से कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, (प्लांट नं० 9 मिडिल क्लास हाउसिंग सोसायटी, पनवेल जिला-रायगढ़) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा;

ष्मौर ऐसा माक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः शहं भी कथन करेगा कि क्या यह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

#### अनसुची

उरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स मीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पेरिशन लि० तलोजा तक पाईपलाइन बिछाने के लिये

महाराष्ट्र राज्य	जिलारायगढ	तालुका उ	'रान
गोब	सर्वेक्षण	नंबर स्व	 वे० मीटसं
1	2	3	4
<b>पृं</b> चे	101	1	1.00
		2	18.00
		3	15.00
		4	07.00
		5	75.00
		8	25.00
		9	02.00
		11	06.00
		5	20.00
		13	05.00
		14	05,00

T.	96 95 94 92 93 71 75 76 77 78	5 10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 10 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 11 2 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 4 12 3 12 3	20.00 20.00 16.00	Pipeline from Uran Terminal to Decipak Fertilizers and Corporation Limited, Teloja.  Stur—Muharrishira District—Rigad Taluki—Uran Village S No. H No. Area Sq Meters  I 2 3 4 4 60 00 5 75 00 00 11 00 00 15 75 00 00 15 00 00 15 00 00 17 10 00 17 10 00 17 10 00 17 10 00 17 10 00 17 10 00 17 10 00 17 10 00 19 00 00 17 10 00 19 00 00 10 10 10 10 00 10 10 10 00 10 10
F	95 94 92 93 71 75 76 77 78	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 1 2 3 1 2 3 4 1 2 3 3 4 1 2 3 4 1 2 3 1 2 3 1 2 3 1 2 3 1 3 1 2 3 3 3 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 04 00 03 00 34 00 04 00 04 00 04 00 04 00 04 00 04 00 04 00 04 00 12 00 13 00 24 00 04 00 12 00 18 00 20 00 18.00 20 00 38.00 06 00 20.00 18.00 20.00 18.00 20.00 18.00 20.00 21.00 31.00 21.00 22 00 23 00 24 00 25 00 26 00 27 00 28 00 29 00 20 00 2	Corporation Limited, Teloja.   State-Maintenant   Teloja.   State-Maintenant   Teloja.   Teloj
	95 94 92 93 71 75	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 1 2 3 1 2 3 4 1 2 3 3 4 1 2 3 4 1 2 3 1 2 3 1 2 3 1 2 3 1 3 1 2 3 3 3 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 13 00 26 00 32 00 32 00 36 00 04 00 04 00 12 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 24 00 12 00 18 00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00	Corporation Limited, Teloja.   Start—M'threshira   District—Reignd   Teluk —Uran
	95 94 92 93 71 76	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 4 1 2 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4 3 4 1 2 3 4 1 2 3 1 3 2 3 4 1 1 2 3 2 3 4 3 3 3 3 4 1 2 3 3 3 4 1 3 3 3 3 3 4 1 1 2 3 3 4 1 3 3 3 3 4 1 2 3 3 3 4 1 2 3 3 3 4 1 2 3 3 3 3 4 3 3 4 3 3 4 3 3 3 3 3 4 3 3 3 3 3 4 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 22.00 32.00 2.00 13.00 28.00 26.00 32.00 36.00 04.00 04.00 12.00 18.00 20.00 18.00 20.00 18.00 20.00 18.00 20.00 20.00 20.00 20.00	Corporation Limited, Teloja.   Start—Withershira   District—Reignd   Teluk —Uran
	95 94 92 93 71 76	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 1 2 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4 3 4 1 2 3 4 1 2 3 4 3 4 3 4 1 2 3 4 3 4 3 4 1 2 3 4 3 4 3 4 3 4 1 2 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3 4 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 04 00 02 00 13 00 26 00 32 00 36 00 04 00 12 00 12 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 14 00 15 00 16 00 17 00 22 00 24 00 17 00 22 00 24 00 17 00 22 00 24 00 17 00 22 00 24 00 17 00 22 00 24 00 17 00 22 00 24 00 17 00 22 00 24 00 17 00 25 00 26 00	Corporation Limited, Teloja.  Stars—Maharashira District—Reignd Taluka—Uran  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 - 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 00  12 00  13 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  19 02 00  100 1 12 00  11 00 01  17 10 00  19 02 00  100 1 12 00  2 12 00  4 20 00  5 16 0  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  97 5 16 00  10 24 00  11 08 00  13 08 00  14 24 00  15 15 20 00  95 11 52 00  95 11 52 00  95 11 52 00  95 11 52 00  95 11 52 00  95 11 52 00
	95 94 92 93 71 76	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 10 11 2 3 4 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 04 00 02 00 13 00 28 00 26 00 32 00 32 00 32 00 36 00 04 00 12 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 12 00 36 00 02 00 18 00 20 00 18 00 21 00 22 00 24 00 18 00 22 00 24 00 18 00 21 00 22 00 23 00 24 00 21 00 23 00	Corporation Limited, Teloja.  Stars—Mahareshara District—Raiged Teluka—Unan  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 - 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 00  12 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  17 10 00  19 02 00  100 1 12 00  11 00 01  12 00  2 12 00  4 20 00  5 16 0  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  97 11 08 00  11 08 00  11 08 00  11 08 00  11 08 00  11 08 00  11 09 02 00  11 08 00  11 08 00  11 08 00  11 08 00  11 52 00  95 1 52 00
	95 94 92 93 71	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 04 00 03 00 34 00 04 00 04 00 04 00 04 00 12 00 13 00 24 00 04 00 12 00 13 00 24 00 13 00 24 00 14 00 12 00 18 00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 18.00 20 00 21 00 21 00	Corporation Limited, Teloja.   Stur-Marcherishira   District-Raignd   Toluka-Uran
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 4 5 1 2 3 4 4 5 6 1 2 3 4 4 1 2 3 4 4 5 3 4 5 6 1 2 3 4 4 5 3 4 5 3 4 5 6 1 2 3 4 5 3 4 5 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 1 2 3 4 5 3 4 5 3 4 5 3 4 5 3 4 5 5 6 1 2 3 4 5 5 6 1 2 3 4 5 5 6 1 2 3 4 5 5 6 1 5 6 1 2 3 4 5 5 6 1 2 3 4 5 5 6 1 2 3 4 5 7 5 1 2 3 4 1 2 3 4 5 1 3 3 4 1 2 3 3 3 3 4 3 4 1 3 3 3 4 3 3 3 3 3 4 3 4	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 13 00 28 00 26 00 32 00 32 00 34 00 04 00 02 00 12 00 12 00 24 00 01 00 12 00 13 00 24 00 12 00 13 00 24 00 14 00 12 00 18 00 20 00 18.00 20 00 18 00 21 00 22 00 24 00	Corporation Limited, Teleja.   Stur-Marcherishira   District-Raignd   Taluka-Urai
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 6 1 1 2 3 6 1 1 1 2 3 4 5 6 1 1 1 2 3 4 5 6 1 1 2 3 4 4 5 1 3 4 5 6 1 1 2 3 4 4 1 3 4 4 1 1 2 3 4 4 5 1 3 4 4 5 1 3 4 4 5 1 3 4 5 1 2 3 4 5 1 3 4 4 5 1 3 4 5 1 2 3 4 5 1 3 4 5 1 3 4 5 1 3 4 5 1 3 4 5 1 3 4 5 1 3 4 5 1 3 4 5 1 5 1 3 4 5 1 5 1 3 4 5 1 5 1 3 4 5 1 5 1 5 1 5 1 5 1 3 4 5 1 5 1 3 4 5 1 5 1 7 1 2 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 3 3 3 3 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 13 00 28 00 26 00 32 00 36 00 04 00 12 00 12 00 13 00 24 00 04 00 01 00 12 00 13 00 24 00 04 00 12 00 13 00 24 00 04 00 12 00 13 00 24 00 04 00 12 00 18 00 20 00 18 00 21 00	Corporation Limited, Teloja.   Stur-M'harashira   District-Raigad   Taluk'-Urai
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 6 1 1 2 3 6 1 1 2 3 6 1 1 2 3 6 1 1 2 3 6 1 1 2 3 6 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 1 3 3 3 3 3 3 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 32.00 2 00 04 00 02 00 13 00 26 00 32 00 32 00 36 00 04 00 01 00 12 00 13 00 24 00 01 00 13 00 24 00 01 00 14 00 01 00 18 00 20 00 18 00 20 00 18 00	Corporation Limited, Teloja.  Start—Miharashira District—Raigad Taluki—Uran  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  11 06 09  5 29 00  11 06 09  12 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  17 10 00  19 02 00  10 1 12 00  2 12 00  4 20 00  4 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  2 20 00  96 1 20 00  96 1 20 00  2 20 00  96 1 20 00  97 16 00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 1 1 2 1 2 1 1 2 1 1 1 1 1 2 1	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 04 00 02 00 13 00 28 00 26 00 32 00 32 00 34 00 04 00 04 00 04 00 12 00 12 00 13 00 24 00 04 00 01 00 13 00 24 00 01 00 14 00 01 00 15 00 16 00 07 00 18 00 07 00 18 00 07 00 18 00 07 00 08 00 09 00 09 00 09 00 09 00	Corporation Limited, Teloja.   Start—Maharashira   District—Raigad   Taluka—Uraishira   District—Raigad   Taluka—Uraishira   Sano.   Hano.   Area   Sq. Meters
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 1 1 2 1 2 1 2 1 1 2 1 1 2 1 1 1 2 1 1 2 1 1 1 1 2 1	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 13 00 28 00 26 00 32 00 32 00 34 00 04 00 02 00 13 00 28 00 26 00 37 00 18 00 20 00 36 00 07 00 36 00 07 00 36 00 07 00 18.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Maharashira District—Raigod Taluka—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00 2 18 00 3 15 00 4 07 00 5 75 00 8 25 00 9 02 00 11 06 09 5 29 00 11 05 00 14 05 00 15 02 00 16 10 00 17 10 00 17 10 00 17 10 00 19 02 00 100 1 12 00 2 12 00 4 20 00 5 16 0 00 96 1 20 00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 6 1 7 6 1 7 6 1 7 6 7 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 13 00 28 00 26 00 32 00 32 00 34 00 04 00 02 00 13 00 28 00 26 00 37 00 38 00 27 00 38 00 28 00 29 00 39 00 30 00 30 00 30 00 30 00 30 00 30 00 30 00 30 00 30 00 30 00 30 00	Corporation Limited, Teloja.  State—Maharashira District—Raigad Taluka—Ura  Village Sano. Hano. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 06  2 18 06  3 15 06  4 07 06  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 09  5 29 00  11 06 09  12 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  19 02.00  100 1 12 00  2 12 00  4 20 00  4 20 00  4 20 00  5 16 0
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 6 6 1 6 1 2 3 6 6 6 7 6 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 13 00 28 00 26 00 32 00 36 00 04 00 12 00 12 00 13 00 24 00 04 00 02 00 13 00 26 00 04 00 04 00 02 00 13 00 27 00 28 00 38 00 29 00 30 00 30 00 30 00	Corporation Limited, Teloja.  State—Maharashira District—Raigad Taluka—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 00  5 29 00  11 06 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  19 02 00  100 1 12 00  2 12 00  4 20 00  4 20 00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 ! 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 32.00 2 00 04 00 02 00 13 00 26 00 32 00 36 00 04 00 01 00	Corporation Limited, Teloja.  State—Maharashira District—Raigad Taluka—Ura  Village Sano. Hano, Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 05  5 29 00  11 06 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  19 02.00  100 1 12 00  2 12 00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 6 1 2 3 4 5 6 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7 8 7	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 32.00 2.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00 32.00 36.00 04.00 02.00 12.00 13.00 24.00 04.00 02.00 12.00 13.00 24.00 04.00 02.00 13.00 24.00 04.00 04.00 02.00 04.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Maharashira District—Raigad Taluka—Ura  Village Sano. Hano, Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 00  5 29 00  11 06 00  12 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  19 02 00  10 02 00  10 02 00  10 02 00  10 01 12 00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 3 4 5 6 1 2 3	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 32.00 2.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00 32.00 36.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 12.00 14.00 12.00 18.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Maharashira District—Raigad Taluka—Ura  Village Sano. Hano, Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 00  5 29 00  12 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00  19 02.00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 22.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00 32.00 36.00 04.00 02.00 12.00 13.00 24.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Michardshira District—Reignd Toluki—Una  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 00  5 29 00  11 06 00  12 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 22.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00 32.00 36.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00 04.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Michardshira District—Reignd Toluki—Una  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 00  2 18 00  3 15 00  4 07 00  5 75 00  8 25 00  9 02 00  11 06 00  5 29 00  11 06 00  12 05 00  14 05 00  15 02 00  16 10 00  17 10 00
	95 94 92 93	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5 6	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 13 00 28 00 26 00 32 00 36 00 04 00 02 00 12 00 24 00	Corporation Limited, Teloja.  State—Micharoshira District—Reignd Toluki—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 0 2 18 0 3 15 00 4 07 00 5 75 00 8 25 00 9 02 00 11 06 00 5 29 00 12 05 00 14 05 00 15 02 00 16 10 00
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3 4 5	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 32.00 2.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00 32.00 36.00 04.00 04.00 04.00 04.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Micharoshira District—Reignd Toluki—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 0 2 18 0 3 15 0 4 07 0 5 75 00 8 25 00 9 02 00 11 06 06 5 29 00 12 05 00 14 05 00
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1 2 3	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 32.00 2.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00 32.00 36.00 04.00 02.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Micharoshira District—Reignd Toluki—Ura  Village Sino. Hino, Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 0  2 18 0  3 15 06  4 07 06  5 75 06  8 25 06  9 02 06  11 06 06  5 29 06  12 05 06
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5 7 1	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 32.00 2.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00 36.00 04.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Mithereshira District—Reignd Teluki—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 0 2 18 0 3 15 0 4 07 0 5 75 00 8 25 00 9 02 00 11 06 06 5 29 00
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 4 5 7 1	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 20.00 20.00 13.00 28.00 26.00 32.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Micharoshira District—Reignd Toluki—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4  Funde 101 1 1 0 2 18 0 3 15 00 4 07 00 5 75 00 8 25 00 9 02 00 11 06 00
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 22.00 20.00 20.00 13.00 28.00 26.00 26.00	Corporation Limited, Toloja.   State=Maharoshira   District=-Raignd   Toluka-Ura
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4 5	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 20.00 04.00 02.00 13.00 28.00 26.00	Corporation Limited, Toloja.   State=Maharoshira   District=-Raignd   Toluka-Ura
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3 4	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 20.00 20.00 13.00 28.00	Corporation Limited, Toloja.   State=Maharoshira   District=-Raignd   Toluka-Ura
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3 2 3	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 22.00 20.00 20.00 20.00 13.00	Corporation Limited, Toloja.   State=Maharoshira   District=-Raignd   Toluka-Ura
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 04 00 02 00	Corporation Limited, Toloja.   State=Maharoshira   District=-Raignd   Toluka-Ura
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00 22 00 32.00 2 00 04 00	Corporation Limited, Toloja.   State=Maharashira   District=-Raigad   Taluka-Ura   Village   Samo   Hamo   Area
	95	10 11 13 14 1 2 5 6 3	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 22.00 20.00	Corporation Limited, Teloja.  State—Maharashira District—Raigad Taluka—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters  1 2 3 4
		10 11 13 14 1 2 5	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00 22.00 22.00 32.00	Corporation Limited, Toloja.  State—Maharashira District—Raigad Taluka—Ura  Village S No. H No. Area Sq Meters
		10 11 13 14 1 2	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00 08.00 24 00 52 00 22 00	Corporation Limited, Toloja.  State—Maharashira District—Raiged Taluka—Ura
		10 11 13 14 1	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00	Corporation Limited, Teloja.
		10 11 13 14 1	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00 52.00	
		10 11 13 14	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00 08.00 24.00	Pincline from Uran Terminal to Decinal Factilizate or
	96	10 11 13	20.00 20.00 16.00 24.00 08.00	
	96	10 11	20.00 20 00 16.00 24.00 08.00	SCHEDULE
	96	10	20,00 20 00 16,00 24,00	specifically whether he wishes to be heard in person or a legal practitioner.
	96		20.00 20.00 16.00	And every person making such an objection shall st
	96		20.00	Middle Class Housing Society Panvel Distt. Raigad.
	96	2		the laying of the pipeline under the land to the Compet Authority, Oil and Natural Gas Commission, Plot No.
		1	, , , , , , ,	within 21 days from the date of this notification, object
		10		Provided that any person interested in the said land m
		`5		(50 of 1962), the Central Government hereby declares intention to acquire the right of user therein:
		4		Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act. 1
		2		Now, therefore, in exercise of the powers conferred by s section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mini
	600		-	name described in the seneralic annexed hereto.
		19 20		pipelines, it is necessary to acquire the right of user in
				And where it among that C
		17	7 10 00	Maharastia State Pipeline should be laid by Deepak Follows and Petrochemial Corporations Ltd.
इ⊶⊸जारी		16 17		ti insport of petroleum from Uran Termind to Deepak Felizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja
1			6 10.00	that it is necessary in the public interest that for

1	2	3	4	1	2	3	4
Funde—Contd.	92	1	32,00	सोनरी — जारी		5	36,00
	93	2	36.00			6	44,00
		1	04.00			7	2.00
		4	02.00 12.00		66	ì	50.00
		5	12.00		00		
		6	24.00			2	12.00
	74	1	04,00		59	1	10.00
		2	04,00 12,00 18,00 20,00 36,00 02,00			2	68.00
		4	20.00				
		5	36.00			3	32.00
		6	02.00			6	30.00
		10	02.00			7	14.00
	75	1	18.00			,	
		2	20.00		नासा		30.00
		3	20,00 18,00 17,00		58	. 1	48.00
		4	17,00			. 2	36,00
	76	1	22,00				
		$\frac{2}{3}$ .	24.00 12.00		52	R	38.00
	<b>7</b> 7	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,				7	48.00
	77	1	38,00			8	6.00
	78	1	06.00				
	2	20.00 18.00		59	9	44.00	
	79				r	1	
	Nalla	1	24.00 14.00		[स॰ 12	2016/42	/8 1-प्रा॰-I]

[No. 12016/41/81-Prod. II]

का॰ आ॰ 2762. ---यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में पुरात ट्रिमिन से दीपक फर्टिलाइनर्स और पेट्रोकेमिकस्स कार्पेरेशन कि॰ तलोजा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइनर्स और पेट्रो-किमिकस्स कार्पेरिशन लि॰ द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर यनः यह प्रतित होता है कि ऐसी लाइनों के विछाने के प्रयोजन के तिसे एतद्उपाबस धनसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का स्रधिकार अजिन करना श्रायश्यक है।

भ्रतः भ्रव पेट्रोलियम भीर खतिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का अर्थन) अधिनियम, 196? (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा पवल स्वित्यों या प्रयागकरने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग वा व्यक्तिकार अजिन करने ना भ्रपना भ्राणय एनव्ह्वारा घोषित किया है।

बंशर्ते कि उक्त भूमि में हितबब कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के निये भ्राक्षेप सक्षम प्रधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैय प्रायोग, (प्लांट नं० 9 महत्ताल हौसिंग मोतायटो प (बेस-जिला-रायगङ्ग) को इस प्रधियुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप क ने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह वाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विश्वि व्यवसायी की भार्फत ।

**अनुसूची** 

उरान टर्मिनल से देशक फेटिलायजर्स भीर पेट्रोजेमिकस्स कार्पेरिशन सि० ससोजा तक पार्डपलाइन बिळाने के लिये

महाराष्ट्रराज्य	जिलारायगङ्	तालुक	<b>ा</b> –⊷पृरान
गाव	सर्यक्षण	नंबर नंबर	<b>स्मवे</b> ० मिटर्स
1	2	3	 4
सो नरी	51	1	52.00
		7	4(4 ()1)
		13	2 - 0.0
	49	1	30.00
		2	10 00

S.O. 2762.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharastra State Pipeline should be laid by and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Aquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertiliser and with 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipline under the land to the Competent Authority, Oll and Natural Gas Commission Plot No. 9, Middle Class Housing Society Panvel Distt, Raigad.

And Every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepek Fertiliser and Petrochemicals Corporation Limited, Taloje.

State-Maharashtra	DistrictRo	igad.	Ţa	luka—Uran
Village	S. No.	H. N		Area Sq. Meters
1	2		3	4
Sonari	51		1	52,00
			7	46.00
			13	2.00
	49		1	30.00
			2	10.00
			5	36.00
			6	44 00
			7	2,00
	66		1	50. <b>0</b> 0
			2	22,00
	59		Į	10.00
			3	68.00
			3	32,00
			6	30.00

 S. N). 	H, N).	Area Sq.
	7	14.00
Nalla		30 00
58	1	48,00
	2	36.00
52	6	38.00
	7	48.00
	8	6 00
59	9	44.00

का० मा० 2763.— यत केन्द्राय गरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहिन में यह प्रावणक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टर्मिनल से दीपक फटिलाइजर्स थीर पेट्रोकेमिकल्स वापेरिशन लि० सलीजा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन वीपक फटिलाइजर्स थीर पेट्रोकेमिकल्स काणेरिशन लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के विकान के प्रयोजन के लिये एतद्पायद श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्राप्तित करना आवश्यक है।

ग्रनः ग्रव पेट्रोलियम ग्रीर खिनज पाष्ट्रप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्रिप्तिमार का प्रजेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार श्रीजत करने का अपना आध्य एनबुद्धारा श्रीपत किया है।

बगरों कि उनत भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाइप लाइन निछाने के लिये आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्रायोग, (प्ला॰ नं॰ 9, मि॰ क्यास हाउसिंग सोसायटी पनवेल जिला रायगढ़) को इस श्रिधसुकना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर मकेगा।

भीर ऐसा माक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टतः यह भी कथम करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत ही या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन ।

#### अभुसूची

उरान टॉमनल से बीपक फटिनायजर्म ग्रीर पेट्रोकेमिएकस कार्पोरेशन सिं० तलीजा तक पाइपसाईन बिछाने के लिये

महाराष्ट्रराज्य	महाराष्ट्रराज्य जिलारायगढ		-उरान
गोव	सर्वेक्षण	नंबर	स् <b>नव</b> ० मिटर्स
1	2	3	-4
नवषर	44	4	24.00
		5	28.00
	45	4	36.00
		5	34.00
		6	06.00
	70	3	41.00
		4	37.00
	71	~	08,00
	68	I	10 00
		2	24.00
		3	40.00
		491	32.00
		<b>4</b> 單	24.00

			~ ~
1	2	3	4
विघर	67	 1	12.0
		2	24.0
		,}	01.00
		4.	38.00
		6	01.00
	116	2	36.00
		3	20,00
	6.5	1	40.00
		2	30.00
	79	1	04.00
	5.7	1	18.00
		3	10.00
		4	10.00
		5	10.00
		6	14.00
		7	07.00
	58	1	02,00
	59	2	02.00
		3	24.00
		5	02.00
		6	28,00
		4	10.00
	99	1	16.00
		2	24.00
	56	1	12.00
	98	1	14.00
		3	16.00
		3	08.00
		5	07.00
		7	22.00
		8	16.00

S.O. 2763.—Whereas it appears to the Central Government ment that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society Panvel Distt, Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pip line from Uph. Teminal to Deepak Feithizers and Peirscheme as Lan ed. To oja.

Stite-Mih lashir.,	Dist in-R ised,	Ti	uke—Uren
Village	S No.	H No.	Area
			Sq Meters
N vgh r	44	4	24 00
		5	28 07
	45	4	36 00
		5	34 00
		б	06 00
	70	3	41 00
		4	37 00
	71		08 00
	68	1	16 00
		2	24 00
		3	40 00
		4A	32 00
	4	4B	24 00
	67	Į.	12 00
		2	24 00
		3	01 00
		4	38,10
	66	6	01.00 36 00
	00	3	20 00
	65	1	40 00
	05	2	30 00
	79	1	04 00
	57	1	18 00
	37	3	10 00
		4	10 00
		5	10 00
		6	14 00
		7	07 00
	58	1	02 00
	59	2	02.00
		3 5	24 00
		6	02.00
			28 00
	99	4	10 00
	77	1 2	16 00 24 00
	56	1	12 00
	98	1	14.00
	70	2	16 00
		3	
		5	08.00 07.00
		7	22 00
		8	16.00
	Nalla		32 00
	PLY	1001545	J# 00

[No. 12016/42/81-Prod. II]

का॰ आ॰ 1764 --या केन्सेन पम्कार को यह न्रानेन होना है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टर्मिनल से दीपक फर्टिनाडजर्स और पेट्रोकेसिकल्स कार्योरेशन लि॰ तलोज तक पेट्रोलियम के परिनहन के निर्मेपाइन लाइन दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रो-केमिकल्स कार्योरेशन लि॰ द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

श्रीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतर्पाबड अनुसूचों में विणित भ्सि में उपयोग का अधिकार रूजित करना आवश्यक है। अत स्रव पेटोलियम श्रीर खिनिज पाइप लाइन (भिम मे उपयोग के स्रियकार का स्रर्जन) स्रिविनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधार। (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का स्रिधिकार स्र्विन करने का स्र्रभना धालय एतबुद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भृमि मे हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भृमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी नेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग (प्लाट न० 9 मि० कलास हाउसिंग सोसायटी पनवेल जिला रायगढ) को इस ग्राधिसूचना की नारीख से 21 दिनो के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की नार्भत ।

#### अन्सूची

उरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स ग्रौर पेट्रोकेनिकल्स कार्पोरेशन लि० तलोजा तक पाइप लाडन विष्ठाने के निये

गाव	सर्नेक्षण	नवर	स्कवे० मिटर्स
1	2	3	4
पगोटे	69	5	32.00
	70	1	24.00
		6	12.00
		7	44.00
		9	28.00
		10	2.00
		11	12.00
		13	16.00
		12	20.00

[सं॰ 12016/43/81-प्रो-**I**]

S.O. 2764.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panvel, Dist. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

	SCHEDULE				I	2	3	4
Pipeline from Utan			Ferti	ilizer and		<del></del>	13	4 4.71
etrochemicals Corpora			Trada.	. Tinga			13 6	4 00 6.00
tate—Maharashtra	Diatrict—Ra	igad	Laiuk	a—Uran			O	
/illage	S. No.	H. No	 o.	Arèa		नाला		18.00
ninge	D. 14.	11. 11		. Meters		241	1	20.00
		<del></del>					1.3	20.00
agote	69		5	32.00			1 1	6.00
	70		1 6	24 00 12.00		240	1	36.00
			7	44.00		239	1	06.00
			9	28,00			2	38,00
			10	2.00		238	11	18,00
			11	12.00			12	14.00
			13 12	16.00 20 00		237	10	36.00
			. <del></del>			236		
	[N	o. 1201	6/43/81	l-Prod. I]			2	42.00
<b>দ্যাত আত 2765</b> ,—-থ	तः केल्काम सदस्	क्षांग क	रे भटे	ਯ-ਰਿਕ ≩ੀਜ਼ਾ		235	1 4	16.00
का <b>ँ जा</b> ँ 2765 .—य कि लोकहित में यह धावा						ass	15	14.00
्रद्यापक फटिलाइजर्स और							16	16,00
द्रोसियम के परिवहन के	•						17	20.00
≭ाराजन के पार्वार्ग हैं ड्रोकेशिकल्प कार्पीरेशन लि०				एवत आर.		202		
	•					233	1	40.00
र्श्वार <b>य</b> त. पह प्रतीत हो							3	40.00
्लियं एतव् <b>षात्रद्ध अनुसू</b> र्या	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	न में उप	योग क	ग भाधिकार			4	21.00
र्जित करना ग्रायम्यक है	1						13	40.00
श्रतः भव पेट्रोलियम ग्र	रौर खनिज पाइप	लाइन	भमि	में उपयोग			14	2.00
क्रियधिकार का <b>प्रजैन प्र</b> धि							15	2,00
। की उपधारा (1) द्वारा							17	12.00
रकार ने उसमें उपयोग					जस्कर	232	2	52.00
सदद्वारा घोषित किया है							3	4.00
		<del></del>		c > -5=			4	38.00
<b>बगर्से</b> कि उक्त कृशि <b>ाइप लाइन बि</b> छारी के लिये						226	1	42.0
॥६५ लाइन विकास के लिए <b>सि भ्रायोग</b> (प्लोट नं० 9							2	26.0
ास आयाग (प्लाट गण ह प्रययक) की इस ग्रधिसूच							3	08.0
सम्बद्धाः सम्बद्धाः	વા માટ લાકાજી પ	ا الت	.दगा क	भातर कर			-1	20,0
							5	18.0
भीर ऐसा भाक्षेप करन							6	06.0
करेगा कि क्या वह यह चा	ाह्रना १ृंकि उस⁴	ी सुनवा	<b>र</b> व्यक्ति	नगत हो या		223	1	34.0
<b>केसी विधि</b> व्यवसायी की	मार्फन ।						14	34.0
	अनु <b>सूर्च</b> ।						15	04 0
उरान टर्गिल से गीप		<b>ीर</b> पेटोवे	केसिकल्ल	कार् <del>पोरिकात</del>			16	04.0
लं• तलोजा तक पाईप ला	इन बिछाने के लि	'x'' य		601174171		222	1	34.0
	जिला—-र⊺प्रगढ़		युका उ	<b>उ</b> रान			2	06.0
				- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·			11	04.0
गांव	ŧ	विंक्षण स	चंदर	स्क्ये०			12	24.0
-				मि <b>टर्स</b>		221	Ī	10.0
						421	1 2	10.0
ι		2	3	4			2 5	28.00 08.0
			<del></del> _	·			<b>5</b> 6	26.0
गस्कर		245	1	2.00			7	26.0 26.0
			2	22.00			10	02.0
			3	20.00			11	64.0
			4	30.00			12	
							1.4	12.0
			5	10.00				

S.O. 2765.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Utan Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its Intention to acquire the right of user therein.

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panvel, Distt. Ralgad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertiliser and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja. State—Maharashtra District—Raigad Taluka—Uran

Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
Jaskhar	245	1	2.00
		2	22.00
		3	20,00
		4	30.00
		5	10.00
		9	30,00
		13	4.00
		6	6.00
	Nalla		18,00
	241	1	20,00
		13	20.00
		14	6,00
	240	1	36,00
	239	1	06,00
		2	28,00
	238	11	18,00
		12	14.00
	237	10	36,00
	236		
		2	42,00
	<b>2</b> 35	14	16,00
		15	14,00
		16	16,00
		17	20,00
	233	1	40,00
		3	40.00
		4	12.00
		13	40.00
		14	2.00
		15	2.00
		17	12.00
laskhar	232	2	52,00
		3	4.00
		4	38,00
	226	1	42.00
		2	26.00
		3	08,00
		4	20.00

1	2	3	4
		5	18,00
		6	06,00
	223	1	34,00
		14	34.00
		15	04,00
		16	04.00
	222	1	34.00
		2	06.00
		11	04.00
		12	24.00
	221	1	10.00
		2	28.00
		5	08,00
		6	26.00
		7	26.00
		10	02.00
		11	64,00
		12	12.00

[No. 12016/43/81-Prod. II]

# नर्ष दिल्ली, 28 सितम्बर, 1981

णां आ 2766 :—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावप्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरात टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स भीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० तलाजा नक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइनर्स भीर पेट्रो-केमिकल्स कार्पोरेशन लि० हारा विछाई जानी चाहिये।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के निये एतद्पाबद्ध मनुसूची में अणित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रीजन करना श्रावण्यक है ।

चलः मन पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें अपयोग का अधिकार मंजित करने का धपना धार्यय एतपुद्वारा भोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये प्राक्षेप सक्तम प्राधिकारी, तेल तथा प्राष्ट्रितिक गैस प्रायोग (व्लाट नं० 9 मि० क्लास हौसिंग सोसायटी पनवेल, जिला रायगड़) की इस प्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा माक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्धिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह भाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यक्सायी की मार्फत ।

# अनुसूची

उरान टर्मिनल से वीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकस्स कार्पोरेशन लि॰ तलाजा तक पाईपलाइन बिछान के लिए महाराष्ट्र--राज्य जिला--रायगढ़ तालुका--उरान

गाव	सर्वेक्षण	नबर	स्केश्चर मिटर्स
1	2	3	4
जासाई	नाला		16.00
	31	5	09,00
		1	12,00
	सङ्क		14.00

1	2	3	4	1	2	: ;	3 4
	41	7	76.00			1	24 00
	सङ्ग		80.00			5	14.00
	44	1.1	28.00			(5	40.00
		6स	106.00			7	10.00
		67K	24.00		11	0	60.00
	50	11	20.00		1 1	1 2 1	68.00
		9	28.00			4	32.00
		7	44.00		11		82.00
		6 5	40,00		1 1		04.00
		2	60.00 36.00			1+2	
						5	08 00
	51	9	58.00		11		52.00
		8 4	30.00		11		82.00
	<b>54</b> ण/1 -	=	68,00 40.00			2	70.00
	own, i	171/4 6	14.00			3.	42.00
		3	60.00			4	44.00
	52	3	26.00		11	17 1	28.00
	सरकार		56.00		Γπ.	10010	44/81-সী০- <b>I</b> ]
	55	3+4	24.00		ľac	12016/	##\Q T-WIA-T]
	5 6ग्र	· ı	66,00	New Delhi	i, the 28th Septen	nber, 1981	
		2	42.00				
	5 6य		08.00	S.O. 2766.—Whereas that it is necessary i	s it appears to the	e Centrai nterest - 1	hat for the
	58	1	06 00	transport of netroleur	m from Uran	Terminal	to Deepal
		2	64.00	Fertilizers and Petroc Maharashtra State Pi	enenucais Corpor peline should	be laid b	, raioja ii y Decpak
		3	30.00	Fertilizers and Petroch			-
		4	28.00	And whereas, it ar	means that for t	he purno	se of laving
	59	1	20,00	such pipelines, it is I	necessary to acqu	ilre the r	ight of use
		2	14.00	in the land described i	n the schedule an	inexed her	eto.
	सङ्क		16.00	Now, therefore, in	exercise of the	powers c	onferred by
	187	4	25.00	sub-section (1) of the Mineral Pipelines (Acc	section 3 of	of user i	roicum and n land) Act
		2	64,00	1962 (50 of 1962), th	e Central Govern	nnient her	eby declare
		1	56,00	its intention to acqui	ire the right of	user mer	ein.
	186	ī	90,00	Provided that, any	person interest	ed in th	e said land
	जासा <b>र्ध</b>	2	06.00	may, within 21 days for the laying of the	rom the date of t	e land to	ation, onject the Compe
	185	Ţ	48.00	tent Authority, Oil &	Natural Gas Co	mmission,	Plot No. 9
	164	1	36.00	Middle Class Housing	Society, Panyer	, Distt. N	aigau.
		2	68.00	And every person	making such an	objection	shall state
		3	52.00	specifically whether he a legal practitioner.	wishes to be n	eard in p	erson or by
		4	56,00	il legal practitiones.			
		19	72.00		SCHEDULE		
	158	1	72.00	Pipeline from Ura			ertiliser and
		2	32.00	Petrochemicals Corpor			Julia IIaan
	157	1ध्य	24.00	State-Maharashtra	District—Raig		luka – Uran
		1শ	104.00	Villago	S. No.	H. No.	Area Sq. Meter
		1स	82.00				
		14	28.00	1		3	4
		2	28.00	Jasai	Nalla 21	_	16,00 09,00
	155	1	58.00		31	5 1	12,00
	108	1	48.00		Road		14.00
		2	16,00		41	7	76.00
		3	66.00		Road		80,00
		5	04.00		49	13 6C	28.00 106.00
	109	l	34.00			்ட வ	24,00
		3	14.00			- CD	27,50

= कर==== : - - <u>- - - -</u> : - - - <u>- -</u> .

1		3	<del></del>
Jasai - Contd	<del>2</del> 50		
Ju 101 C-31/18	30	11 9	20.00 $28.00$
		7	44,00
		6	40,00
		5 2	60 00
	51	9	36.00 58.00
		8	30.00
		4	68.00
	54 <b>A</b> /1	(A/2	40.00
		6 3	14.00 60,00
	52	3	26,00
	Govt.		56.00
	55	3+4	24.00
	56A	1	66.00
	56B	2	42,00 08,00
	58	1	06.00
		2	64.00
		3	30,00
	59	4	28.00
	39	1 2	20.00 14.00
	Road	·	16.00
	187	4	25.00
		2	64,00
I_a	106	1	56,00
asai	,186	1 2	90,00 06,00
	185	1	48.00
	164	1	36.00
		2	68,00
		3	52.00
		4 19	56.00 72.00
	158	1	72,00
		2	32.00
	157	1A	24.00
		1B 1C	104.00
		1D	82.00 28.00
		2	28,00
	155	1	58,00
	108	1	48.00
		2	16.00
		3 5	66,00 <b>04</b> .00
	109	1	34,00
		3	14.00
		4	24.00
		5	14,00
		6 7	40,00 10,00
	110		60,00
	112	1	68.00
	111	4	32.00
	111 113	1A	82,00 04,00
		1B+2	44.00
		5	08.00
	114 116		52.00 82.00
	-10	1 2 3 4 1	70.00
		3 4	42.00 44.00
	117	<u> </u>	28,00
	[No.	12016/44/81-F	rod. I]

का० आ० 2767 :---पन. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह शायप्रक है कि महाराष्ट्र राज्य में उनान ट्रांमनल से वीपक फर्टिलाइजर्म और ऐट्रोकेमिकल्स कार्योग्यान निर्व तत्वामा तक पेट्रो-लियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन बीपक फर्टिनाईमार्ग और पेट्रो-केमिकल्स कार्योग्यान लि॰ द्वारा विद्यार्ग जानी चाहिये।

श्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्पाबद्ध श्रानुभूची में बाँगन भूनि में उन्योग का श्रधिकार श्रीजत करना श्रावण्यक है।

भनः भव पेट्रोलियम भौर यतिन पाइतिकाश (मूपि में उपयोग के अधिकार का भर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल लिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का प्रधिकार प्रतिन करों का भ्रयना भाषय एतक्तारा घोषित किया है।

भणतें कि उक्त भृमि में हिनबह कोई पिति उप मृति के नोके पाइणलाइन बिष्ठाने के निर्देशको मनन राजिए शे देन तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग (प्लाट नंज 9 मि० कत्राम ही तिम सोमायटी पननेल जिला: पायगड़) को इस प्रशिमुचना नी नारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा भाक्षेप करने जाना हर व्यक्ति विनिर्दिष्टनः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उपको मुतदाई व्यक्तिगर हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्कत ।

अनुसूची

उरान टर्मिनल से दीनक फर्टिनाइजर्न और पेट्रोकेनिकस्य कार्यरिकत लि० तलोजा सक पाइप लाइन विधान के लिये:

महाराष्ट्र राज्य	जिलाराधगड	तालुकापनत्रेल				
गवि		सर्वेभग	नंबर न	स्पनायर मिटर्स		
बहल		जंगल		152.00		
		442		84.00		
		421	2	22.00		
			3	40,00		
				36.00		
		स≸क	6	592.00		
			016/44	/৪1–সী∘II]		

8.0. 2767.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panvel, Distt. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

Pineline from II-	SCHEDULE an Terminal to Dec	mak Estill	ger and	1	2	3	4
	pration Limited, Taloj		ser and	<u> </u>			<del></del>
State-Maharashtra	District—Raigad		ıUran	केरलजारी		7 <b>ए</b>	16.0
<del></del>		·				7 <b>मी</b>	24.00
Village	S. No.		Area			8	02.0 26.0
		Sq.	Meters			9	20.0
Vahal	Forest		152.00			. 11	18.0
	442		84.00		•	12	06.0
	<b>42</b> 1	2	22.00			13	16.0
		3 6	40.00			14	46.0
	Road	·	36.00 592.00			15	32.0
					142	9	26.0
	(No. 12	016/44/81 <b>-</b> P	rod. II]			10	14.0
	नई दिल्ली, 13 सितम्बर	* 1001			1 30	12	24.0
181 a ATI a 2769 .	न्यायल्या, 13 स्तरम्यः –यत केन्द्रीय सरकार व		क्रोका के		1 29	I	04.0
	===वतः कल्बाय सरकार प प्रथक है कि महाराष्ट्र राष	•	- '			2	62.0
	प्रदेशक हु कि महाराष्ट्र गर पेट्रोकेमिकल्स कार्परिशन (					1	16.0
	तपुरायपण्य कात्रारथस्य । लेये पाइपलाइन दीपक					5 ~	34.0 36.0
	्दारा बिछाई जानी <b>चा</b>				128	7	36.0 08.0
		•			128	2	01.0
•	तहोताहै कि ऐसी					3	22.0
	बद्ध अनुसूची में वर्णित भूवि	भ में उपयोग क	ा <b>प्र</b> क्षिकार			4	26.0
प्रजित करना प्रावश्यक ह	ē. Ι					5	24,0
श्रंत भव पेटोलियम	भौर खनिज पाइपलाइन	(भिम में व	उपयोग के		127	1	38.0
	धिनियम 1962 (19 <del>6</del> :					2	16.0
	ारा प्रदत्त मक्तियों का प्र					3	11.0
, ,	का मधिकार म्रजित करने क					5	29.0
भोषित किया है।						в	02.0
T 6	- 2 c				108	1	26.0
•	म में हिनबद्ध कोई व्यापि 	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •				2	02.0
	लिये भाक्षेप भक्षम प्राधिक > 9 सि० क्लास हौसिय		_			3	22.0
•	१ प्रामण्यस्थास हासिय भूषना की नारीखा से 2					4	22.0
रायगङ्ग का इस्स भावन् सकेनाः ।	प्रथमा का नारास्त्र म ४	। वस्ता क	मात्र कर			5	44.
मक्षा ।						6	26.
ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप क	रने वाला हर व्यक्ति वि	नेर्विष्टतः यह	भी कथन			7	10.
	चाहता है कि उसकी सृ	निवार्डक्यक्तिग	ात हो या			8	38,
फिनी विधि व्यवसायी की	ो मार्फतः ।					9	42,
	ग्र <b>न्</b> मूची				_	10	32.0
many afternoon of the	ाऽ∧ '' क फटिलाईजर्स भ्रौर पेट्रोके	பெகள் எஸ்	जेशन कि-		107	2	04.0
	कफाटलाइजस ग्रार पट्टाक विद्याने के लिये महार					3	20.
	ाजकारा प <b>ाराश भ</b> हार	त-द्र∙ाज्य ।ज	्त=दालग्रष्			4	16.
तालुका-उराम ——	· · —- <u>.</u> -				11.0	5 1	16.4
ग†व 		ं० स् <b>नवाग</b> र	मिटसँ		1113	1 2	18.0 22.0
		3	4		110.3		10.0
केरल	144	1	02.00		101	-1 1	06.0
7		2	19.00		192	2 .	16.0
37.11		3	14.00			3	08.0
7/11		4	04.00			3 4	34. (
***1		_	06.00			5	20.0
71		5					
7		в	16.00			6	
***1		6 7	16.00 07 <b>0</b> 0		133	6	28.0
****	143	6 7 2	16.00 07 00 04.00	केरल	100	8	28.0 76.0
	143	6 7	16.00 07 <b>0</b> 0	केरल	100		28.0 76.0 38.0 30.0

<del></del>	2	3	4	1	2	3	4
and the same of	99	1	13.00	Karal-Contd.		5	06.00
		2	18,00			6	16.00
		10	05,00		143	7 2	07.00 04.00
		3	07.00		1417	3	14.0
		11	09,00			5	04.0
		4	21,00			6	12.0
		5	28.00			7 <b>A</b>	16.0
		6	06.00			7B	24.0
		7	43.00			8 9	02.0 26.0
		8	26 00			10	20.0
		9	31 00			11	18.0
		13	02.00			12	06.0
	98		36,00			13	16.0
	78	6	28.00			14	46.0
		5	14.00		1.43	15	32.0
		3			142	9 10	26.0 14.0
		4	16 00 02,00		130	12	24.0
	2.2	7			129	1	04.
	6.3	1	24.00			2	62.
		2	56,00			4	16.
		5	30,00			5	34.
	64	4	24.00		100	7	36.
		5	08.00		128	1 2	08. 04.
		6	34,00			3	22
	65	1	12.00			4	26.
	[नं ०	12016/4	≀ऽ/৪ <i>6</i> -प्रो०-∐			5	24.
	_	•	, -		127	1	38,
New Delhi, t	he 23rd Septen	iber, 198	1			2	16.
S.O. 2768.—Whereas it	appears to the	Central	Government			3	11.
it it is necessary in t insport of petroleum						5 6	29 . 02 .
rtilizers and Petrocher	nicals Corpora	tion Ltd.	Taloja in		108	ĭ	26,
aharashtra State Pipeli izers and Petrochemical			Deepak Fer-			2	02
						3	22
And whereas, it appe ch pipelines, it is nece.						4	22
e land described in the						5 6	44
Now, therefore, in e	cercise of the	powers	conferred by			7	26 10
b-section (1) of the	section 3 of	the Pe	troleum and			8	38
ineral Pipelines (Acq et, 1962 (50 of 1962						9	42
clares its intention to						10	32
Th	Total Control				107	2	04
Provided that, any per ithin 21 days from the						3 4	20 16
e laying of the pipeling	e under the la	and to th	e Competent			5	16
uthority, Oil & Natur iddle class Housing So	al Gas Com	mission.	Plot No. 9,		103	1	18
•						2	22
And every person ma ecifically whether he	aking such an wishes to be b	objection	n shall state		101	4	10
legal practitioner.	and the first	OMIN III	instruction of by		102	1	06
	SCHEDULE					2	16
Pipeline from Uran		enak F	ertilizers and			3 4	08 <b>5</b> 4
Petrochemicals Corporat						5	20
<u>-</u>	District—Raigad		alukaUran			6	20
				Karal	100	8	76
Village	S. No.	H. No.	Area			1	38
			Sq. Meters			3	3(
Karal	144	1	02.00		99	4	J <del>(</del>
na/41	.पन	2	02.00 19.00		34	1 2	13 18
		Ĵ	14.00			10	0.5

1	2	3	4	1	2	3	4
K ital—Contd,	- <u>-</u> -	 11	09 00			 3	20 00
		4	21 00			4	14 00
		5	28 00		नाला		11 00
		6	06 <b>0</b> 0		101	1	
		7	43 00		101		48 00
		8	26 00			2ए	18.00
		9	31 00			2 <b>मी</b>	8 00
		13	02 00			6	10 00
	98	6	36.00		103	2	22 00
		5	28 00				
		3	14.00			4	28 00
		4	16 QO			5	12 00
		7	02 00			6	50 00
	63	t	24 00		1 a 0	1	58.00
		2	56 00			ž.	32 00
		5	30,00				
	64	4	24.00			3	32 00
		5	08,00			4	28.00
		6	34.00			5	26 00
	65	1	12 00			7	28 00
						8	26 00
	[No	. 12016/45/81	l-Prod. J]			9	26 00
<b>লা</b> ০ সা০2769 –দা	<del></del>	को यह प्रती	- <del></del>		15	2	1 to , 0 to

[स॰ 12016/45/81-प्रो०]]

कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टर्मिनल से दीपक फटिलाईजर्स भीर पेट्रोकेमिकल्म कार्पोरेशन लि० नसाजा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फर्टिलाई कर्म और पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० द्वारा विष्ठाई जानी साहिये।

भीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो क बिछाने के प्रधाजन के लिये एतद्पायक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना धावस्यक है।

मत भव पेट्रोलियम भीर खनिज पाइए लाइन (भूमि म उपयोग क **श्रधिकार का भर्जन) अधिनियम** 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल मिक्तयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अजिल करने का श्रयना धाम्य एनवुद्वारा धाषित किया है ।

बणतें कि उत्त भिम में हिनबब कोई व्यक्ति उन भूमि ह ती से पाइप लाइन बिकाने के लिये माक्षेप सक्षम प्रधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस भायोग (प्ला० न० 9 मि० क्लास हौीमग सोमायटी पनवेल जिला रायगई) को इस प्रधिमुखना की तारीख में 21 विनो क भीतर कर सकता।

ग्रोर ऐसा श्राक्षेप करन वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टना यह भी कथन करेंगा वि अया वह यह भाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हा या किमी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

उरटान टर्मिनल से दीपक फर्टिलायझसं भीर पेटोकेमिकल्म कार्पोरेशम लिं तलं। जा नक पाईपलाइम बिछाने के लिये।

महाराष्ट्रराज्य	जिला-रायगड् तालुका-मुरान					
गांव	वॅक्षण नंबर	स्कर्वे० मिटसे				
1	2	3	4			
सावरखर	108	1	16.00			
		2	26 00			
		3	26.00			
	107	1	24 00			
		2	40.00			

S.O. 2769.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the poblic interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharastra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petioleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizer and within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission. Plot No 9. Middle class Housing Society Panvel Dist. Raigad

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by. a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizer and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State—Maharashtra,	District —F	taigad, I	alukaUran.
Village	SI. No.	H. No.	Area Sq Meters
Sawarkhar	108	- <del></del> :	16.00
Du war kiraz		2	26.00
		3	26.00
	107	1	24.00
		2	40.00
		3	20.00
		4	14.00

2	3	4	1	2	3	1
Nalla		- 14,00	पाडेबर	3.0FT	2	18 00
	ŧ	48.00		31	2	94 00
	2A	18,00			4 + 5+	6 319 00
	2 <b>B</b>	8.00		.। सन		66 00
	6	10.00			<del>_</del>	
103	2	22.00		1941	4	4 00
	4	28,00		1 9 <del>4</del> 7		68 00
	5	12.00		1 পঞ্চ	1	10 00
	6	50.00			2	8 00
150	1	58.00		1 07		34 00
	2	32.00				
	3	32.00			<del></del>	16 00
	4	28.00		१ ३ग	1	68.00
	5	26.00		1 3घ	1	36 00
	7	26.00			2	30.00
	8	26.00		1.4	1	29 00
	9	26,00		• •	-	
15	2	J6.00		_	2	24.00
	Nalla 104 103 150	104	104	104	104	104

[No. 12016/45/81-Prod. II]

का० आ० 2770 --- यत केन्द्रीय सरफार की यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टर्मिनल्म से बीपक फर्टिलायजर्भ और पेट्रोकेमिकह्स भाषींग्याम लिए सलाजा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन इंपिक फर्टिलाइझमं और पेट्रोकेमिकह्स कार्पोरेशन लिए हारा बिछाई जानी चाहिये;

ग्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो के विकार के प्रयोजन के लिये एतद्यावदा भनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का भ्रष्टिकार प्रजित करना कावण्यक है:

भत भव पेट्रोलियम भौर खनिज वाइप लाइन (भृप्ति में उपयान के भिष्ठकार का भजेन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिलियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार में उसमें उपयोग का भिष्ठकार अजित करने का अपना धामय एतद्वारा भौषित किया है;

बक्करों कि उक्त भूमि से हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये माक्षेप सक्षम मधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस बाबीण, (प्लॉट नं० 9 मित्रल क्लास हाजसिंग सोसायटी पनकेल, जिला रायगड़) को इस मधिमुचना की तारीचा से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा.

भौर ऐसा भाकीप करने वाला हर व्यक्तिक विनिर्विष्टिता यह भी कथन करेगा क्कि क्या वह यह माहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विवि व्यवसायों की माफंत ।

अनुसूची

उराम टर्मिनल से वीपक फटिलायआई भीर पेट्रॉकेमिकल्म कार्पोरेशन जि॰ तलोजा तक पाईपलाईन बिछाने के लिये।

महाराष्ट्र राज्य	जिला-राय	ग्गड़ ताल्	का-पनवेस		
गर्रव .	स <b>र्वेक्षण</b> र	सर्वेक्षण तंबर स्कवे० मीटर्स			
1			4		
पाडेबर	सङ्क		144.00		
	440	1	64 00		
		2	16-00		
	441	1	160 00		
	स <b>ढक</b>		436.00		
	रेल		46 00		

S.O. 2770.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd;

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sction (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelipes (Acquisition of right of user in land Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein,

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9 Middle class Housing Society Panvel Dist. Raigad;

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULF

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals -Corporation Limited, Taloja.

State-Maharashtra,	District—Raiga	d, Taluka-	-Panvel
Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
Padeghar	Road		144,00
_	440	1	64.00
		2	16.00
	44	1 2 1	160.00
	Road	_	436.00
	Rail	-	46.00
	30-A	2	18.00
	31	2	94,00
		2 2 4+5+6	318.00
	45-B		66.00
	19-B	4	4.00
	19-E		68.00
	19-A	1 2	10.00
		2	8.00
	19-D		34.00
	19-E	_	16,00
	13-D	1	68,00
	13-E	1	36 00
		2	30.00
	Í4	I	28.00
		2	24.00

[No 12016/46/81-Prod. 1]

कां आं 2771—यत. केम्ब्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लाकहित में यह भाषण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टिमनल में बीपक फटिलायजर्स भीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लिं तलोजा नक पेट्रोलियम के परिचहत के लिये पाइप लाइन दीपक फटिलायजर्स भीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लिं द्वारा बिछाई जानी नाहिये;

श्रीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो के बिछाने के प्रयानन के लिये एतद्पायद्भ धनुसूची से बॉलन भृषि से उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना भावण्यक है;

भन भव पेट्रोलियम भीर खानिज पाइप लाइन (भूमि मे उपयोग के प्रधिकार का भर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा १ की उपधारा (1) द्वारा प्रदल पाक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार प्रजित करने का अपना भाषाय एतन्द्वारा घोषित किया है;

बणतें कि उक्त भूमि में हितबक्ष कोई व्यक्ति, उस भूमि के मीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकारी नेल तथा प्राकृतिक गैस आयाग (प्लाट नं० १ मि० क्लाम हौसिंग सोसायटी पनबेल जिला-रायगड़) को इस अधिसूचना की नारीख से 21 विनो के मीनर कर सकेगा:

भीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

उरात - टर्निनल से बीपक फटिलायझसं और पेट्रोकेमिकल्स कापॉरेशन
लिं॰ नलीजा नक पार्डपलाइन विछाने के लिये ।

महाराष्ट्र राज्य	जिला-राय	गङ्ग	सालुका-प <b>नवे</b> ल		
गांब	म <b>र्वेश्न</b> ण	नं०	स्≇मे०	भीट	 • <del>i</del>
<del></del>	158	5		36	00
	पेरम			104	00
				884	00
				136	0.0
				124	0 (
				180	00
				40	0 (
				414.	0 (
				50	0 (
				142	0.0
				322	00
				32	0 (
				h	0 (
	299	10	Ţ	16	00
	रंग		-	238	. 0
				10	0.0
	नर्स		-	50	. 0

[सं॰ 12016/46/81-प्री॰ II]

S.O. 2771.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharastra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this rotification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission. Plot No. 9, Middle Class Housing Society Panvel Dist. Raigad;

And every person making such an objection shall specifically whether he wishes to be heard in person or by a lagal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Piepeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

_	-	-			
State-	−Ma	ahar	ashtra	District—Raigad	Taluka—Panvol

Village	S. No.	H.No.	Area Sq. Meters
Panvel	158	5	36.00
	Rail	_	104.00
			884 <b>0</b> 0
			136.00
			124.00
			180,00
			40.00
			444.00
			50.00
			142.00
			322.00
			32.00
			6.00
	299	1.A	16.00
	Rail	_	238,00
			40.00
	River		50.00

[No. 12016/46/81-Prod. JJ]

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1981

का० था० 2772 न्यत केंग्सीय मरकार का यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टिमनल से वीपक फर्टिलाइजर्म धीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० तलोजा तक पेट्रोकियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फर्टिलायजर्म भीर पेट्रोकिमिकल्स कार्पोरेशन लि० द्वारा बिछाई जानी काहिये;

ग्रीर यत. यह प्रतीत होता। है कि ऐसी आइनो के बिछाने के प्रयाजन के लिए एसद्पाबद अनुमूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रधिकार मिजन करना ग्रावश्यक्ष है;

भत अब पेट्रोलियम भीर खिनज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के सिधकार का अर्जन) अधिनियम, 1963 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार भणित करने का ध्रपना आजय एसबहारा घोषित किया है;

धगतें कि उक्त भूमि में हितबड़ कोई व्यक्ति, उन भूमि के नीचे पाइप लाइन विकाने के लिये बाक्षेप सक्षम प्रधिकारी, नेन नेपा प्राक्तनिक गैंस आयोग, (प्या० न० 9 मि० क्लास होसिंग सोसायटी पनेबेल जिला-राधगढ़ को इस अधिलूचना की नारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकीगा।

ग्नीर ऐसा ध्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टन यह भी प्रथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

# अनुसूची

उरान टॉमनल से दीपक फॉटिलाइसर्स भीर पट्राकेमिकच्य कार्पोरेशन लि० तलोजा तक गाइपलाइन बिछाने के लिये।

राज्यमहाराष्ट्र	जिला—रा	यगद नास्	क्ता—यनवेल
गांव	सर्वेक्षण	——- नंबर स्मये०	
बम्बाधी	69		332 00
	58		12 - 00
	67		36.00
	6.2		58 00
	61		46.00
	60		110.00
	5 2	१ए	58.00
		। भी ०	30 00
	53	h	16.00
		3	84 00
		<b>4</b> ए	52 00
	रन		42.00

[स० 12016/47/81-प्रो-I]

New Delhi, the 28th September, 1981

S.O. 2772.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Urvan Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laving of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panvel, Dist., Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

# SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja. State—Maharashtra District—Raigad Faluka—Panyel

Village	S.N o.	H. No.	Arca Sq. Meters
Bambavi	69		332.00
	58		12,00
	67		36.00
	62		58.00

-				 
	t	2	3	4
				 -
		61	_	46.00
		60		110.00
		52	1 A	58.00
			1 <b>B</b>	30.00
		53	6	16,00
			3	84.00
			4A	52,00
		Rail		42.00
	<del>-</del>			 

[No. 12016/47/81-Prod. I]

का० आ० 2773 - -- पत. फेन्हीय सरकार को यह प्रशीत होता है कि लाकहित में यह आवश्यक है विक्कमहाराष्ट्र राज्य में उरान टर्मिनल से वीपक फर्टिलाइजर्स ग्रीर पेट्रोकेसिकल्स कार्पोरेशन लि० तलोजा तक पेट्रा-लियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फटिलाइजर्स ग्रीर पेट्रा-केसिकल्स आपंश्यित लि० द्वारा विछाई जानी चाहिये।

भीर यक्षः यह प्रतीत हाता है कि ऐसी लाइनों के विकान के प्रयाजन क लिये एनव्यावद अनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजिल करना प्रावश्यक है।

श्रत अब पेट्रोलियम श्रीर सानिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिकार का श्रजन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपयोग (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिकार अणिन करने का श्रपना धाशय एनद्वारा घोषित किया है।

बणनें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये श्राक्षेप मक्षम अधिकारी तल नधा श्राकृतिक गैम श्रायाग, (प्ला० न० ५ मि० क्लाम हॉमिंग मोमायटी पनवेल जिला- प्रायाह का इस श्रिधमुचना की मारीचा में 21 विनो के भीपर कर मकेगा।

भीर ऐसा घालेप करन वाला हर व्यक्ति विनिधिष्टनः यह भी कथन भरेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो था किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनस ची

उरान टर्मिनल से वीपक फर्टिलाइजर्स घीर पेट्रोकेमिकल्स कार्परिणन् लि० तसोजातक पाईपलाइन विछाने के लिये ।

राज्य—महाराष्ट्र	জিলা—	शमगढ़ त	 तासुकापनवस	
गांच	सर्वेक्षण नवर		 स्क्बे॰ मिटस	
कल्ंबर	रल	~-	112.00	
			84.00	
			224.00	
			164,00	
			66.00	
			66,00	
			32 00	
			106.00	
			10 00	
	15	2	28.00	
	25	5	44.00	
		4	48.00	
	रेल		48.00	
			48,00	

 		_	
	 -		 444 00
		बम्बई	50 00
		प्णा	
		মান্তক	
		3,63	 136 00
			120.00
			208 00
			160.00
			136 00
		1 1 -5	

[मं० 12016/47/81-प्रो० **II**]

S.O. 2773—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd Taloja in Maharastra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Itd

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification—object to the laying of the pippeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No 9, Middle Class Housing Society Panyel, Dist, Ralgad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State-Maharsahtra District-Raigad, Taluka-Panvel.

Village	S.No.	H.No.	Area Sq. Meters
Kalundre	Rail		112.00
Karanar			84.00
			224.00
			164.00
			66.00
			66.00
			32.00
			106.00
	15	2	28.00
	25	5	44.00
		4	48.00
	Rail	~	48.00
			48.00
			444.00
	Bombay		50.00
	Poona		
	Road		
	Rail		136.00
			120.00
			208.00
			160,00
			136.00

[No. 12016/47/81-Prod. ]]]

कार आर !774 — यन केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि लोकहित से यह ग्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टीमनल से दीपक फर्टिलायजर्स भीर पेट्राकेमिकल्स कार्योरेशन लिल सलाजा तक पेट्रो-लियम के परिवहत के लिये पाइपलाइन दीपक फर्टिलायजर्म भीर पेट्रो-केमिकल्य कार्योरेशन लिल द्वारा बिछाई जानी चाहिये!

प्रीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के तिये एतव्याबद्ध धनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना बाधस्यक है।

अत अब पेट्रॉलियम भीर खनिज पाइपलाइन (भूमि मे उपयाग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, १९६४ (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) आरे। प्रदन्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमे उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का अपना आशय एतहुदारा धार्षित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबार कोई व्यक्ति, उस भूमि ने नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये प्राक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ग्राथाय, (च्ना० त० ६, मि० क्याम त्राउपिय सामायटी, पनवेल, जिला-रायगड़) को इस प्रधिमुखना की तारीख में 21 विसो के भीतर कर मकेंगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने बाल। हर व्यक्ति विनिविष्टन यह भी कथन करेगा कि क्या अह यह चाहत। है कि उसको मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसार्या की मार्फन ।

## अनुसूची

जरान टर्मिनम से दीपक फर्डिलायजर्म ग्रीर पेट्रोकेमिकल्म कार्पेरिशन लि० तसोजा सक पाइपलाईन बिछाने के लिये।

राष्यमहाराष्ट्र जिलाराय		जिलागयग	ड सालु	हापनवेल
गाध	— मर्वेक्षण नबर		स्वमे ०	<b>मिट</b> र्स
—— — कोपर		- रेल्		168 00
				72 00
		27	4	20.00
		26	H-	8.00

[स॰ 12016/48/81-मो०-i]

S.O. 2774.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharastra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Plot No. 9 Middle Class Housing Society Panyel, Dist. Raigad

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULF**

Pipeline from Uran Terminal to Decpak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State-Maharashtra, District-Raigad, Faluka-Panvel.

Village	S. No.	H No.	Area Sq. Meters
Kopar	Rail		168.00
			72.00
	27	4	20.00
	26		8,00
	[No.	12016/48/	81 = Prod. I]

काठआ 2775.— यन कंन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में झूगन टर्मिनल में दीपक फर्टिलाइनसें झौर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० नलोजा तक पेट्रो-िल्यम के परिवहन के लिये पाइप लाइन बीपक फर्टिलाइनमें झौर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिये झौर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइसो के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतव्याबद्ध झनुसूची में प्रणित भूमि से उपयोग का अधिकार झजिन करना आवश्यक है।

ग्रन. श्रव पेट्रोलियम भौर स्त्रनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रजन) भिधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधार। (1) द्वारा प्रदर्शेन शक्तियों का प्रयाग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग क. भिक्तिक,र भिजत करने का श्रपना श्राणय एनदृष्टारा घोषित क्या है।

बगर्ते कि उपल भूसि से हितश्रक कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिये आक्षेप सक्षम अधिकार, सेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, (प्ला० न० 9 मि० क्लास हाउसिंग सोसाइटी प्रवेल, जिला-रामगढ़ को इस अधिसूचना की तारीख से '21 विमी के भीनर कर मकेगा।

स्पीर ऐसा अक्षिप करने वाला हर व्यक्ति विनिधिष्ट त यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी मुनकाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फन।

#### अनुसूची

श्रुरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स भीर पेट्रीकेमिकल्स कार्पेरियन सि॰ नक्षीजा तक पाईप लाइन बिछाने के लिये।

महाराष्ट्र—रा⊽य	जिलाराधगढ	नास्	कापनवेल		
गांव	 - मर्वो	क्षण न०		स्यवे०	 मी०
पाडगांव		88	<b>-</b>	22	0.0
		89		108	00
		रेख		160	00
				220	00
				124	00
				148	00
	-	[सं०	 J2016/48/	 ३ 1 <b>-</b> प्री॰	- [I]

S.O. 2775.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be faid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd..

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class housing Society Panyel, Dist. Raigad.

And every person making such an objection—shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner

#### SCHEDULF

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja. State—Maharashtra, District—Raiged, Taluka—Panvel

Village	· <del>-</del>	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
- Pargaon		- 88		22,00
-		89	~ .	108,00
		Rail		160.00
				220.00
				124.00
				148,00

[No. 12016/48/81 = Prod. III

का०आ१० 2776 -- यतः केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होना है कि लोकहिन में यह भावस्थक है कि महाराष्ट्र राज्य में भुरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स भौर पेट्रोकेमिकस्स कार्योरेशन लि० तलोजा तक पेट्रो-लियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइजर्स भौर पेट्रा-केमिकस्स कार्योरेशन लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

स्रोर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतव्यावद सनुसूची में वर्षित भूमि में उपयोग का अधिकार प्रजित करना आवश्यक है।

धनः प्रज पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के सिधकार का धर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की श्रारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवल्न शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रिय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रीकार धर्जिन करने का अपना आश्रय एनव्दारा बोधिस किया है।

बणतें कि उक्त भूमि से हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के सीचे पाइपलाइन विद्याने के लिये आक्षेप सक्षम श्रिधवारी, तेल तथा श्राकृतिक गैम श्रायोग, (प्ला॰न॰ 9 मि॰ क्लास हाउसिंग सोसायटी पनवेल, जिला॰ रायगढ़) को इस श्रिधसूचना की नारीख से 21 दिसों के भीतर कर सकेगा।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने घाला हर व्यक्ति विनिविष्टत यह भी कयन करेगा कि क्या यह यह पाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हा या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

# . प्रमुखी

अंद्रान टर्मिनल से वीपक फटिलाइजर्स और पेट्रोकेसिकल्म कार्पेरियान नि वसीजा तक पाईपलाइन बिळाने के लिये।

भहागव्टराज्य	जिला-रायगढ	नालुका-पनवेल
गाव	सर्वेक्षण नं०	स्थवे० मि०
 करकाडे		48 00
	रेल	28 00
		216.00
		176,00
		556 00
		272 00
		420,00
		724.00
		72,00

[मं॰ 12016/49/81-प्रो I]

S.O. 2776 - Whether it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Miners pipelines (Acquisition of right of user in land), Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user thtrein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9 Middle Class housing Society Panyel Dist, Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State-Maharashtra, District-Raigad, Taluka-Panvel.

Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
Karanjade	River		48.00
-	Rail	-	28.00
			216,00
			176.00
			556.00
			272.00
			420.00
			724,00
			72.00
	[No.	12016/49/8	81-Prod. 1]

का० आ० 2777 — यत केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत हाता है कि लोक हिन में यह प्रावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टॉमनल में दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पीरेशन लि० तलोजा नक पेट्रोलियम परिवहन के लिए पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइजर्स और पेट्रोकेमिकल्स कार्पीरेशन लि० हारा विछाई जानी चाहिये।

श्रीर यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एसद्पायक अनुसूची में बणित भूमि में उपयोग का श्रीधकार श्रीजन करना आवश्यक है।

श्रव. श्रव पेट्री लियम श्रीर खनिज पाष्ट्रप लाएन (भूमि में उपयोग के ग्रधिकार का श्रव्यंत ) श्रिधित्यम. 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय मरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिधिकार श्रिजित करने का श्रपद्वा श्राणय एनद्वारा घोषिक किया है।

बणर्ने कि उक्त भूमि में हितकत कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिये घाक्षेप सक्षम घ्रधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक सैस ग्रासोग, (प्लाट न० ९ मिक्नास हाउसिंग सोसायटो पनवेल, जिला-रायसक) को इस घ्रधिमुखना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेसा ।

ग्रीर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिदिन्दन, यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहना है कि उसकी मृनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यथमायी की मार्फत ।

# 762 GI/81--7

# अनुसूची

उरान ट्रॉमनस से दीपक फटिलाइजर्स ग्रीर पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरणन जिल्लाना पाइपलाइन विश्वाने के लिये

महाराष्ट्र—राज्य	जिला-रायगत	नाल्फा—-पनवेल
गान	 सर्वेक्षण नं	o स्देय०मी०
मार्थर	- रेल	608.00
		506.00
		88.00

[स॰ 12016/49/81-प्रॉ॰-**II**]

S.O 2777.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9. Middle Class housing Society, Panvel, Dist. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Patrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State-Maharashtra, District-Raigad, Taluka-Panyel.

Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
Vadghar	 Rail		608,00
			506,00
			88,00

[No. 12016/49/81--Prod. II]

का० आ० 2778—यसः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह भावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टर्मिनल से दीपक फरिला-इजर्म और पेट्रोकेमिकल्स कारपोरेशन लि० तानेजा तक पेट्रोलियम के परिवृक्त के लिये पाइप लाइन दीपक फरिलाइजर्म और पेट्रोकेमिकल्म कार्पोरेशन लि० कारा बिटाई जानी चाहिये।

श्रीर यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो के बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्याबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करनी आवण्यक है।

श्रतः श्रव पेट्रोलियम श्रीर खिनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रिक्षिण मा श्रामेन) श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा → (1) द्वारा प्रवन णिक्तियों का प्रयोग शरते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रीजित करने का श्रवना श्राम्य एनदद्वारा घोषित किया है।

बगरों कि उक्त भूमि में हिनबद्ध कोई रुगिक्स, उस भिन के नीचे पादण लाइन बिछाने के निये प्राक्षेप गक्षम प्राधिकारो, तेल तथा प्राक्रीतक कैस प्रायोग, (प्लांट नं० 9 मिडिल क्लास हौरिय सोमायटी पनवेल, जिला रायगढ़ को देश प्रशिस्त नी तारीक से 21 दिनों के भीन कर रहेंगा।

स्रीर ऐसा स्राक्षेप करने भाना तर व्यक्ति भिनिदिस्त्य यह तो कथन करेगा कि क्या यह यह जाहरा है कि उसकी सुनवाई स्परियनत हो या किसी विश्वि क्यवसायी की मार्फत ।

#### अनुसूची

उरान टर्मिनलं से दीएक फर्टिला इज्जर्भ क्रीर पेट्रोके मिकल्म कार्पीरेणन लि०, सलोजा सक पाईपसाधन बिछ।ने के लिये

म <b>हाराष्ट्र</b> राज्य ∙	जिलारायगङ् नालुका	–पनदेल
गांव	मर्बेक्षण नंबर	रवय मिटमें
 गवान		
7-1	भाग	28.00
	[मं० 12016/5	o/৪ 1-প্লা <b>০ I</b> ]

s.O. 2778.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Ferminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharastra State Pippeline should be laid by Deepapk Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed nereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pireline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9. Middle class housing Society Panyel Dist, Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

## **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja, State—Maharashtra, District—Raigad, Taluka—Panyel

State—Maharashtra, District—Raigad, Taluka—Panyel.

Village	S. No.	H. No.	Area —
			Sq Meters
Gavan	Part	<del></del>	28 00
<del></del>	<del></del>		<del></del>

[No. 12016/50/81-Prod. ]]

का आ 2779.—यत. केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीन हाता है कि लोकहित में यह प्रावण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भुशन ट्रॉमिनल से वीपक फटिलाइजर्म ग्रीर पेट्रोकेमिकल्स, कार्पिक्शन लि० तलीज, तक पैट्रोके लियम के परिवहन के लिये पाइप लाइन दीपक फटिलाइजर्म ग्रीर पेट्रोके-मिकल्म कार्पीरेणन लि० हारा बिछाई जानी चाहिये।

भीर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करना प्रावश्यक है।

भतः श्रव पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के श्रीमकार का श्रर्जन-प्रिधिमियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधार (1) तारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग कको हुए केन्द्रीय सरकार के उभम उपधार का प्रधिकार पाँजन करने का अंगना श्राणय एनवंद्रारा घेतिन किया है।

बणर्ने थि उपन भूमि में हितबढ़ कई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन थिलाने के लिए आक्षेप सक्षय प्राधिकती, तेल तथा प्राकृतिक भि श्रायोग, (जाट हैं। ० मि० क्यांस हीसिय भागावटी, पनवेस जिला रायगढ़) को इस क्षिसुचना की तारीख़ से 21 दिनों के भीतर कर सकेसा।

भ्रीर ऐसा श्राक्षेप भरने घाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टत यह भी कथन भरेगा कि तथा वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि भ्यवसायी की मार्फन ।

अनसभी

श्रुपान टर्मिनल से दीपक फटिलायसम् ग्रीप पेट्रोकेभिकल्य कार्पीरणन सि०, तलीजा तक पाईपलाइन बिछाने के लिये

	महाराष्ट्र-राज्य	जिला-रायगढ़	नाम्का-पन	ा <b>बे</b> ल
ग[य		सर्वेक्षण न०		- <del></del> स् <del>य</del> थे० (मटर्स
 प्रामृद गांव	- नाः	 ना	·	28.00
	9 7	7 पी०टी		198.00
	. 91	3 पी० टी०		66 00
	5:	3 पी० टी०		240.00
	5	1 पी० टी०		92.00
	5.0	) पी <b>०</b> टी०		64,00
	4	2 पी० टी०	5 पी०टी	220 00
	5	5	ा पी०टी०	40 00
			2 पी०टी०	96 00
	5	७ पी० टा०		124 00
	3	3 पी० टी०		20.00
	स्	टक <u>ा</u>		376.00
				_ ~

[म० 12016/50/81-प्रो**०-**][]

S.O. 2779.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharastra State Pipeline should be laid by Deeppak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mieral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification objection to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle class housing Society Panvel Dist. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State-Maharashtra

District-Raigad

Taluka-Panyel

	-	
S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
2		3
Nala		28,00
97 <b>P</b> t		198.00
96pt		66,00
	2 Nala 97Pt	2 Nala — 97Pt —

I	2		3
	53pt		240.00
	51pt		92,00
	50pt	-	64.00
	42pt	5pt	220.00
	55	1pt	40.00
		2pt	96.00
	56pt	. —	124,00
	33pt		20.00
	Road	- •	276.00
		12016/50/8	1Prod. II]

कां आ 2780. — यत केन्द्रीय मरतार को यह प्रतीन होता है कि लाइल में यह आदश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में उरान टिमनल दीपक फरिलाईजर्स ग्रांर पेट्रोकेंमिकल्स कापीरेशन लि लालीजा तक पेट्रोकेंमिकल्स कापीरेशन लि लालीजा तक पेट्रोकेंमिकल्य के परिवहन के लिये पाइप लाइन बीपक फरिलाइजर्स ग्रांर पेट्रोकेंमिकल्य कापीरशन लि बारा बिछाई जानी चाहिये । श्रीर अन यह प्रतीन होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयानन के लिये एतद्पाबद श्रनुसूची में थिंगत सुमि में उपयोग का अधिकार श्रीन करना मावश्यक है

ग्रम अज पेट्रालियम ग्रीन खातिज पाइप लाइन (भूमि में उपयाग के श्रीधकार का घडाँन) प्रधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार श्रीजित करने का श्रीपता , श्रीपत एनदहारा छापिन किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हितबढ़ काई व्यक्ति, उस भूमि के ने से पाक्षा लाइन बिछाने के लिये पाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राक्तिक गैन श्रायोग, (प्लाट नं० १ मिड्न क्लाम हौिस्त गानायटी-पनवैस, जिला-रायगढ़ का इस श्रिधसूचना की तारीख़ में 21 दिनोप भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने बाला हर व्यक्ति विनिदिष्टा यह भी करा चं कि हा वर यर्चहन, है कि उसकी मुनवाई व्यक्तियल होया किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

#### अनस्यो

उराग टर्मिनल सं वंशिक फॉटलाइजर्म ग्रार पट्टोकेमिकाल्स कार्पीरणन लि॰ नलोजा तक पाइपलाइन बिछाने के लिये

महाराष्ट्र राज्य	 जिला रायगङ्	सार	का-पनवेल
गाव	 —- सर्वेक्षण	नम्बर	स्कवे मिटसं
टबोडे	 सङ्क		1310.00
	  [स०	12016/5	1/8 1 श्री०-1]

S.O. 2780.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And wherens, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in Jand) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, willin 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil and Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle class housing Society Panvel, Dist. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in peprson or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State Maharashtia,	District—Ra	igad, T	aluka—Panvel.
Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Mete
Tembhode	Road	~-	1310.00

[No. 12016/51/81—Prod. 1]

कां अ अ 2781 — यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित्र में यह श्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में सूरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स श्रीर पैट्रांकैमिकल्स कार्पोरेशन लि के तलोजा तक पैट्रोकिमिकल्स के पाँचहन के लिए पाइप लाइन बीपक फर्टिलाइजर्स श्रीर पैट्रोकैमिकल्स कार्पोरेशन लि , द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

शौर यतः यह प्रतात होना है कि ऐसी लाइमों के विछाने के प्रयोजन के थिए एतदुपावड अनुसूची में विशत भूमि से उपयोग का अधिकार अर्जित करना भ्रावक्यक है।

घन अब पैट्रोमियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के प्राविचार का अर्थन) प्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा उ की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त पाकित्रमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का प्रधिकार श्रीणित करने का अपना श्राक्षय एनदहारा चौपित किया है।

बणतें कि उक्त भूमि में हिनवड़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैम गायोग, (प्ला० न० १ मि० काम होसिंग सोसाइटी पनवेल जिला रायगढ़) का इस प्रधिसूचना की नारीख में 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

यौर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह **वाह**ता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

उरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स पेंट्राकैमिकल्स कार्पोरेशन खि० अलोजा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

महाराष्ट्रः राज्य	जिला: रायगढ़,	तालुकाः पनवेल
गांच	 सर्वेक्षण नंबर	स्क्वे० मीटसं
 वालयर्ला	महक	1506.00

[स 12016/51/81-ऑ॰ **II**]

S.O. 2781.—Whe aex it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Talolk in Maharastra State Pipeline should be laid by Deeppak Fertilizers and Petrochemicals Corporn. Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of saying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the lund described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers confferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petrolleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society Panvel, Dist. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State—Maharashtra,	District—Ra	igad, Ta	luka—Panvel.
Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
Valavali	Road		1506.00
	[No.	12016/51/8	1Prod. II]

का०आ० 2782.—यनः केन्द्रीय सरकार कौ यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में अुरान टॉमनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पैट्रोलियम कार्पोरेशन लि० नलोजा तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईप लाईन दीपक फर्टिलार्सइज और पैट्रोकैमिकल्स कारपोरेशन लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि से उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

ग्रतः ग्रब पैट्रोलियम ग्रौर खिल्ज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के ग्रिधकार का ग्रजन) ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्त्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिधकार ग्रजित करने का ग्रपना ग्राशय एतदद्वारा घोषित किया है।

बमतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यण्ति, उम भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ब्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस ब्रायोग, (प्लाट नं 9, मि० क्लास हौसिंग सोसायटी पनवेल, जिला रायगढ़) को इस ब्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रौर ऐसा ग्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति (विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

# अनुसू ची

स्रुरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स स्रीर पैट्रीकैमिकल्स कारपोरेशन . लि॰ तलोजा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य: महाराष्ट्र	ज्य <b>ः</b> महाराष्ट्र जिलाः रायगढ़	तालुकाः पनवेल	
गांव .		मर्वेक्षण नम्बर	स्क्वे मीटर्स
पालेबुद्रक		सड़क	1744.00
		65 <b>प्</b> ।०टी०	48.00
		66 पी टी	16.00
		७ पीं ०टी ०	40.00
		८ पी टी	16.00
With a polynomial and the second and		[सं० 12016/5	2/81 <b>-</b> प्रोड-I]

S.O. 2782.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd. Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act. 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Plot No. 9, Middle class housing Society Panvel Dist. Raigad.

And every person making such an objection shall state specificcally whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

State-Maharashtra,

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

District-Raigad,

Village	S. No.	Area Sq. Meters
Palebudruk	Road	1744.00
	65pt	48.00
	66p t	16.00
	7pt	40.00
	8pt	16.00

[No. 12016/52/81-Prod. 1]

Taluka—Panyel.

कां अां 2783.—याः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लांकहित में यह आवण्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में अरान टर्मिनल में दीपक फर्टीलाइजर्स और पैट्रोकैमिकल्स कारपोरणन लिं तलोजा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइजंस और पैट्रोकैमिकल्स कारपोरणन लिं द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

श्रौम्स यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध अनुसूची मे विणित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना श्रावश्यक है।

्रमतः स्रब पैट्रोलियम स्रौर खिनज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के स्रधिकार का स्रर्जन ) स्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (।) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए कैन्द्रीय सरकार नै उसमें उपयोग का अधिकार अर्जिन करने का स्रपना स्राणय एनदद्वारा घोषित किया है।

बगर्ते कि उक्त भूमि से हितबढ़ कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए ब्राक्षेप मक्षम प्राधिकारी तेल तथा प्राकृतिक गैस ब्रायोग पलैट नं 1 मिडिल क्लास हौसिंग सोसाइटी पनवेल, जिली-रायगढ़ को इस अधिमूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

भ्रौर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्ध्दितः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत

# अनुसूर्ची

श्रुरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स ग्रौर पैट्रोकैमिकल्म कार्पोरेशन लि० तलोजा तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्यमहाः राष्ट्र	जिला: रायगढ़	नाल्	ष्काः पनवेल
गांव		सर्वक्षण नंबर	स्ववं भीटर्स
हैडूत्ने		सड़क	252.00
		4 पी टी	10,00
		नदी	48.00
		r	1 -> TTT

[सं॰ 12016/52/81-प्रो॰ II]

S.O. 2783.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja, in Maharashtia State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petro chemicals Corporation Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Minetal Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50) of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panvel District Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether be wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taloja.

State-Maharashtra,	District—Rai	gad, Tai	luka -Panvel.
Village	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
Hedutane	Road 4pt		252.00 10.00
	River	_	48.00

[No. 12016/52/81—Prod. II]

का०आ० 2784.—यनः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित से यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य मे भूरान टर्मिनल से दीपक फर्टिलाइजर्स और पैट्रो कैंमिकल्स बारपोरेशन लि० तलोजा तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइज और पैट्रोकैमिकल्स कापोरेशन लि० द्वारा विखाई जानी चाहिए।

श्रीर यस यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनो के बिछान के प्रयोजन के लिए एतद्पाबदा भनुसूची में विणित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रुजित करना मात्रभ्यक है।

धातः पैट्रोलियम भीर खनिज पाइप लाइन (भूमि में उनयान के अधि-कार का अर्जन) आधि,नियम, 1962 (1962 का 50) की धारा । का उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त मिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार धीजन करने का अन्ता आगय एनव्द्रारा भोषित किया है ।

बशतें कि उनन भूमि में हिनबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीबे पाइप लाइन बिछाने के लिए श्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राक्तिक गैम प्राधीग, (प्ला० नै० 9 मि० क्लाम हौिम्म सोमायटी पनवेल, जिला रायगढ़) को इस प्रधिसूचना की नारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भीर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति वितिबिध्टत यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहुँग है हि उनका सुनगाउँ व्यक्तिगत हा या किसी विधि व्यवसायों की मार्फत ।

#### ग्रन्सुची

श्रुरान टर्मिनल से दीपक फटिलाइजर्ने स्रीर पैट्रोकैमिकल्य कारपोरेशन लि० तलीजानक पाइपलाइन बिछाने के लिए

महाराष्ट्र राज्य	जिला : रायगक	न <b>ानुका</b>	पनवेल्
गाव		-—   – सर्वेत्रगनंगर	 स्क्त्रे० माटर्स
_ दापोमी		 रें क	148 00
			728 00
			482,00
			20.00
		 [₱○ 12016	5 3/8 <b>1-</b> মাত <b>I</b> ]

S.O. 2784.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panvel, Dist. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Lertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taleja. State—Maharashtra, District- Raigad, Taluka—Panyel.

Village	S. No.	II. No.	Arca Sq. Meters
Dapoli	Rail		148.00 728.00 482.00 20.00

[No. 12016/53/81,Pred. 1]

का० आ० 2785 -- यतः केन्द्रीय सरकार का यह प्रशत हाता है की लोकहित में यह खावण्यक है कि मराराष्ट्र राज्य में खुरान टर्मिनल से बीपक फर्टिलाइजर्स और दिनेकैमिकल्स कार्पोरेशन लि० सलाजा तक पैट्रा-लियम के परिवहत के लिए पाइन लाइन दोनक फर्टिनाइज धीर पैट्रा-कैमिकल्स कार्पोरेशन लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यत. यह पतीत होता है कि ऐसी लाइना के बिछाने के प्रयोजन के लिए एतक्पाबद अनुसूची में विणित भूमि मे उपयोग का प्रधि कार प्रजित करना आवण्यक है।

प्रतः सब पेट्रेलियम ग्रीर खानज पाइव लाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का अर्जन) प्रधिनियम, 1962(1962 का 50) की धारा उकी उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिनिया का प्रयोग करा हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का स्पित कार्या प्राप्त प्राप्त प्राप्त का विद्यारा खाँखित किया है।

बणतें कि छत्रन भूमि में हितबब कोई व्यक्ति, उन मिन के निश्च साहा साहान विद्यान के लिए अक्षेत्र मजन अक्षितारों, तेत तथा प्रकृतिक गैन आयोग, (ज्लाव नव 9 मिव काम होतिन पानाओं पत्थेन जित्र रायगढ़ की इस अधिभूचन। की तारीख से 21 दिनों के भानर कर सकेग।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने याला हर व्यक्ति विनिद्धित. यह भी कथन करेगा कि क्या वह यहचाहना है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यक्तार्था की मार्कन ।

#### अन संची

श्रुरान टर्मिनल से दीपक फॉटशाइजर्स ग्रीर पैट्रोकैमिकल्स कापरिशन लि० सलोजा तक पाइप साइन बिछाने के लिए

महाराष्ट्र राज्यः	जिला रायगढ,	तालुका पनवल
 गोव	— -— सर्वेक्षण नम्बर	व∘ मिटर्स
- कुन्देयह्ल	 न <b>री</b>	22.00
	र्ल	248.00
		172.00
		208.00
		272.00
		102.00
		120.00
		140.00
		88.00
	73	1 30.00
	ु [स०	12016/53/81-श्री० [I]

S.O. 2785.—Whereas it appears to the Cent al Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Pertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the power; conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9. Middle Class Housing Society, Panvel, Distt. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taleya.

State—Maharashtra, District—Raigad, Taluka-- Panvel.

S. No.	11. No	Area Sq. Meters
2	3	.4
River		32.00
Rail		248 00
		172 00
		208.00
		272 00
	2 River	2 3 River

1	2	_ 3	4
Kundewahal— (Contd.)			102.00 120.00 140.00
	73	1	88.00 30.00

[No. 12016/53/81—Prod. II

का०आ० 2786. — यत. केन्द्रीय भरकार को यह प्रतित होता है कि लोकहिम में यह प्रावश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भ्रुरान टर्मिनल भे दीपक फटिलाइनर्न प्रीर पैट्रोकिमिकहन कार्पोरेगा लिंज नतीजा तक पैट्रोलियम के परिवक्षन के लिए पाइप लाइन दीपक फटिलाइनर्स भीर पैट्रोकैमिकल्स कार्पोरकान लिंज द्वारा विछाई जाना च हिए।

श्रीर यत. यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछाने के प्रयोजन के लिए एनक्पाबद्धा श्रमुसूची में विभिन्न भूमि में उत्योग का अधिकार श्रमित करना आवस्यक है।

भतः भव ौँडोलियम श्रीर खिनिज पाउन वाइन (भूवि में उपयोग के श्रिधिकार का भ्रात्रेन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रीता करने का श्रीया एसद्द्रारा घोषित किया है।

बजत ित उनन भूति में । इरबद्ध कोई व्यक्तिन, उप भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए प्राक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, (प्लाट नं० 9, मि० क्तास हौमिंग सोसायटी पनवेल, जिला रायगढ़) को इस अधिसूचना की तारीख़ से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

श्रीर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिद्धिष्टनः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

# अ नसुची

श्रूरान टर्मिनल से दापक फर्टिलाइजर्स श्रार पेट्रोकैमिकल्स कार्पोरेशन लि**ः तलो**जा नक पा**इपलाइन बिछा**ने के लिए

महाराष्ट्र राज्य	जिनारायगढ़	ना नु <b>क</b>	ा <b>प</b> नवेल
 गाव	<del>-</del>	 अवैक्षण नवर	स्क्बे॰ मिटर्म
<b>य</b> ल्लप		सङ्क	940.00
	—— —                 [सं	io 12016/	—— - —— 54/81-प्रो∘ ∐

S.O. 2786.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited.

and whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panvel, Distt. Raigad.

And every person making such an objection shall—state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taleje.

State Maharashtra, District—Reject, Taleke—Pervel.

Village _	S. No.	H. No.	Area Sq. Meters
Valap	Road		940 .00

[No. 12016/54/81-Prcd. 1]

का०आ० 2787. — यतः केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह अवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में अरूरान टर्मिनल में दीपक फर्टिलाइजर्स और पैट्रोकैमिकल्स कार्पेरेशन लि० तलोजा तक पृट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन दीपक फर्टिलाइजर्स और पैट्रोकैमिकल्म कार्पेरेशन लि० द्वारा विछाई जानी चाहिए।

स्रौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों के बिछा के प्रयोजन के लिए एतद्पाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि मे उपयोग का श्रधिकार स्रिजित करना श्रावस्थक है।

ग्रतः थव पैट्रोलियम ग्रौर खनिज पाइप लाइन (मूमि में उपयोग के ग्रिधिकार का ग्रजेंन) ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का ग्रिधिकार ग्राजित करने का अपना ग्राजय एनद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए ग्राक्षेप सक्षम ग्रधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग, (प्लाट नं० 9 मिडल क्लास हौसिंग सोसायटी पनवेल, जिला रायगढ़) को इस ग्रधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

ग्रौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः, यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उनकी सृत्याई व्यक्तिगत हो या. कि.सी विधि व्यवसायी की मार्फता

#### अनुसूची

यूरान टर्मिनल से दोपक फॉटलाइजर्स ग्रौर पैट्रोकमिकल्स कार्पो-रेशन लि० तलोजा तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

महाराष्ट्र राज्य	महाराष्ट्र राज्य जिला-रायगढ़	
गाव	सर्वेक्षण नम्बर	स्क्वे० मीटसँ
पालेखुर्द ————————	म०श्रो.वि.नि.	. 10.00

[सं० 12016/54/81-प्रो० II]

S.O. 2787.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Ltd., Taloja in Maharashtra State Pipeline should be laid by Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited.

And whereas, it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 3 of the Petroleum and Mineral Pipelines (Acquisition of right of user in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that, any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority. Gil & Natural Gas Commission, Plot No. 9, Middle Class Housing Society, Panyel, Distt. Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

#### **SCHEDULE**

Pipeline from Uran Terminal to Deepak Fertilizers and Petrochemicals Corporation Limited, Taleja. State—Maharashtra, District—Reiged, Taluka—Parvel.

Village	S. No.	H. No.	Area
and the same of th			Sq. Meter
Pelekhurd	M.I.D.C		
	M.I.D.C.		10.00

[No. 12016/54/81-Prod. II]

# नई दिन्त्रो, 26 मितम्बर, 1931

का अा 2788.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह स्रावश्यक है कि गुजरान राज्य के विराज जी जी उएस के दक्षिण कड़ी सी उटी उएफ तक पैट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैंस श्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

श्रीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदपाबद्ध श्रनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रजित करना श्रावश्यक है।

श्रतः श्रब पैट्रोलियम श्रौर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रिधिकार का श्रर्जन) श्रिधिनयम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिधिकार श्रिजित करने का श्रपना श्राशय एनद्द्रारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितब्रद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों ने भीतर कर सकेगा।

श्रौर ऐसा श्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्गित हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

**अनुसूची** विराज जी०जी०एस० से दक्षिण कड़ी सी**०टी**०एफ० तक

राज्य-गुजरात	- f	जला-महेसाना	लालुक	<b>ा</b> –फडी
गांव 	सर्वे र्न ०	हैक्टेयर	ग्रार	सेन्टीयर
1	2	3	4	. 5
कडो	1(05	0	06	15
	1004/1 $1003$	0	04	80
	1(02	0	04 06	50 1 5
	1001	0	.03	75
	$\frac{1000}{999/12}$	0	05	. 25
_	कार्ट द्रैक	0 0	08 01	40 20
				20

	. — <del></del>			
1	. <i>à</i>	ţ	1	5
 कर्मो	1001		00	75
(चार्ग) कसारू	1024	0	0.6	15
(502)	1025	0	0.4	05
	1026 1035	U U	03	10
	1034/2	0	0.2	25
	1034/2		01	85
	· ·	0	00	10
	1033/2 1032/1	0	0.1	10
	1033/1	0	0.5	70
	1059/2	0	03	75
	1059/3	0	03	75
	1059/4	0	04	50
	1053/6	0	0.7	50
		0	04	0.5
	1053/2			90
	1053/1	0	0.3	0.5
	कार्ट ट्रैक	0	0 L 0 7	65
	1124/1	0	03	45
	1123	0	06	90
	1379	0	06	75
	$\begin{array}{c} 1381 \\ 1382 \end{array}$	0	06	00
	1383	()	15	15
	। उठउ कार्ट देक	0	01	50
	1 187	0	0)	30
	1388/3	0	07	5 0
	1388/2	0	07	50
	1388/1	0	0.2	0.0
	1340	0	04	50
	1339	0	21	0.0
	1336	0	0.5	40
	1335	0	0.1	9.5
	1334	0	0.5	<b>≟</b> 5
	1333	0	0.5	4 0
	1390/2	0	0.5	76
	1625	0	0.7	20
	1626	O	0.8	90
	कार्टे ड्रैक	0	0.0	25
	1635/2	0	16	20
	1633/1	0	0.0	15
	1 6 3 6/मी	0	11	65
	1 63 <b>6/पी</b>	U	07	6.5
	कार्ट <b>ट्रैक</b>	O	0.0	90
	1831/4	0	11	25
	1834	0	0.5	70
	कार्टे/ट्रैक	0	0.0	90
	1836	0	11	25
	1838	0	11	2 5
	1852	Ü	15	0.0
		—————————————————————————————————————	2016/29/8	-— स-प्रो० []

S.O. 2788.—Whereas it appear, to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.G.S. VIRAJ to SOUTH KADI C.T.F. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And Whereas it appears that for the purpose of laying such pipelme, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schadule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance division, Makarpura Road, Vadodua (390 009).

"And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline from GGS Viraj to South Kadi C.T.F. State;
Guiarat District; Mehsana Taluka; Kadi

Village	Survey No. Hect	Hectare	Are Centia- are		
1	2	3	4	5	
Kadi	1005		06	1.5	
	1004/1	0	04	86	
	1003	0	04	5	
	1002	0	06	1	
	1001	0	03	7	
	1000	0	0.5	2	
	999/2	0	08	4	
	Cart track	0	01	2	
	1024	0	00	7	
	1025	0	06	1	
	1026	0	04	0	
	1035	0	08	1	
	1034/2	0	02	2	
	1034/1	0	01	8	
	1033/2	0	00	1	
	1033/1	0	04	4	
	1032	0	05	7	
	1059/2	0	03	7	
	1059/3	0	03	7	
	1059/4	0	04	5	
	1053/6	0	07	5	
	1053/2	0	04	C	
	1053/1	0	03	9	
	Cart track	0	01	0	
	1124/1	0	07	e	
	1123	0	06	4	
	1379	0	06	ç	
	1381	0	06	7	
	1382	0	06	C	
	1383	0	15	1	
	Cart track	0	01	5	
	1387	0	09	3	
	1388/3	0	07	5	
	1388/2	0	07	5	
	1388/1	0	03	C	
	1340	0	04	5	
	1339	0	21	0	
	1336	0	05		
	1335	0	04	9	
	1334	0	05	2	
	1333	0	05	4	

1	2	3	4	5
K di	1390/2	0	05	76
(Conta.)	1625	0	07	20
	1626	0	03	90
	Cart track	0	00	25
	1635/2	()	16	20
	1633/1	0	00	15
	1636/P	0	11	65
	1636/P	0	07	65
	Cart track	0	00	90
	1831/4	0	11	25
	1834	0	05	70
	Cart track	0	00	90
	1836	0	11	52
	1838	0	14	25
	1852	0	15	0.0

[No. 12016/29/81-Prod. I]

का० आ० 2789.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीन होना है कि लोकहित में यह भावण्यक है कि गुजरान राज्य में झालोरा-12 से जी०जी० ए.स० झालोरा तक पेट्रोलियम के परिवड़न के निये पाइपणाइन तेल नथा प्राकृतिक गैम आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

भीर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार भजिन धरना भावश्यक है।

श्नातः श्रव पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के श्रिविकार का श्रजैन) श्रिविनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपथारा (1) द्वारा प्रदत्न एक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रिविकार श्रिजित करने का श्रपना श्राशय एतदुद्वारा घोषित किया है।

बंशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के मीचे पाइप लाइम बिछाने के लिए झाक्षेप सक्षम अधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस मारोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडौदरा-9 को इस अधिसुचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह नाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

**धनुसूची** झालोरा-12 से **जी**० जी० एस० झालोरा

राज्यःगुजरात	जिला : मेहसाना	तालुक	गः कड़ी	
गोव	सर्वे मं०	हेक्टेयर	ए०ग्रार <b>०</b>	सेन्टीयर
माद्रज	1705/2	0	17	
	1706	0	12	20
	1709	0	01	35
	1708/1	0	04	50
	1708/2/बी	0	03	75
	1710	0	11	43
	1726	0	07	0.0
	1711/2	0	01	50
	1712/1	0	06	30
	1714	0	04	20
	1715	0	09	0.0
	1717/1	0	11	55
	कार्ट ट्रेक	0	00	75
	1603	0	09	00
	[		1001015	- TT1

[सं॰ 12016/29/81-प्रो॰ II]

S.O. 2789.—Whereas it appears to the Central Government it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from JHALORA-12 to GGS JHALORA in Gujarat Sta e pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land des ribed in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance Division, Makerjura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE
Pipeline from Ihalora-12 to GGS Ihalora
State—Gujarat District—Mehsana Taluka—Kadi

Village	Survey No.	Hectare	Arc	Centiare
<b>A</b> draj	1705/2	0	17	50
	1706	0	12	20
	1709	0	01	35
	1708/1	0	04	50
	1708/2/ <b>B</b>	0	03	75
	1710	0	11	43
	1726	0	07	00
	1711/2	0	01	50
	1712/1	0	06	30
	1714	0	04	20
	1715	0	09	00
	1717/1	0	11	55
	Cart Track	0	00	75
	1603	0	09	00

[No. 12016/29/81-Prod. II]

का० था० 2790.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीम होता है कि लोकहित में यह धावश्यक है कि गुजरान राज्य में निराज जी० जी० एम० से दक्षिण कड़ी सी० टी० एफ० तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस श्रायोग द्वारा बिछाई जानी जानी चाहिए।

श्रौर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का श्रधिकार श्रुजित करना प्रावस्थक है।

श्रतः भ्रव पेट्रोलियम भीर खनिज पाहपलाइन (भूमि में उपयोग के भ्रधिकार का श्रर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1)द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का श्रधिकार श्राजित करने का भ्रपना भागय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, उस भूमि के भीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैम ग्रायोग, निर्माण ग्रीर वेखभाल प्रभागः मकरपुरा रोड, बडोवरा-9 को इस ग्राधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

भीर ऐसा भ्राक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्विष्टतः यह भी कथंन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

	अमुसूची			
विराज जी० जी				तक
राज्य : गुजरात	जिला : मेहसाना		ालुकाः — - —	
गांव	सर्वे नं०	हेक्टर	भार	सेन्टीयर
मानी कडी	178/5	0	16	50
	178/6	0	00	15
	1 7 6/ 1/ऐ	0	13	20
	175/1	0	02	25
	1 7 2/ 1/बी	0	11	852
	172/2	0	00	60
	1 7 6/ 1/बी	0	04	95
	171	0	30	0.0
	226	0	17	10
	256	0	0.3	85
	257	0	12	50
	254	0	0.8	5 5 5
	253	0	11	13
	252	0	04	77
	249	0	32	2 55
	247	0	2 1	60
	248	0	0.0	15
	53/Q	0	00	10
	49/2	0	0.3	3 45
	50/1	0	07	05
	52	0	14	55
	51	0	0.0	60
	कार्ट द्रैक	0	0.0	75
	1 5/ 1/ऐ	0	21	00
	1 5/1/बी	0	00	
	18/1	0	0 4	95
	12	0	03	45
	11	0	02	
	9/ <del>0</del>	0	02	
	8/ऐ	0	03	
	19	0	00	
	6/ऐ	0	20	
	3	0	14	
	1021	0	43	
	429	0	1 7	
	428	0	08	
	427 कार्ट ट्रैक	0	08	
	412 5 425	0	00	
		0	0 !	
	423 422	0	11	
	422	0	15	
	419/1	0	04	
	419/2	0	07	
			03	
	418 417	0	0.6	
	317	0	0.6	
		[सं० 1	2016/2	8/8 1-प्रो०]

S.O. 2790.—Whereas it appears to the Central Government it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from G.G.S. VIRAJ to SOUTH KADI C.T.F. in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petrcleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be hear in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Pipeline GGS Viraj To South Kadi C.T.F. State : Gujarat District : Mehsana Taluka : Kadi

State : Gujarut	District : Mc	пзаца	Taruka	: Kaui
Village	Survey No.	Hectare	Are	Centiare
Nani Kadi	178/5		16	50
	178/6	0	00	15
	176/1/ <b>A</b>	0	13	20
	1 <i>75/</i> 1	0	02	25
	172/1/ <b>B</b>	0	11	85
	172/2	0	00	60
	176/1/ <b>B</b>	0	04	95
	171	0	30	00
	226	0	17	10
	256	0	03	85
	257	0	12	50
	254	0	08	55
	253	0	11	13
	252	ō	04	77
	249	ō	32	55
	247	ŏ	21	60
	248	Ō	00	15
	53/A	0	00	10
	49/2	ő	03	45
	50/1	0	07	05
	52	ō	14	5 <b>5</b>
	51	ő	00	60
	Cart track	0	00	75
	15/1/A	ŏ	21	00
	15/1/B	ō	00	23
	18/1	ŏ	04	95
	12	ő	03	45
	11	ő	02	10
	9/A	ŏ	03	00
	8/A	ő	03	00
	19	ő	00	15
	6/A	ő	20	70
	3	ŏ	14	45
	1021	ő	43	20
	429	0	11	70
	428	0	08	10
	427	ő	09	90
	Cart track	ő	00	75
	425	ŏ	05	70
	423	o	11	85
	422	0	15	45
	420	ő	04	35
	419/1	ő	07	50
	419/2	ő	03	60
	418	ő	08	40
	417	ő	06	75

[No. 12016/28/81-Prod.]

का० आर० 2791.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह बाबश्यक है कि गुजरात राज्य में दक्षिण जी • जी • एस • से उत्तर कड़ी जी • जी • एस • I तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पापइपलाइन सेम तथा प्राकृतिक गैस भ्रायोग द्वारा विछाई जानी चाहिए।

घोर यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतवृपायद्भ प्रानुसुकी में वर्णित भूमि में उपयोग का प्रधिकार श्रजित करना आवश्यक है।

द्यतः ग्रज्ञ पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाइन ( भूमि में उपयोग के धिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) हारा प्रवस्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अजित करने का अना आवाय एतद्वारा घोषित किया है।

बगातों कि उक्त भूमि में हितबढ़ कोई व्यक्ति, छस भूमि के मीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए भाक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राक्वतिक गैस भ्रायोग, निर्माण घौर देखभाल प्रभाग, सकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस ग्राधिमूचना की तारीखा से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

भौर ऐसा भाक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्निदेण्डतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है हि उतका सुनशह व्यक्तिगा हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्कन ।

अनुसूची

विक्षण संयास जी० जी० एस० से उत्तर कई। जी० जी० एस०-I जितावतालुकाः मेहसाता राज्य: गुजरात

गांव	इस्स्≀नः नं ०	<b>हेक्टे</b> यर ए	हेक्टेयर ए०ग्रार०६० सेन्टीयर		
————— कसलपुर	851	0	04	80	
•	852	0	05	40	
	893	0	11	70	
	859	0	00	45	
	860	0	06	00	
	892	0	05	40	
	874	0	11	25	

[सं॰ 12016/40/81-प्रो॰]

S.O. 2791 -- Whereas it appears to the Central Government it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from SOUTH SANTHAL GGS to N. KADI GGS I in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competant Authority, oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Divi-sion, Makarpura Road, Vadodara (390 009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to hear in person or by a legal practitioner.

**SCHEDULE** 

Pipeline from South Santhal GGS to N. Kadi G.G.S.I. Taluka-Mehsana State-Gujarat District

Village	Block No.	Hectare	Are	<b>C</b> entiare
Kasalpur	851	0	04	80
	852	Ō	05	40
	893	Ô	11	
	859	Ō	00	70 45
	860	0	06	00
	892	0	05	40
	874	0	11	40 25

[No. 12016/40/81—Prod]

# नर्प दिल्ली, 28 सितम्बर, 1981

का० आ० 2792 -- यतः पेटोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रधिकार का भार्जन) भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के भधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन भौर डबरेक मन्नालय (पेट्रोलियम विभाग) की भ्रधिमूचना का० मा॰ सं॰ 3057 तारीया 15-10-80 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस मधि-सूचना से संलग्न अनुसुची में विनिर्दिष्ट भूमियो के उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए धर्जित करने का भ्रपना श्राणय घोषित कर दिया था।

भीर यस. सक्षम प्राधिकारी के उन्त मधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के प्रधीन सरकार को रियोर्ट दे दी है।

भीर माने, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस ग्राधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट भूमियों में उपयोग का प्रधिकार प्रजित करने का यिनिश्चय किया है।

भव, ग्रत. उन्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गर्निल का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस प्रधियुचना से संलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतयुवारा प्रजित किया जाता है।

ग्रौर ग्रागे उस धारा की उपधारा (4) ग्रारा प्रवस्त गमितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी बाधाभों से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीखको निहित होगा।

दक्षिण संयाल से उत्तर कड़ी जी० जी० एस०-1

राज्य : गुजरात	जिला : भ्रह्मदाबाद	तालुकाः	विरमगाम	-
गीव	सर्वे नं ०	हेक्टेयर	ए० मार० ई०	सेन्टीयर
भटारीया	86	0	16	35
	85/1	0	09	90
	84	0	32	55
	<b>फार्ट</b> ट्रेक	0	00	75
	82/5	0	18	90
	82/4	0	00	15
	82/6	0	06	30
	81/2	0	0.5	10
	71/2	0	07	05
	71/1	0	06	75
	71/3	0	08	10
	70/1	0	02	70

[सं॰ 12016/48/80-प्रो॰ I]

#### New Delhi, the 28th September, 1981

SO. 2792.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) SO. No. 3057, dated 15-10-80 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to require the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of users in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances

**SCHEDULE** 

Pipeline from South Santhal To North Kedi GGS I State—Gujarat District—Ahmodabod Toluka—V romgam

Village	Survey No	Hecte re	Are	Centiare
Bhatariya	86	0	16	35
-	85/1	0	09	90
	84	O	, 22	55
	Cart track	0	00	75
	82/5	0	1 4	90
	82/4	0	00	15
	82/6	0	06	30
	81/2	0	05	10
	71/2	0	07	05
	71/1	0	06	75
	71/3	0	08	10
	70/1	0	02	70

[No. 12016/48/80-Prod -1]

का० आ० 2793 — यत पेट्रोलियम श्रीर खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के प्रक्षिकार का प्रजंत) श्रिधितियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन श्रीर उर्वरक मज्ञालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिभूचना का० भा० स० 3058 तारीख 15-10-80 द्वारा केन्द्रीय सक्कार ने उस प्रधिभूचना से रांलग्न श्रनुसूची में विनिविष्ट भूमियों वे उपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए प्रजित करने का स्रापना श्रास्थ्य घोषित कर दिया था।

श्रीर यत सक्षम प्राधिकारी के उन्नत ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के ग्रधीन सरकार को रिपोर्ट देदी है।

भौर धार्ग, यत केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्णात् इस अधिसूचना से सलग्न धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार प्रतित करने का विनिश्चय किया है।

भव, प्रत उन्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपघारा (1) द्वारा प्रवेत्त सक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरफार एतद्यारा घोषित करती है कि इस प्रधिसूचना से सलग्न प्रमुस्ची म विनिविष्ट उक्त भूमियो मे उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एगद्द्वारा प्रजित किया जाता है।

श्रीर श्रागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरनार निर्देश देती है उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीवकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय तेल और प्रास्तिक गैस श्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**धनुसूची** दक्षिण संथाल से उत्तर कड़ी जी० जी० एस०-J

राज्य गुजगत		जिला ट	न सालुका	ने <b>हसाना</b>
गाव	व्हाक नं∘	हेक्टेयर	ए० षार० ई०	सेस्टीयर
—— — — कममपुर	861	0	00	60
	862	0	09	30
	874	O	06	30
	886	0	13	50
	884	0	06	30
	883	0	02	10

[स॰ 12016/48/80-ओ॰ II]

S.O 2793—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. No. 3058, dated 15-10-80 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Piperines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline,

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of the in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of users in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from South Santhal to N Kadi GGS I

	District & 1	₽IUK£⊢	-Mensana
Block No	Hecatare	Are	Centiare
861	0	00	60
862	0	09	30
874	0	06	30
886	0	13	50
884	0	06	30
883	0	02	10
	861 862 874 886 884	Block No         Hecatare           861         0           862         0           874         0           886         0           884         0	861 0 00 862 0 09 874 0 06 886 0 13 884 0 06

[No 12016/48/80-Prod II]

का॰ आ॰ 2794.—यतः पेट्रोलियम भीर खनिज पाइपलाइम (भूमि में जपयोग के प्रधिकार का प्रजेंन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की जपधारा (1) के प्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन भीर उर्धरक मंद्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की प्रधिसूचना का॰ भा० सं० 1815 तारीख 9-6-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस प्रधिसूचना से संलग्न प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के जपयोग के प्रधिकार को पाइप लाइमो को विछाने के प्रयोगन के लिए अर्जित करने का घपना प्राथय पोषित कर दिया था।

भीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भौर मागे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्मात् इस मधिसूचना से संलग्न मनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का मधिकार मजित करने का विनिष्णय किया है।

मब, मतः उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त भक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस मधिसूचना से संखग्न धनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का मधिकार पाइपलाइनं विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा भ्रांजित किया जाता है।

भौर मागे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदश्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस भायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, भोषणा के प्रकाणन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची भटाना-1 से दक्षिण संथाल जी० जी० एस०

राज्यः गुजरात		जिला घ तालुका-मेहसाना			
गांव	वि ब्लाक मं०		हेक्टेयर ए० ग्रार० सेन्टीय ई०		
1	2	3		4	
<b>कसल</b> पुरा	कार्ट ट्रेक	0	02	 50	
	185	0	24	40	
	179	0	12	0.6	
	178	0	01	3	
	177	0	14	60	
	कार्ट ट्रेक	0	01	0	
	72	0	16	6	
	76	0	14	2	
	81	0	14	7	
	82	0	03	7	
	85	0	07	6	
	86	0	00	6	
	87	0	02	2	
	88	0	08	0	
	89	0	03	4	
	4	0	13	8	
	कार्ट ट्रेक	0	00	8	
	12	0	37	0	
	कार्ट द्रेक	0	02	4	
	952	0	16	0	
	कार्ट द्रेक	Û	<b>U 3</b>	0	
	933	0	20	0	
	934	0	12	2	

1	2	3		4
	935	0	05	00
	कार्ट द्रेक	O	01	60
	844	0	12	0.0
	845	0	06	00
	902	0	01	50
	846	ø	08	50
	847	0	27	40
	848	0	00	30
	849	0	18	30
	850	0	06	60
	837	0	03	60
	836	0	08	20
	853	0	01	20

[सं॰ 12016/19/81-प्रो॰ I]

S.O. 2794.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. No. 1815 dated 9-6-81 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of users in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from Jotana—1 to South Santhal G.G.S.

State—Gujarat	1	District & Taluka—Mensana			
Village	Block No.	Hectare	Are	Centiare	
1	2	3		4	
Kasalpura	Cart track	0	02	50	
	185	0	24	40	
	179	0	12	06	
	178	0	01	34	
	177	-0	14	60	
	Cart track	0	01	00	
	72	0	16	60	
	76	0	14	20	
	81	0	14	70	
	82	0	03	70	
	85	U	07	60	
	86	Ú	00	60	
	87	0	02	25	

राज्यः गुजरात

1	2	3	4	5
	88	0	08	00
	89	0	03	40
	4	0	13	80
	Cart track	0	00	80
	12	0	37	00
	Cart track	0	02	40
	952	0	16	00
	Cart track	0	03	00
	933	0	20	00
	934	0	12	20
	935	0	05	00
	Cart track	0	01	60
	844	0	12	00
	845	0	06	00
	902	0	01	50
	846	0	08	50
	847	0	27	40
	848	0	00	30
	849	0	18	30
	850	0	06	60
	837	0	03	60
	836	0	08	20
	853	0	01	20

[No. 12016/19/81---Prod. []

का० आ० 2795.—यतः पेट्रोलियम ग्रीर खनिज पाइपलाइन (मूमि में उपयोग के ग्रीधनार का ग्रजंन) ग्रीधनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के ग्रधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम, रसायन ग्रीर उर्वरक भंजालय (पेट्रोलियम विभाग) की ग्रीधसूचना का० ग्रा० सं० 1816 नारीख 9-6-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस ग्रीधसूचना से संलग्न ग्रनुसूची में विनिविष्ट मूमियों के उपयोग के ग्रीधकार को पाइपलाइमों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ग्राजिन करने का ग्रापना ग्राणय घोषित कर विया था।

श्रीर यतः सक्षम प्राधिकारी के उक्त श्रधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के श्रधीन सरकार को रिपोर्ट देवी है।

श्रीर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पक्ष्मात् इस श्रीधसूचना से संसात धनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीधकार अर्जित करने का विनिष्चय किया है।

ग्रव, प्रतः उक्त ग्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवस्त मिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसव्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्विष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एनद्द्वारा भाजत किया जाता है।

श्रीर श्रागे उस घारा की उपधारा (4) द्वारा प्रक्त सिक्तमों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्वेश वेती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का श्रीक्षकार केग्रीय सरकार में विहित होने के अजाय तेल श्रीर प्राकृतिक शैस श्रायोग में, सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

**मनु**सूची

	<b>मु</b> टाना-1 से	वक्षिण संघाल	জী০	जी० एस०	
i		জিল	। भीर	तालुकाः	मेहसाना

v								
गांब	ĕलाक नं०	हे <del>ग</del> टर	ग्रार०	— सेन्टीयर				
मुटाना	1247	0	05	80				
	1249	0	34	40				
	1219	0	117	80				
	1220	0	20	80				
	1213	0	16	60				
	1199	0	34	80				
	1197	0	00	45				
	1193	0	23	35				
	1180	0	14	40				
	1179	0	02	70				
	1178	0	15	60				
	1177	0	00	15				
	कार्ट द्रेक	0	02	50				

[सं॰ 12016/19/81-प्रो॰ II]

S.O. 2795.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. 1816 dated 9-6-1981 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of users in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

**SCHEDULE** 

Pipe line from Jotana—1 to South Santhal G.G.S. State—Gujarat District & Talinka—Mehsana

Village	Block No.	Hecta re	Are	Centiare
Jotana	1247	0	05	80
	1249	0	34	40
	1219	0	177	80
	1220	0	20	80
	1213	0	16	60
	1199	0	34	80
	1197	0	00	45
	1193	0	23	35
	1180	0	14	40
	1179	0	02	70
	1178	0	15	60
	1177	0	00	15
	Cart track	0	02	50
		NIa 12016	/10/01	Dead III

[No. 12016/19/81-Prod. II]

कां आं 2796.—यतः पेट्रोजियम सौर खितिश्वाहरताहत (भूमि में उपयोग के अधिकारका सर्जम) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोजियम, रसायन सौर उर्थरक मंत्रालय (पेट्रोजियम विभाग) की अधिसूचना कां आं रां 1736 तारीख 29-5-81 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से मंजरन अनुसूची में विनिविद्य भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को विद्यान के प्रयोजन के लिए अजित करने का अपना आग्रय वोषित करविया था।

भीर यत: सक्षम प्राधिकरी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

भीर आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पण्चात् इस प्रधिसूचना से संन्यन अनुपूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का श्रीकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

धव, श्रतः उक्त प्रिक्षिमयम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिक्त का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा घोषित करती है कि इस श्रिधसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का श्रिधकार पाइपलाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतव्द्वारा श्रीजत किया जाता है।

धौर धागे जस धारा की उपधारा (4) क्वारा प्रवत्त सक्षियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश वेनी है कि जक्त भूमियों में उपयोग का प्रधिवार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय नेल घौर प्राकृतिक गैस धायोग में, गभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसू**षी** 

राज्य : गजरात

क्लोल-21 से कलोल-135 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

जिला और नालका : गांधीनकर

राज्य - गुजरात	ाजला भार तालुकाः गाधानगर							
र्गांच	<b>ब</b> लाक नं∘	हे <del>क्टे</del> यर	ए० ऋार०	सेन्टीयर				
<del> </del>		_	₹0					
<b>प्र</b> वाल <b>ज</b>	1072	0	03	00				
	1050	0	09	00				
	1049	0	06	15				
	1053	0	29	10				
	1056	0	11	40				
	1055	0	06	15				
	1054	0	01	00				
	1041	0	18	90				
	1042	0	15	30				
	कार्ट ट्रेक	0	01	35				
	1012	0	40	90				
	1014	0	04	50				
	1012	0	22	95				
	849	0	58	50				
	878	0	03	00				
	843	0	40	00				
	844	0	02	50				

[सं ० 12016/16/81-प्रो०] टी० एन० परभेशवरन, ग्रवर सचिव

S.O. 2796.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals & Fertilizer (Department of Petroleum), S.O. No. 1736, dated 29-5-81 under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of Users in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified

in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the competent authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government:

And further whereas the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of users in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE
Pipeline from Kalol—21 to Kalol—135

State—Gujarat	Distric	t & Taluka-	Gand	lhinagar.
Villago	Block No.	Hectare	Are	Centiare
Adalaj	1072	0	03	00
	1050	0	09	00
	1049	0	06	15
	1053	0	29	10
	1056	0	11	40
	1055	0	06	15
	1054	0	01	00
	1041	0	18	90
	1042	0	15	30
	Cart track	0	01	35
	1012	0	40	90
	1014	0	04	50
	1012	0	22	95
	849	0	58	50
	878	0	03	09
	843	0	40	00
	844	0	02	50

[No. 12016/16/81-Prod.] T. N. PARAMESWARAN, Under Secy.

# कर्जा मंत्रालय

#### (कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1981

का० का० 2797.— केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक केक्स (प्रजंन भौर विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की आरा 7 की उपधारा (1) के अधीन, भारत के राजपत, असाधारण भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), सारीख 10 मितस्बर, 1980 के पृष्ठ 1395-96 पर प्रकाणित भारत सरकार के ऊर्जा मंद्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 767 (अ), तारीख 9 सितस्बर 1980 द्वारा उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट 2350 एकड़ (लगभग) या 951.00 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि अजित करने के अपने आग्रय की सूचना दी थी;

श्रीर सक्षम प्राधिकारी ने उक्त प्रधिनियम की घारा 8 के प्रनुसरण में प्रपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को वे दी है;

ग्रीर केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार कपने तथा विहार सरकार से परामर्ग करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे उपावत अनुसूची में वर्णित 2350.00 एकड़ (लगमग) या 951.00 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि का प्रजीन किया जाना चाहिए;

श्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 9 की उपघारा (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि उक्त श्रनुसूची में वर्णित 2350.00 एकड़ (लगभग) या 951.00 हैक्टर (लगभग) माप की भूमि का ग्रजैन किया जाता है।

इस प्रक्षिसूचना के अधीन भाने वाले क्षेत्र क्षे रेखांक का निरीक्षण उपायुक्त , डालटनगंज (जिला पलामू) (बिहार) के कार्यालय या कीयला नियन्त्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकता-1 के कार्यालय या सेन्ट्रल कोलकोल्ड्म लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) दरभंगा हाउस रांची (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

# अनुसूची

होरीलांग ब्लाक हृतार कोलफील्ड

जिला बलाम् (बिहार)

रेखांक सं॰ राजस्व 1/81 तारीखा 7-1-81 (जिसमें घाँजित की गई भूमि दांगित हैं)

सभी मधिकार---

क्रम नाम सं	भंचल	राजस्थ षाना	थाना <b>संख्या</b>	जिलाक्षेत्र	टिप्प- णियो
1. पुतुबागढ	बरवाडीह	लातेहार	20	पलाम्	भाग
2. होरीलांग	वरवाजीह	लातेहार	31	पलाम्	भाग
3. बरिचटन (ए)	वरबाडीह	लातेहार	34	पलामू	भाग
मारक्षित बन				•	
4. मोरकाई खुर्द	बरवाडीह	लातेहार	35	पलामू	भाग ,
<i>5.</i> सिन्धारोपा	बरवाडीह	ं लातेहार	36	पसाम्	माग
6. मोरबाई कला (जी० पी०)	बरवाडीह	लातेहार	39	पलामू	भाग
7. बरिचटन (ए) ग्रार० एफ०	धरवाडीह	लातेहार	-	पलाम्	भाग

कुल क्षेत्र 2350.00 एकड़ (लगभग) या 951.00 हैक्टर (लगभग)

पूत्वागढ़ प्राम से भजित किए गए प्लाटों के संख्यांक :

113 (भाग), 115 (भाग), 116 (भाग), श्रीर 117 (भाग) होरीलांग ग्राम में ग्राजित किए गए प्लाटों के संख्यांक:

2 (माग), 3, 4, 5, 6, 7, 8 (भाग), 9 (भाग), 86 (माग), 88 (भाग), 89 (भाग), 90, 91, 92 (भाग) 93 से 100, 101 (भाग), 102, 103, (भाग), 104 (भाग), 107 (भाग), 113 (भाग), 114 (भाग), 158 (भाग), 159, 160, 161, 162(भाग), 163(भाग) 164 (भाग), 165 (भाग), 177 (भाग), 178 (भाग), 179 (भाग), 183 (भाग), 189 से 192, 193 (भाग), 197 (भाग) 198, 199 (भाग), 377 (भाग), 378 से 383, 384 (भाग) भौर 386 (भाग)।

विरुवटन 'ए' झारक्षित वन पूर्णतः धर्णित किया गथा। मोरबाई खुर्व ग्राम में धर्णित किए गए प्लाटों के संख्यांक । (भाग) सिन्धारोबा ग्राम में धर्णित किए गए प्लाटों के संख्यांक:

15 (भाग), 25 (भाग), 26, 27, 28 (भाग), 31 (भाग) 32 में 84, 85 (भाग), 86 (भाग), 87 (भाग), 88 (भाग), 89 (भाग), 183, 184, 185 भीर 186।

मोरवाईकला ग्राम में प्रजित किए गए प्लाटों के संख्यांक : 1 (भाग) वरिचटन 'ए' प्रारक्षित वन या भाग

सीमा-व र्णन

- क-ख रेखा उत्तरी कोयल नदी की भागतः मध्य रेखा, जो कि पुतुकागढ़ भाम और हुतार तथा सिंघरोबा और हुतार की भागतः सोझी सीमा भी है, के साथ साथ जाती है।
- ख-ग रेखा सिन्धारोबा ग्राम में प्लाट सं० 15 (नदी), 25, 28, 31, 85, 86, 87, 88, श्रीर 89 में से होकर, वरिचटन (ए) श्रारक्षित बन में से होकर तब मोरबाई खुर्व ग्राम के प्लाट सं० 1 में से होकर पुनः मोरबाई ग्राम में प्लाट सं० 1 में से होकर जाती है।
- ग-म रेखा मोरबाईकला ग्राम में प्लाट सं० । में से होकर जाती है।
- ध-ड॰ रेखा वरिचटन (ए) भारक्षित घन में से होकर घौर होरी-लांग ग्राम की भागतः पूर्वी सीमा के साथ साथ (जो कि हुतार कोयला-क्षेत्र की भागतः पश्चिमी सोझी सीमा है) जाती है।
- च-क रेखा होरीलांग ग्राम में प्लाट सं० 386, 387, 377,199, 193, 197, 183, 178, 179, 177, 162, 163, 164, 165, 158, 113, 114, फिर 114, 107, 104, 101, 103, 89, 88, 86, 92, 8, 9, 2 में से होकर तब पुतुसायढ़ ग्राम में प्लाट सं० 116, 117, 115, 113 में से होकर जाती है भौर ग्रायम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[सं॰ 19 (42) 80-सी एल) (भाग II] स्वर्ण सिंह, ग्रवर सचिय

#### MINISTRY OF ENERGY

#### (Department of Coal)

New Delhi the 11th September, 1981

S. O. 2797:—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S. O. 767 (EI), dated the 9th September, 1980 published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Subsection (ii) dated the 10th September, 1980, at pages 1397-98 under sub-section (1) of section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition) and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to acquire the lands measuring 2350.00 acres (approximately) or 951.00 hectares (approximately) specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act has made s report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and, after consulting the Government of Bihar, is satisfied that the lands measuring 2350.00 acres (approximately) or 951.00 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the lands measuring 2350.00 acres (approximately) or 951.00 hectares (approximately) described in the said Schedule are hereby acquired.

The plan of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Daltanganj, Dist. Palamau (Bihar), or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1, or in the Office of the Central Coalfields Limited (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

			-=		<del></del>
SC	CHEDULE			Boundry desc	cription:—
Hutz District—P	Dated:	. Rev/1/81	uired)	AB	line passes along the part central line of river North Koel which is also part common boundary of villages Putuagarh and Hutar and Sindharowa and Hutar.
All Rights :—  Sl. Village Anche No.	l Revenue I Thana nu	_		В—С	line passes through plot numbers 15 (River), 25, 28, 31, 85, 86, 87, 88 & 89 in village Sindharowa, through Barichatan (A) Re-
1. Putuagath Barwadih 2. Horilong ,, 3. Barichatan(A) ,, Reserved	Latehar	30 Palar 31 ,, 34 ,,	nau Part 		served Forest, then through plot number I of village Morwaikhurd again plot number 1 in village Morwaikalan.
forest. 4. Morwaikhurd	,,	35 ,,	11	CID	line passes through plot number 1 of vi- llage Morwaikalan,
5. Sindharowa ,, 6. Morwaikalan (GP) ,, 7. Baricha(an	1)	36 ,, 39 ,,	"	D-E-F	lines pass through Barichatan (A) Reserved Forest and the part along castern boundary of village Horllong (which is part wastern
	ea : 2350.00 : 951.00 ha		proximately)	FA	common boundary of Hutar Colliery).  line passes through plot numbers 386, 384,
Plot numbers acquired in 113(Part), 115(Part)1 Plot numbers acquired in 2(Part), 3,4,5,6,7,8(Part),	n village Puti 116(Part), and 1 village Hor	agarh l 117 (Part) ilong :			377, 199, 197, 193, 183, 178, 179, 177, 162, 163, 164, 165, 158, 114, 113, again 114, 107, 104, 101, 103, 89, 88, 86, 92, 8, 9, 2 in village Horslong, then through plot numbers 116 117, 115, 113, in village Putuagarh and

[No. 19(42)/80—C.L. (Pt. II)]

# New Delhi, the 29th September, 1981 CORRIGENDA

meets at starting point "A".

S.O. 2798.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy (Department of Coal), No. S.O. 759, dated the 23rd February, 1981, published in Part II—Section 3—Sub-section (ii) of the Gazette of India, dated the 7th March, 1981 at pages 825-826,—

(i) in line 9, for "Plot number", read "Plot numbers"; (ii) in line 18, for "Plot numbers", read "Plot numbers"; (ii) in line 25, for "487 (Part), 488 to 495 (part), 497 to 2948 (Part), 2052 to 3541", read "487 (Part), 488 to 495, 496 (Part), 497 to 2948, 2952 to 3541";

(iv) in line 39, for "3592", read "3542"; (v) in line 43, for "Ankara" read "Anpara".

[No. 19|63|80-CL] SWARAN SINGH, Under Secy.

2(Part), 3,4,5,6,7,8(Part),9(Part),86(Part), 88(Part), 89(Part), 90, 91, 92 (Part), 93 to 100, 101(Part), 102, 103(Part), 104(Part), 107(Part), 113(Part), 114(Part), 158(Part), 159, 160,161, 162(Part, 163 (Part), 164(Part), 165(Part), 177 (Part), 178 (Part), 179(Part), 183(Part), 184 to 192, 193(Part), 197 (Part), 198, 199(Part), 377 (Part), 378 to 383, 384(Part), & 386-(Part).

Barichatan 'A' Reserved Forest acquired in full.

Plot Number acquired in village Morwalkhurd: 1(Part)

Plot Number acquired in village Sindharowa:-15(Part), 25(Part), 26, 27, 28(Part), 31(Part), 32 to 84, 85(Part), 86 (Part), 87(Part), 88(Part), 89(Part), 183, 184, 185, 186.

Plot number acquired in village Morwaikalan (G. P.);-1 (Part).

Part of Barichatan 'A' (R. F.).

# संस्कृति विभाग

# मारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

मई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1981

# (पुरातत्व)

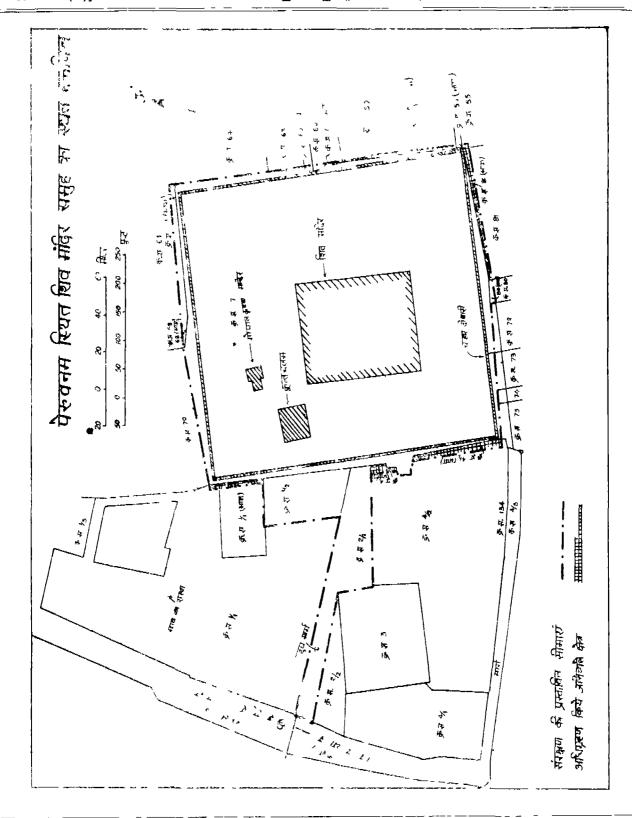
कां आ 2799--- केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्देश्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्व का है,

भतः, भव केन्द्रीय सरकार प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल भौर भवगेष श्रिभित्यम, 1958 (1958 का 24) की घारा 4 की उपधारा (1) हारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महस्य का घोषित करने के भ्रयने भ्राशय की दो मास की सूचना देती हैं।

उन्त प्राचीन संस्मारक से हितबद किसी व्यक्ति द्वारा इस घ्रिधसूचना के जारी किए जाने के पश्चात् ऊपर विनिर्दिष्ट वो मास की घ्रविव के मीतर की गई किसी ग्रापिश पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

# यनुसूची

राज्य	जिला	तहसील	परिक्षेत्र	संस्मारक का नाम	संरक्षण के धर्धीन सम्मिलित किया जाने नाला राजस्य ब्लाटसं०	क्षेत्र	सीमाएं	स्थामित्व	टिप्पण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
केरल	क्रि <del>चू</del> र	क्षिणूर	जकंम मौर ∮ भेरपू	प्लाट सं० 71 भीर सर्वेक्षण प्लाट सं० 55, 59/1, 60, 63, 64, 68, 80, 81 का भाग भीर चेरपू भाग के सर्वे- क्षण प्लाट सं० 1/2, 2/1भीर सर्वेक्षण प्लाट सं० 1/1 भीर 4/2 के भाग में समाविष्ट केस्र	प्लाट सं० 71 मीर सर्वेझणप्लाट 55,59/1, 60, 63, 64,68, 80,81 के भाग मीर चेरपूग्राम के सर्वेक्षणू प्लाट सं० 1/2,2/1 मीर सर्वेक्षण प्लाट सं० 1/1 मीर 4/2 का भाग, जैसा कि पुनः		का सर्वेक्षण प्लाट सं० 70 और सर्वेक्षण प्लाट सं० 64 की १ 68 का येष साथ कीर प्राम चेरपू के सर्वेक्षण प्लाट सं० 1/1 का येष भाग। पूर्व: ग्राम उर्कम के सर्वेक्षण प्लाट सं० 55, 59, 60, 63, और 64 का येष भाग, दक्षिण: ग्राम उर्कम के सर्वेक्षण प्लाट सं० 72, 73,74,75,81 कीर सर्वेक्षण प्लाट सं० 80	64, 60 के भाग और चेरपू प्राम के सर्वेकण प्लाट सं० 1/2 का भाग : पेरूवणम देशा-स्वम उक्तम प्राम के सर्वेक्षण प्लाट सं० 55, 68, 80 का भाग और चेरपू प्राम का सर्वेक्षण प्लाट सं० 2/1: पोरबोक उक्तम प्राम के सर्वेक्षण प्लाट सं० 81 का भाग और चेरपू प्राम के सर्वेक्षण प्लाट सं० 1/1 और 4/2: मिजी।	



[सं० 2/1/76-स्मा] बा० (श्रीमती) देवला मिल्न, मृहानिदेशक पदेन संयुक्त समिव

# DEPARTMENT OF CULTURE (Archaeological Survey of India) New Delhi, 26th September, 1981 (ARCHAEOLOGY)

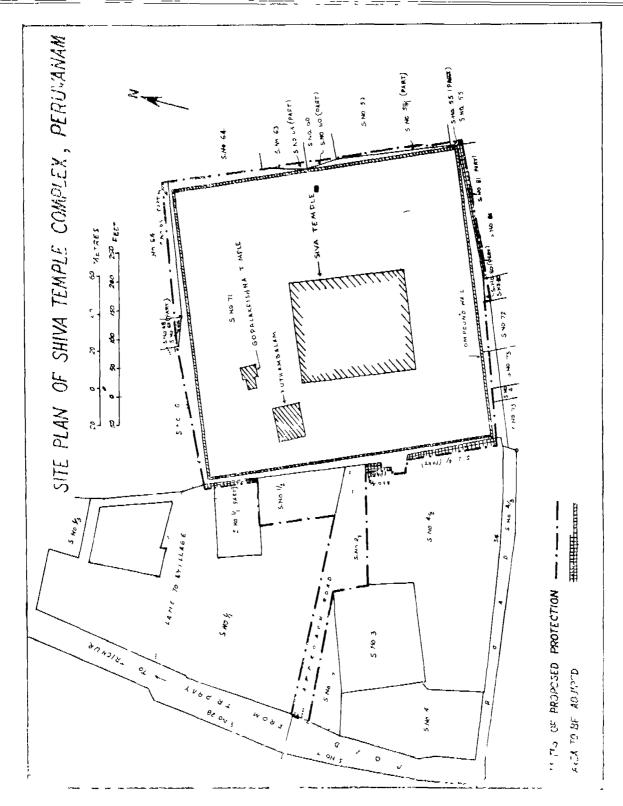
S. O. 2799;—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule annexed hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives two months notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection which may be received from any person interested in the said ancient monument whithin a period of two months, so specified above, after the issue of this notification, will be taken into consideration by the Central Government.

## SCHEDULE

State	District	Tehsil	Locality	Name of monument	Revenue plot numbers to be included under protection	Area	Boundaries	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Kerala	Trichur	Trichur	Urakam and Cherpu	Siva temple complex, peruvanam together with adjacent area comprised in survey plot No. 71 and part of survey plot Nos. 55, 59/1, 60, 63, 64, 68, 80,81 of village Urakam and survey plot Nos. 1/2, 2/1 and part of survey plot Nos. 1/1 and 4/2 of village Cherpu as shown on the site plan reproduced below.	Survey plot No. 71 and part of survey plot Nos. 55, 59/1, 60, 63, 64, 68, 80, 81 of village Urakam and survey plot Nos. 1/2, 2/1 and part of survey plot Nos. 1/1 and 4/2 of village Cherpu as shown on the site plan reproduced below.	03.06.19 Hectares	North: Survey plot No.70 and remaining portion of survey plot Nos. 64, 68 of village Urakam and remaining portion of survey plot No. 1/1 of village Cherpu. East: Remaining portion of survey plot Nos. 55, 59, 60 63 and 64 of village Urakam. South: Survey plot Nos. 72, 73, 74, 75, 81 and remaining portion of survey plot No. 80 of village Urakam and remaining portion of survey plot Nos. 4/2, 2/1 of village Cherpu. West: Survey plot Nos. 3 and 17 (Road) of village Cherpu.	68, 80 of village Urakam and survey plot No. 2/1 of Cherpu village; Poramboke.  Part of survey plot No. 81 of village Urakam and survey plot Nos. 1/1 and 4/2 of village Cherpu;	Mural paintings on the walls of the Srikoils and bracket images are already under protection.



[No.2/1/76-M] D. MITRA, Director General and Ex-Officio Jt. Sccy.

# संचार मंत्रालय (डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1981

कां आ 2800. स्थायी भावेश संख्या 627, विर्माण 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1950 के नियम 434 के खब III के पैरा (क) के भनुसार डाक-तार महानिवेशक ने भक्कलियने, पहेकदुबूर तथा एरिगेरि टेलीफोन केन्द्र में विमाण 16-10-81 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-6/81-पी एच बी]

#### MINISTRY OF COMMUNICATIONS

#### (P & T Board)

New Delhi, the 25th September, 1981

S.O. 2800.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs hereby specifies 16-10-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Nakkaladinne, Peddakadubur and Erigeri Telephone Exchange, Andhra Pradesh Circle.

[No. 5-6/81-PHB]

का० आ० 2801--- स्थायी घादेश संख्या 627, विताक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के धनुसार डाक-तार महानिदेशक ने एडक्काट टेलीफोन केन्द्र में विनांक 16-10-81 से प्रमाणित वर प्रणासी लागू करने का निश्चय किया है।

[सक्या 5-11/81-पी एच बी]

मार० सी० कटारिया, सहायक महानिदेशक (पी एच बी)

S.O. 2801.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies 16-10-1981 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Edakkad Telephone Exchange Kerala Circle.

[No. 5-11/81-PHB]

R. C. KATARIA, Assistant Director General (PHB)

# सुचना और प्रसारण मंत्रालय

#### भावेश

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1981

का॰ आ॰ 2802--फिल्म सलाहकार बोर्ड के कार्यकरण से संबंधित विभियमों के नियम 14 (ख) के उपबंधों के श्रन्तगत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग करते हुए, केस्त्रीय सरकार एतद्द्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपांतरों सहित, जिनका विवरण प्रस्थेक के सामने उक्त समुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है:---

# प्रनुसूची

कम सं०	फिल्म का नाम	फिल्म की लंबाई (मीटरों में)	भावेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म हैया शिक्ता संबंधी फिल्म हैया समाचार भौर सामधिक घटनाओं की फिल्म हैया बाकुमेंट्री फिल्म है।
1	2	3	4	5	6
1.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1715 मौर भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1715 (क्षेत्रीय पूर्व मौर क्षेत्रीय दक्षिण)	क्रमण : 265 मीटर भौर 297 मीटर	फिल्म प्रभाग 24- पैडर रोड, बंबई-26		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। कमशः मामान्य और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिए।
2.	भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1716 मौर भारतीय समाचार समीक्षा 1716 क्षेत्रीय पश्चिम	304 भीटर	फिल्म 24 पे बस्बाई	डर रोड	समाचार ग्रीर सामाधिक घटनार्घो की फिल्म क्रमणः सामान्य ग्रीर क्षेत्रीय प्रवर्णन के लिए ।
					[फ।इल संख्य 315/5/81-एफ०पी०] कश्मीरी लग्ल, डेस्क भ्रधिकारी

#### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

#### ORDER

#### New Delhi, the 16th September, 1981

S. O. 2802.—In exercise of the powers vested under the provisions of Rule 14(b) of the Regulations relating to the working of the Film Advisory Board, the Central Government hereby approves films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their languages versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

#### **SCHEDULE**

Sl. No.	Title of the film	Length of the film in metres	Name of the applicant	Name of the Producer	Brief synopsis whether scientific film or for educational purposes of a fill dealing with news curren documentary films.			
1	2	3	4	5			6	
N	dian News Review No. 1715 and Indian ews Review No. 1715 (Regional East ad Regional South).				News General respectiv		Current Regional	events release
2. In	dian News Reviews No. 1716 and Indian ews Review No. 1716 (Regional West).	304 mtrs.		-do-			-do-	

[File No. 315/5/81-FP] KASHMIRI LAL, Desk Officer

# पृत्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुर्वास विमाग)

भई विरुपी, 8 सितम्बर, 1981

का० आ० 2803.— किस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्जास) प्रिष्ठिनियम, 1954 (1954 का 41) की धारा 16 की उपधारा 2 के खण्ड (क) के द्वारा प्रदक्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री धो० पी० विज, प्रधीक्षक, पुनर्जाम विभाग, हरियाणा सरकार, जो तहतीलदार (एस), कुरूक्षेत्र के रूप में कार्य कर रहे है, को कुरूक्षेत्र जिले में स्थित तथा मुद्यावजा पूल के भाग की निष्कात सम्पत्तियों (ग्रामीण धौर शहरी) की धिभरक्षा, प्रजन्ध धौर निपटान के लिए, प्रजन्स ग्रीधकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 1 (14)/विशेष सैल /75-एस० एस०-II(क)]

# MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION (Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 8th September, 1981

S.O. 2803.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section 2 of section 16 of the Displaced Persons

(Compensation and Rehabilitation) Act. 1954 (44 of 1954). the Central Government hereby appoints Shri O. P. Vij, Superintendent Rehabilitation Department, Government of Haryana, working as Tehsildar (S), Kurukshetra, as Managing Officer for the custody, management and disposal of the evacuee properties (rural and urban) forming part of the compensation Pool, situated in the district of Kurukshetra.

[No. 1 (14)|Spl.Cell|75-SS.II, (A)]

काठ आठ 2804.—निष्कांत सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 31) की घारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा श्री भोठ पीठ विज, प्रधीक्षक, पुनर्वास विभाग, हरियाणा सरकार, जो नहसीलदार (एस), कुल्थेल के रूप में कार्य कर रहे हैं, को उक्त प्रधिनियम द्वारा श्रथवा उसके प्रधीन धिमरक्षक को सौपे गए कार्यों का निष्पावन करने के लिए, हरियाणा राज्य के संबंध में सहायक अभिरक्षक, निष्कांत सम्पत्ति के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 1 (14)/विशेष सैल/ 75-एस० एस०-II (खा)]
एन० एम० वाधवानी, प्रवर सचिव

S.O. 2804,—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (31 of 1950), the Central Government hereby appoints Shri O. P. Vij, Superintendent, Rehabilitation Department, Government of Haryana, Working as Tehsildar (s), Kurukshetra as Assistant Custodian of Evacuee Property in the State of Haryana; for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian by or under this Act.

[No. 1 (14)/Spl. Cell/75-SS. II. (B)] N. M. WADHWANI, Under Secy.

## थम मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1981

का॰ आ॰ 2805.— खान प्रधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त मक्तियों का प्रयोग करने प्रुए केन्द्रीय सरकार श्री भिनिताभ बन्दोपाध्याय को मुख्य खान निरीक्षक के अधीन खान निरीक्षक के रूप में नियुक्त करता है।

[सं॰ ए॰-12025/1/80- एम॰ 1] जे॰ के॰ जैन, प्रवर सिधव

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 22nd September, 1981

S.O. 2805.—In exercise of the powers conferred by subsection (1) of section 5 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints Shii Amitabha Bandyopadhyay as Inspector of Mines subordinate to the Chief Inspector of Mines.

[F. No. A-12025/1/80-M. I]
J. K. JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1981

का॰ आ॰ 2806.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मंजूसा फिल्मस् , 9, कुंकड लेन, कलकत्ता-69 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहुसंख्या हस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंध ग्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

म्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त मिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) क्षारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35017(24)/80-पी॰ एफ॰ II]

New Delhi, the 25th September, 1981

S.O. 2806.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Manjusha Films, 9, Crooked Lane, Calcutta-69, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establish;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017 (24)/80-PF. II]

का० आ० 2807.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे एटलस एण्ड यूनियन जूट प्रेस कम्पनी लिमिटेड, 4, बी० बी० बी० बाग, (पूर्वी) कलकत्ता- 1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजन धौर कमैजारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कमैजारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबध उक्त स्थापन की लागु किए जाने चाहिए,

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्राधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त शिधिनियम के उपअंध उक्त स्थापन को लाग करती है।

[सं॰ एस-35017(9)/81-पी॰ एफ॰ II]

S.O. 2807.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Atlas and Union Jute Press Company Limited, 4, B, B. D. Bag (East), Calcutta-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establish;

New, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017 (9)/81-PF, III

भा० आ० 2808.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि आवर्ष आइसकीम भेलपुरी हाउस एण्ड मिल्क प्रोडक्ट्स, 35/36 एण्ड 37 बी, लोकमान्य निलक रोड, बं(रिबिली (पिश्चम) मुम्बई-72 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुमुख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

भनः केन्द्रीय सरकार, उन्त ध्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शिवनियों का प्रयोग करने हुए, उक्त ध्रधिनियम के उप-बंध उन्त स्थाप न को लागू करनी है।

[सं॰ एस-35018(67)/81-पी॰ एफ॰ II]

S.O. 2808.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Adarsh Ice-Cream Bhefpuri House and Milk Products, 35|36 and 37B, Lokmanya Tilak Road, Borivill (West), Bombay-92, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establish;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment,

[No. S. 35018 (67)/81-PF. II]

का० आ० 2809.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे गरवारे चेरिटेबिल ट्रस्ट, चौपाटी चैम्बर्ग, सेंडह्स्ट किज, मुम्बर्ध-7, जिसके घन्तर्गत 59, कोरेगांव पार्क, पुणे-1 स्थित उसकी शाखा भी है। नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक घौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गए है कि कर्मचारी भविष्य निधि घौर प्रकीर्ण उपबंध घिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त मधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त मधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को शागु करनी है।

[सं॰ एस-35018 (68) /81-पी॰ एफ॰ II]

SO. 2809.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Garware Charitable Trust, Chowpatty Chambers, Sandhurst Bridge, Bombay-7

bay-7 including its branch at 59, Koregaon Park, Pune-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

INo. S-35018 (68)/81-PF-II]

कंतर आर 2810 — केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि -मैसर्म वि श्रर्वन कोश्रापरेटिव मैक लिमिटेड, मुख्य सड़क, भड़ारा, जिसके अन्तर्गम (1) तुम्मर, (2) लखानी भीए (3) पौनी, स्थित उमकी शाखाए भी हैं, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक भीर कर्मचारियों की बहुसक्या इस मान पर सहमत हा गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्स स्थापन को लागू किए जाने आहिए;

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम को धारः 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35018(116)/79-पी॰एफ-2(i)]

S.O. 2810.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as The Urban Co-operative Bank Limited, Main Road, Bhandara Including its Branches at (1) Tumsar, (2) Lakhani and (3) Pauni, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018 (116)/79-PF, II (i)]

का० आ० 2811.—केल्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे सुरेन्द्र काटन आयल मिल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स कम्पनी, पाटामारा, जिजयवाड़ा-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मजारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मजारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध सिधिनयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने जाहिए;

श्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिप्तिनयम की क्षण्या । की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रिप्तियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019(37)/81-पी॰एफ॰ [I]

S.O. 2811.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employers in relation to the establishment known as Messrs Surendra Cotton Oil Mills and Fertilisers Company, Patamata, Vijayawada-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscollaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by subsection (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019 (37)/81-PF. II]

का॰ आ॰ 2812 — केम्ब्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्म प्राटोमोटिव इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल एस्टेट, विजयकाड़ा, कृष्णा जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियाजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसस्या इस 762 GI/81—10

बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उन्हें प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को प्रक्रिश्व किए जाने वाहिए;

भन. केर्न्याय संरकार, उक्त भ्रधिनियम की भारा 1 की उपभारा (4) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त भ्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागू करनी है।

[स॰ एस-35019(153)/81-पी॰एफ्॰ 11

S.O. 2812.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the Majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Automotive Industries, Industrial Estate, Vijayawade-7, Krishna District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

(No. S. 35019 (153)/81-PF. III

का० आ० 2813.—केन्द्रीय सरकार की यह प्रतीतः(क्षेताः की कि मैसर्स प्राइमरी काम्रापरेटिव लैंड डिबलेपमेंट बैंक लिमिटेंड्र) अल्लेचर्र मुलबर्गा जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्लव्हरियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी मविष्य' निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधितियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन का लागू किए जाने चाहिए ,

श्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रक्षिनियम की धारा 1 की उपधारी (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[स॰ एस-35019(154)/81-पीकाएफ वर्धी

S.O. 2813.—Whereas it appears to the Central Covernment that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Primary Co-operative Land Development Bank Limited, Alland, Gulbarga District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions -Act, 1952, (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019]154|81-PF-III

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारी १५० वर्षा उपयोगी । 19md2ld62eq 1057 2 (4) द्वारा प्रदक्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपर्वंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019(170)/81-पी ०एफ० **H]** 

S.O. 2814.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employers is relation to the establishment known as Messas National Thermal Power Corporation, 62-63, Nehru Place, New Bellie 19, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment:

[No. S. 35019 (170)/81-PF, II]

कारकार 2815— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतंति होता है कि सैसर्स राजेश कस्पत्ती (पुराना सं० 27), नया स० 36, पूर्वी कालमदाप्य रोड, रोयापुरम, मद्रास-13 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने खाहिए.

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधान (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रधिनियम के उपग्रध उक्त स्थापन को लागू करनी है।

[सं० एस-35019(171)/81-पी०एक० II]

S.O. 2815.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Rajesh Company, (Old No. 27), New No. 36, East Kalmandapam Road, Royapuram, Madras-13, have agreed that the provisions fibe Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the the said establishment;

INo. S. 35019 (171)/81-PF III

का०आ१० 2816—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें मद्दुरा कोट्स लिमिटेड, "डाईस्प्रिग्म" 16-ए पीनीया फेज-2, श्रीचीियक क्षेत्र, बंगलीर-58 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि श्रीर प्रकीर उपबंध स्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धररा । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त ग्रन्सियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करकी है।

[स० एस-35019(172)/81-पी०एफ० []] श्रार० के० दास, श्रवर मनिब

S.O. 2816.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Madura Coats Limited, "Dyesprings" 46-A, Peenya Phase-II, Industrial Area, Bangalore-58. have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the previsions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019 (172)/81-PF, II] R. K. DAS, Under Secv.

नई विल्ली, 25 नितन्बर, 1981

का० शाव 2817—मीसर्स इन्दौर स्टील एंड भागरन मिल्स, पोस्ट बाबस संख्या 6 भागीरचपुर, इन्दौर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत स्थापन कहा गहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निश्चि भीर प्रकीण उपजन्म ग्रांजियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उनन प्रधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीरा छुट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

श्रोर केन्द्रीय सरकार का समाधात हा गया है कि उक्त स्थापन के कर्मेचारी, किसी पृथक श्रीभवाय या प्रीमियम का सदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की मामूहिक बामा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे है श्रीर ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से प्रविक्त अनुकृत हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चान् उक्त स्कीम कहा गया है) के अर्थ र उन्हें अनुकुत हैं;

धना, फेन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधितियम की धारा 17 की उपधारा (एक) हारा प्रदम प्रस्तियों का प्रयोग करते हुए, घोर इससे उपायद्ध धनुसूची में चिनिर्दिष्ट णतीं के घशीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षों के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती हैं।

# अनुसूची

- । उमन स्थापन के सबध में नियोजक पादेशिक भिवष्य निधि अध्यक्त इन्दौर का ऐसे विवरणिया भेजेगा, ऐसे लेखा रखेगा और निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निदिष्ट करे।
- 2. नियोजक, ऐसे निर्माक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति रो 15 दिन के भीतर सदाय करेगा जो केन्द्रीय गरकार, समय समय पर प्रधिनियम की धारा 17 का उपबारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन निविष्ट करे।
- 3. सामृहिक बींमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विरणियों का प्रस्तुन किया जाना, बीमा प्रीमियम का मदाय, लेखाओं का अंतरण, तिरीक्षण प्रभारों का सदाय आदि भी है, होने वाले मनी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायेगा।
- 4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदिन सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति. भीर जब कभी उनमें मंगोधन किया जाए, तब उस संगोधन की पित नया कर्मवारियों की बहुसक्या का माया में उसकी मुख्य बार्ता का अनुवाद, स्थापना के मुचना पट्ट प्रदर्शित करेगा।
- 5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छुट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सबस्य है. उसके स्थापन में नियंजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नुरन्त वर्ज करेगा और उसकी बाबन आव्ययक प्रीमीमिय भारतीय जीवन बीमा निगम को सदस्य करेगा।
- 6. यदि उक्त स्कीम के अधीने कर्मचारियों की उपलब्ध फायबे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायबों में समुबित रूप से वृद्धि की जाने की अवस्था करेगा जिससे कि क्रमंचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायबे उन कायदों से अधिक अनुकूल हो, जो उक्त स्कीम के अधीन अमृज्य है।
- 7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के हांते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के प्रधीन संदेय रक्षम, उस रक्षम से कम है जो कर्मचारी को उस दक्षा में सदेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निवेशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों प्रकारों के मानर के बराबर रक्षम का संवाय करेगा।
- 8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, इन्दौर के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन मे कर्मवारियों के हित पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की सम्भावना है वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने मे पूर्व कर्मवारियों की अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्त अवसर वेगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस साम्हिक बीमा स्कीम की जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, क्रियान नहीं रह जाते हैं, या रच स्कीम के प्रकीन कर्मचारियों को शाष्म होने याने कायदे कियी रीति स कम हा जाते है, तो यह छूट रह का जा सकता है।

10. यदि किसी कारणवण, नियंजिय उस नियन नारीख थे भागर. जो भारतीय जीवन दामा निगम नियन करे, प्रासियम का सदाय करने में प्रसक्त रहता है, भीर पालिसी या व्ययगन हो जाने दिया जाता है ता दिख्य रह का जा सकती है।

11 नियाजक द्वारा प्रामियम के सवाय, घादि म किसी व्यक्तिकम की दशा में, उन मृत सदस्थों के नाम निर्देणितिया या विधिक निर्मों के, जो यह छूट ने दी आने की दशा में उक्त स्काम के झर्धान होते, बीमा फायदों के संदाय का उल्लरवायित्व नियोजक पर होगा।

1 के जन्म स्थानन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधान प्राने बाले किसी मदस्य की मृत्यु होने पर, उसके हकदार नामनिर्देक्षितियों/ विधिक वारिमा को बामाकृत रकम का सदाय तत्परता से और प्रत्येक बभा में भारतीय अंत्यन वामा निगम में बीमाकृत रकम प्राप्त होने के सास दिन भीतर जुनिस्चित करेगा।

[स॰ ६स-35014/141/80-पः० एफ०-2]

# New Delhi, the 25th September, 1981

8.0 2817.—Whereas Messrs Indore Steel and Iron Mils, Post box No. 6, Bhagirathpura. Indore (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Fmpfoyees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme, for a period of three years.

#### **SCHEDULE**

- 1. The employer in relation to the said establishments shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Indore maintain such accounts and provide for such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.
- 2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
- 3. All expenses involved in the administration of Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance permia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.
- 4. The employer shall display, on the notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended alongwith translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.
- 5. Where on employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in 762 GI/81--11

his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

- 6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.
- 7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee on the employee as compensation.
- 8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner. Indoor and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.
- 9. Where, for any reason, the employees of the establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced to any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.
- 10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.
- 11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium etc., the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or legal heirs of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, will be that of the employer.
- 12. Upon the death of the member covered under the scheme, the employer in relation to the said establishment shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs entitled for it and in any case within 7 days of receipt of the sum assured from the Life Insurance Corporation of India.

[No. S. 35014 (141)/80-PF.II]

का॰ था॰ 2818 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें एसेन फिल्म्स, 9, कुकड लेन, कलकत्सा-69 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबंध ग्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए आने चाहिए;

धतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्न गक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त ग्रिधिनियम के उपबंध उक्त रशापन को लागु करती है।

[सं० ए०- 350 17/22/80-पी०एफ०- 2]

S.O 2818.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messra Essen Films, 9, Crooked Lane, Calcutta-69, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby appliess the provisions of the said Act to the said establishment.

भार आर 2819. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ए ज्ञार जाग चौधरी एण्ड कम्पनी, डाकखाना बरूपुर, जिला 24-परगना परिचमी नगाल, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या रस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि धोर प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लीग किए जाने चाहिए;

प्रति, केन्द्रीय मरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा ( +) तारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्रधिनियम के उपवंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

[स॰ एस-35017/26/80-पी॰एफ-2]

s.O. 2819.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs A. R. Nag Chowdhury and Company, Post Office Baruipur, District 24-Parganas, West Bengal, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(26)/80-PF. II]

का ब्या 2820. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीत होता है कि मैससं क्लैंड मैटीरियल्स सिस्टम्स, मोनल कमला, मकवाना रोड, ध्राफिस ख्रम्हीरी कुर्ला रोड, मेरोल, मुम्बई—59 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कमेंबारियों की बहुसंख्या धन बात पर महमत हो गई है कि कमेंबारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध श्रीविष्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए, जाने बाहिए,

ग्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (५) द्वारा प्रदन्त सक्तियों का प्रयोग करन हुए, उक्त ग्रधिनियम के उपबध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एस॰-35018(81)/80-पी॰एफ॰-II]

s.o. 2820.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Clad Materials Systems, Sonal Kamal, Makwana Road Off. Andheri Kurla Road, Moral Bombay-59 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(81)/80-PF. II]

का॰ था॰ 2821.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं रिमर्थ इस्टीटयुट फार ग्राफिक ब्रार्टस, रिगा, लक्ष्मी मिल्स एस्टेट प्राफिस टा॰ ई॰ मोसेस रोड, महालक्ष्मी, मुम्बई-11 जिसके ब्रन्तर्गत उसकी (1) 112, वासन उद्योग भवन, सेनापित वापट मार्ग, मुम्बई-13 की ग्राप्थाएं और उसका रिगा ई-9 कसाट हाउस, कनाट प्लेस, नई दिल्ली के रिजस्ट्रीकृत कार्यालय भी है नासक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस वान पर सहसन हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उसन स्थापन की लागु किए जाने चाहिए;

मतः केन्द्रीय सरकार, उक्त मिश्रिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदस्त मिन्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त मिश्रिय के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती हैं।

[सं॰ एस- 35018(83)/80-पी॰ एक॰-II)]

S.O. 2821.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Research Institute for Graphic Arts, Riga, Laxmi Mills Estate, Off. Dr. E. Moses Road, Mahalaxmi, Bombay-11 including its branches at (1) 112 Vasant Udyog Bhavan, Senapati Bapat Marg, Bombay-13 and its Registered Office at Riga, E-9. Connaught House, Connaught Place, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(83)/80-PF. II]

का॰ बा॰ 2822. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स विण्य महल, छत्नपति शिवाजी महाराज मार्केट विरिद्धंग, प्रथम मंजिल पस्टन रोड, मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भ्रीर प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवध उक्त स्थापन को लागू किए जाने वाहिए;

भतः केन्द्रीय सरकार, उक्त भ्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रिधिनियम के उनकंध उक्त स्थापन की लागू करती हैं।

[सं॰ एम॰-35018( 84)/80-गी॰एफ॰ II]

S.O. 2822.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vishwa Mahal, Chhatrapathi Shivaji Maharaj Market Building, Ground Floor, Palton Road, Bombay-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(84)/80-PF. II]

का० आ० 2823. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं इ लेक्ट्रोनिक्स इन्टरप्राइसेस, यूनिट मं० 216 रीगल इन्डस्ट्रियल एस्टेट. प्राथार्थ डोन्डे मार्ग, मेवरी, मुम्बई—15 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक फ्रीर कर्मेचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मेचारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध धिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उसत स्थापन को लागू किए जाने भाहिए;

ग्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त ग्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त ग्रधिनियम के उपश्रंध उन्न स्थापन को लागू करनी है।

[सं॰ एस-35018(85)/80-पी॰एफ॰ II]

S.O. 2823.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Electronic Enterprises, Unit No. 216, Regal Industrial Estate, Acharya Donde Marg, Sewri. Bombay-15, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellane-

ous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act applicable to the said establishment;

[No. S. 35018(85)/80-PF. III

का०आ० 2824.—केन्द्रीय भरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स निर्मल इतिष्ट्रिक इन्डस्ट्रीज सी—2 मोना उद्योग एस्टेट, पारसी। जायत रोड, अन्धेरी (पूर्व) मृम्बई—69, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मेणान्यों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मणारी भविष्य निधि और प्रकीण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

प्रत, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) हारा प्रदरंत शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[सं॰ एस॰ 35018(94)/80-पी॰एफ॰ II]

S.O. 2824.— Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Nirmal Electric Industries C-2, Sona Udyog Estate, Parsi Panchayat Road, Andheri (East) Bombay-69, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

(No. S-35018(94)/80-PF, III

का० आ० 2825. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रूप राग, 97, महर्षि कर्षे रोड, मुम्बई-20, नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मवारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मवारी भविष्य निधि और प्रकीण उपबंध मधिनियम, 1952. (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त भविनियम की द्यारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त पक्तियों का प्रयोग करते द्रुए, उक्त भविनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागृ करती है।

[मं॰ एम-35018/144/79-पी॰ एफ-2]

S.O. 2825.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees In relation to the establishment known as Messrs Roog Raag, 97, Maharshi Karve Road, Bombay-20, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35018(144)/79-PF, I)]

का०आ० 2826.— केन्द्रीय मुरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ग्रांशा हैं बीकापट्स एमोसिएशन, 1, एमवैसी मेंटर, पहुंला फ्लोर, नारीमन प्याइंट, मुस्वई-21 नामक स्थापन से संबंध नियोजक ग्रौर कर्मचारियों की बहुसंख्य इस बात पर महमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रौर प्रकीण उपबंध ग्रांधनियम. 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

मतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रविनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रविनियम के उप-बंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[स॰ एस-35018/146/79-पी॰ एक-2]

s.O. 2826.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messis Asht Handicrafts Association, 1, Embassy Centre, 1st Floor Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conterred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

[No. S. 35018(146)/79-PF. II]

कां आं 2827. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैं में सं केनमोर एस्टेंट डाकखाना पालिबेंटा पोस्ट, सांख्य कुर्ग नामक स्थापन से संबंध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहसत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागु कि जाने चाहिए;

श्रतः, केन्द्रीय गरकार, उक्त श्रिष्ठिनियमं की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदन्त णिक्तयों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन का लागु करनी है।

[स॰ एम-35019/92/80-पी॰ एफ-2]

S.O. 2827.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messis Craigmor Estate, Pollibetta Post, South Coorg, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscel laneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section I of the said Act, the Central Government hereby appplies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(92)/80-PF, U]

क्रा० आ० 2828. — केन्द्रीय मरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स परकैक्ट प्रिटर्स एंड प्रोमेसर्म. 133, प्रध्याक इंडस्ट्रियल एस्टेट, सन भिण कंपाउंड, लोग्नर परेल, मुम्बई-13, नामक स्थापन से संबंध नियोजक श्रीर कर्मंचारियों की बहुमंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मंचारी भिवष्य निधि श्रीर प्रकीण उपबंध श्रिजियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः केन्द्रीय भरकार, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त ग्रिभितयों का प्रयोग करते हुए, उक्त ग्रिधिनियम के उप-ग्रंध उक्त स्थापन को लागू करती है;

[सं॰ एस॰ 35018/93/80-पी॰ एफ॰ II]

S.O. 2828.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Perfect Printers and Processors, 133, Adhyaru Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(93)/80-PF. II]

का० आ० 2829. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेणनल सी फूड्स कंपनी, सथरा रोड, कोचीन-2 मटनवेरी गाव, कोचीन ताल्लुक, जिला इनिकुलम, नामक स्थापन संबंद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमल हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

श्रत, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रश्चिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त ग्रश्चिनियम के उप-बंध उक्त स्थापन को लागू करनी हैं।

[मं॰ एस-35019/99/80-पी॰ एफ-2]

s.O. 2829.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs National Sea Foods Company, Manthara Road, Cochin-2, Mattancherry Village, Cochin Taluka, Ernakulani District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(99)/80-PF. II]

का० आ० 2830 --- केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीत होता है कि मैसर्स एल्बी कारपंरेणन, 69, स्ट्रीट मं० 11, टाटाबाद कोयम्बट्र 12 जिसके अन्तर्गेस उसकी 11/34 काम कंट रोड, कोयम्बट्र-12, स्थित शाखा भी है, नामक स्थापन से सबद्ध नियोजक और कर्मचायियों की बहसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भिष्य उसम स्थापन को लागू क्रियम स्थापन को लागू किए जाने बाहिए,

भतः, केन्द्रीय मरकार, उक्त श्रिधिनयम की धारः । की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त प्रक्रितयों का प्रयोग करते हुए, उक्त श्रिधिनियम के उप-बंध उक्त स्थापन को काम करती है।

[सं॰ एम-35019/100/80-पी॰ एफ॰-2]

S.O. 2830.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Elvi Corporation, 69- Street No. 11, Tatabad, Coimbatore-12 Including its branch at 11/134, Cross Cut Road, Coimbatore, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S., 35019(100)/80-PF.II]

का० आ० 2831. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें श्री सरयनारायण स्पिनिंग मिल्स इम्प्लोयीज कन्त्र्यूमर्स कोष्रापरेटिव स्टीसें सिमिटेड, वंकटरामपुरम, तुनुकु, जिला पश्चिम गोदावरी (श्राध्य प्रदेश), नामक स्थान से संबद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियो की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबंध ग्रीधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपवंध उक्त स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

श्रतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुँए, उक्त ग्रधिनियम के उप-बंध उक्त स्थापन का लागू करती है।

[सं॰ एस-35019/101/80-पी॰ एफ-2]

S.O. 2831.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Sree Satyanarayana Spinning Mills Employees' Consumers Cooperative Stores Limited, Venkarayapuram, Tanuku, West Godavari District (Andhra Pradesh), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

[No. S. 35019(101)/80-PF-JJ]

का० आ० 2832. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्य तिमलनाड सीमेंटस इमप्लॉइज को घापरेटिव स्टोतं लिमिटेड, तिमलनाड, राजापलायम रामनाड, नामक स्थान में मंग्रह नियोजक भ्रोर कर्नेचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी पिविप्य निधि भ्रोर प्रकीण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्स स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

भंतः, भंग उक्त भिधितियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन की लागू करती है।

[स॰ एम-35019/152/79-पी॰ एफ-2]

S.O. 2832.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Tamilnad Cements Employees' Co-operative Stores Limited, Tamilnadu Rajpalayam Ramnad, District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

{No. S. 35019(152)/79-PF. 1Π

का० आ०2833. — केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसमें खैतान कंसरेटैन्टस (प्राइवेट) लिमिटेड, 23, कस्तूरबा, गांधी मार्ग, हिमालय हाउम नई दिल्ली। नामक स्थापन से सगद्ध नियोजक और कमेंचारियों की बहुसंख्या इस बान पर सहमत हो गई है कि कमेंचारी भविष्य निश्चि और प्रकीण उपबंध प्रक्षित्यम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागु किए जाने चाहिए;

श्रतः, केन्द्रीय सरकार , उन्त श्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त श्रधिनियम के उपर्यंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस-35019 (155)/81-पी० एफ-2]

S.O. 2833.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Khaltan Consultants (Private) Limited, 23, Kasturba Gandhi Marg, Himalaya House, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act, to the said establishment.

[No. S. 35019(155)/81-PF-2]

का० था० 2834.— केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मार्गदर्शी फाइनेंशियर्स, भ्राविव सेंटर, हैवराबाद नामक स्थापन से संबंध नियोजक भौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंघ श्रिधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रिष्ठिमयम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भ्रिप्तियम के उपभंज उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस॰ 35019 (156)/81 पी॰ एफ॰ 2]

S.O. 2834.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employee in relation to the establishment known as Messrs Margdarsi Financiers. Abid Centre, Hyderabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(156)/81-PF, II]

भा० आ० 2835 — केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीत होता है कि मैससे कैपिटल कंसल्टेंट्स (प्राइवेट) लिमिटेड 2ई/6, झंडेबालों एक्सटेंशन, मई दिल्ली-55 भामक स्थापन से संबंध मियोजक और कर्मेवारियों की बहु-संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उस्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

मतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त प्रधिनियम के उपबंध स्थापन को लागू करती है।

[सं॰ एस-35019 (158)/81-पी॰ एफ-2]

S.O. 2835.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Capital Consultants (Private) Limited 2E/6. Jhandawalan Extension, New Delhi-55, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(158)/81-PF-2]

का०.आ० 2836. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बिंदु रबड़ इंडस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 12, डी० एल० एफ०, भौद्यो-गिक क्षेत्र, नजफगढ़, रोड, नई दिल्ली-15 नामक स्थापन से संबंद नियोजक भीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्म-चारी भविष्य निधि स्रौर प्रकीण उपबंध मधितयम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध जक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

श्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त श्रिधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करने हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागृ करती है।

[मं० एस० 35019 (163)/81 पो० एफ० 2]

s.o. 2836.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in 762 GI/81—12

relation to the establishment known as Messrs Bindu Rubber Industries (Private) Limited, 12, D.L.F., Industrial Area, Nazafgarh Road, New Delhi-15, have agreed that the provisions of Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(163)/81-PF. II]

का० आ० 2837.—केन्त्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससे बाद्रा सहकारी शक्कर कारखाना, नियमित, दौइडाबेथी, दावन्मेरे तास्सुक, नामक स्थान से संबंद्ध नियोजक धौर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीण उपबंध धाधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

भतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपश्रारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त ग्रिधिनियम के -उपब्रध उक्त स्थापन को लागु करती है।

[सं० एस॰ 35019 (165)/81 पी॰ एफ - 2]

S.O. 2837.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the Mablishment known as Messrs Badra Sahakari Sakkare Karkhane, Niyamit, Doddabathi, Davanagere Taluk, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Fund and Miscelfaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(165)/81-PF. II]

का० आ० 2838.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैससं मुद्रारक ग्रसी खां एंड संस, पोस्ट बाक्स सं० 49, जिला भावोही, वाराणसी नामक स्थापन से संबंद्ध नियोजक ग्रीर कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि ग्रीर प्रकीण उपबंध मधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन की लागू किए जाने चालिए:

भतः केन्द्रीय सरकार उक्त भिक्षिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवस शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त भिक्षिनियम के उपक्रंप्र उक्त स्थापन की लागु करती है।

[मं.०एस० 35018 (166)/81 पी० एफ० 2]

S.O. 2838.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Mobarak Ali Khan and Sons, Post Box No. 49, Bhadohl District, Varanasi, have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the nowers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(166)/81-PF II]

का० आर० 2839.- केन्द्रीय सरकार को यह प्रतील होता है कि मैसर्स गणपत्ति एंड कंपनी, 175/1, भाउंट रोड, भद्रास-2, नामक स्थापन से संबंद्ध नियोजक और कर्मजारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि भौर प्रकीर्ण उपबंध ग्राधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उनत स्थापन को लाग किए जाने चाहिए;

भतः, भव, उस्त भिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रक्षितियम के प्रपद्ध स्थापन को लागू करती है।

> [सं॰ एस-35019(263)/79-पी॰ एफ॰ 2] नबीन भावला, उप सचिव

S.O. 2839.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Ganapati and Company, 175/1, Mount Road, Madras-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act. 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act

to the said establishment.

[No. S. 35019(263)/79-PF. II] NAVIN CHAWLA, Dy. Secy.

#### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 25th September, 1981

S.O. 2840.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of the Government of India Mint, Calcutta and their workmen, whic Government of India Mint, Calcutta and their workmen which tember, 1981.

BEFORE MR. JUSTICE R. BHATTACHARYA, M.A., B.L., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL: CALCUTTA

## Reference No. 47 of 1979

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of the Government of India Mint, Calcutta

# AND

### Their Workmen

# APPEARANCES:

On behalf of Employers.--Mr. Tapan Pal. Advocate. On behalf of Workmen.—Mr. Shaful Alam, Advocate.

STATE: West Bengal INDUSTRY: Mint

# AWARD

By its Order No. L-42011(19)|78-D.II(B), July, 1979, the Government of India has sent the instant reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 to this Tribunal for adjudication of an industrial disof the Government of India Mint, Calcutta, hereinafter described as the "Mint" and their workmen represented by three unions, namely, Calcutta Mint Workers Union, Silver Refinery Workers Union and Calcutta Mint Employees Union.
The subject matter of the dispute has been mentioned in the schedule to the order of reference as follows:

- "Whether the action of the workers who are detailed in advance for essential preparatory work in the 'A and 'B' Melting Departments of the Government of India Mint, Alipore, Calcutta, in refusing to perform staggering duties from 13-6-1977, is proper and justified? If not, to what relief are the parties entitled?"
- 2. In the present reference Calcutta Mint Employees Union filed a written statement but ultimately did not contest. Silver Refinery Workers Union did not appear in this reference at all. Calcutta Mint Workers Union, hereinafter described as

the "Workers Union", filed written statement and contested upto the end. The instant dispute has been raised at the instance of the Mint.

- 3. In the written statement Calcutta Mint Employees Union stated that previously the workmen were working 60 hours a week. Subsequently the working hours were reduced to 54 hours a week and again it was reduced to 48 hours a week. Due to this reduction the earning for overtime works has been reduced and that has caused hardship to the workmen. Lastly it was prayed that some ways and means to compensate the loss of income due to the reduction of working hours should be found so that the workers might earn more. In fact this written statement says nothing about the dispute raised in the order of reference and ultimately nobody appeared on behalf of this Employees Union at the time of hearing or at any other stage.
- 4 As I have already stated earlier, the present dispute was raised by the management of the Mint. In the written statement filed by the Mint it is stated that the Mint is a factory under the Factories Act, 1948 and the prescribed normal hours of work of the Mint are 37,112 hours per week and the Mint workers had to work beyond the prescribed hours as overtime to meet the demand of production. Due to the technical nature and operations carried on in the mint some workers are required to be detailed in advance for essential preparatory work in some of the departments of the Mint, namely A Melting, B. Melting, Hot Rolling, Annealing, etc., before the starting of the operations of the Mint for production by the general workers. The essential preparatory works to be done in advance in A & B Melting Departments and other departments are mentioned in the schedule to the written statement. Since 1961 a few workers who had been written statement. Since 1901 a new workers who had been detailed for the staggering duties for essential preparatory works under due notice had been regularly attending to such staggering duties from 7 A.M. two hours before the shift work started at 9 A.M. This work was being done without any objection whatsoever for a long period. With effect work started at 9 A.M. This work was being gone without any objection whatsoever for a long period. With effect from 13-6-77 the workers of A and B Melting departments stopped attending at 7 A.M. for doing staggering duties without assigning any reason. Consequently production went down considerably and it affected production of the whole Mint because the Melting department is the feeding department of the successive departments. In spite of department of the successive departments. In spite of efforts being made by the Mint management the workers dld not attend to the essential preparatory work at 7 A.M. but they attended at 9 A.M. The Mint, therefore, approached the Regional Labour Commissioner, Central, Calcutta to intervene. With effect from 15-5-78 the period of work was reduced to 48 hours a week and those who were to do staggering duties were directed to attend at 7 A.M. The workers detailed for such staggering duties did not however attend to their duties at 7 A.M. but they attended at 9 A.M. the normal time when the shift starts. The Regional bour Commissioner initiated conciliation proceedings The Regional Lathere was no result and ultimately the present reference has been made. It is stated by the Mint that the workers cannot refuse to attend for staggering duties from 7 A.M. The workers had been performing the staggering duties 1961 and the performance of staggering duties as stated was cysential and became an established practice in the and became the terms and condition of service. gering duty was a part of the duty of the workers to perform and the same is permissible under the provisions the Factories Act According to the Mint the refusal of the workers to perform staggering duties was illegal, improper and unjust
- 5. The Workers Union has filed a written statement in this case. It is stated in the written statement that the management introduced a mini shift in the disguise of stagmanagement introduced a mini shift in the disguise of staggering duties which is illegal and against the provisions of the Factories Act. 1948... It is also stated that there is no provision of staggering duties in the Standing Orders of the Mint. It is also stated that by the introduction of the staggeing duties from 7 A.M. there has been a change in the coundition of service and therefore in the absence of a notice under Sec. 9A of the Industrial Disputes Act such change is untenable. It is further stated that according to povisions of the Factories Act the staggering duties are cillegal. The grievance of Workers Union further is that in the name of preparatory work the Mint introduced. in the name of preparatory work the Mint introduced mini shift to perform regular production job which is contrary to law. In the written statement we get that the Workers Union admitted that the workmen had no object-

tion to the performance of staggering duties. The Workers Union in these circumstances wanted to say in the written statement that the workers were not bound to attend to the mini shift starting at 7 A.M. when in fact production was made.

6. In this case several documents have been exhibited on the side of the Mint. The Mint has examined one witness and on the side of the Workers Union two witnesses have been examined.

7. From the side of the Workers Union it has been first urged that in view of Section 58 of the Factories Act the Mint cannot ask any of the workers to work from 7 A.M. although the shift starts at 9 A.M. According to the Workers Union the works started at 7 A.M. constitute a distinct shift of work although for two hours and thus it may tinct shift of work atmough for two hours and thus it may be called a min shift. It has been further urged in this connection that when the workers who are to work from 7 A.M. belonging to 9 A.M. shift work covering both the mini shift as well as the regular shift from 9 A.M. the shifts are over-lapping and therefore it is against Scc. 58 of the Factories Act. Section 58 of the Factories Act speaks about prohibition of over-lapping the shifts. It is urged from the side of the Workers Union that the work from 7 A.M. to 9 A.M. is a mini shift and therefore pobledy can 7 A.M. to 9 A.M. is a mini shift and therefore nobody can be compelled to work in two shifts at a stretch. The admitted fact before me is that the shift work starts at 9 A.M. It is also admitted that a few of the workers of the 9 A.M. shift are detailed for work in A and B Melting departments for some works. There is no dispute before me also that whoever is allotted duty from 7 A.M. two hours prior to the starting of the 9 A.M. shift is allowed to go two hours earlier than the 5.30 P.M. when the shift ends. There is earlier than the 5.30 P.M. when the shift ends. There is no dispute before me also that the workers are to work for 8 hours with a recess of half an hour. This period of work is meant for those who start their work at 7 A.M. and also those who come to their duties at 9 A.M. In these circumstances it is quite clear that the period of work from 7 A.M. to 9 A.M, is not a shift of work as alleged by the Union. Only some of the workers of the shift are to work two hours early and they are also eligible to retire two hours early. In these circumstances I must hold that there is no mini shift and Section 58 of the Factories Act is not applicable. Mr. Alam, learned Advocate appearing on behalf of the Workers Union has submitted before me and also it is clear from the written statement of the said Union that the workers have no object that the workers have no object to the said Union that the workers have no object to the said Union that the workers have no object to the said Union that the workers have no object to the said that the workers have no object the said that the workers have not the said that the workers have not the said that the workers have not the said that the workers have now the said that the workers have now the said that the workers ha jection to doing preparatory work for starting shift work at 9 A. M. but their grievance as I have already indicated, in the written statement, is that in fact no pre-paratory work was done between 7 A.M. and 9 A.M. but in fact production was being done. The works done by the workers between 7 A.M. and 9 A.M. will not create any distinct shift because infact they belong to the shift 9 A.M., but because they come two hours early they are allowed to go two hours earlier than those who start work at 9 A.M. However, I find that there is no distinct shift for work as mentioned in that section. There is no evidence of any change in the service condition. The question of notice under Sec. 9A of the Industrial Disputes Act does not arise.

8. It has been next urged from the side of the Workers Union that there is no provision in the Standing Orders of the Mint for doing any preparatory work before the actual start of the shift. I have gone through the Standing Orders marked Ext. M-1. There is no dispute before me that there is one shift of production in A & B Melting departments. I have already held that if a few persons of the shift are detailed for work two hours earlier than the time fixed for the shift doing his duty for the prescribed hours of the shift, namely 8 hours with half an hour recess, that will not create any separate shift and that will not go against the Standing Orders of the Mint, I over-rule the second objection raised.

9. Lastly, the main grievance from the side of the Union is that during the period from 7 A.M. to 9 A.M. actual production is made and therefore there was no preparatory work for the production to be started at 9 A.M. On this point the Works Manager himself has given evidence and I also find the evidence of two of the workmen. The Works Manager, MW-1, has stated that the work of the shift starts from 9 A.M. and it ends at 5.30 P.M. with half an hour's recess

for the workers. Some of the workers of the shift, varying from 5 per cent to 10 or 12 per cent varying accordingly to the season, are allotted duties from 7 A.M. so that they may do some preparatory ground works for the production works to be done from 9 A.M. The nature of preparatory ground works is cleaning and preparing the burners, removing the slag from the furnaces and keep them operatively fit for 9 A.M. shift. For preparation also the moulds are to be cleaned for the shift work. Moulds are to be heated and furnaces are to be preheated so that the work might start at 9 A.M. by the remaining 95 per cent of workmen of the shift. Those who attend at 7 A.M. are to work till 3.30 P.M. with half an hour recess. They are not to work till 5.30 P.M. From him we also get that workers who start work from 9 A.M. are responsible for production of the Mint. The preparatory works between 7 A.M. to 9 A.M. is called staggering duty. We get that if all the workers of the shift come at 9 4.M. there will be loss of production because some time will be spent for preparatory works without doing any production. The witness has denied the suggestion that a large number of workers for regular production work are engaged from 7 A.M. to 9 A.M.

10. As against the evidence of the Works Manager, MW-1 a worker has stated that the management wanted the workels to come at 7 A.M. for starting turnace and production, the workers refused to come at 7 A.M. because the management wanted production. He has also stated that when the workers used to come at 7 A.M. ingots were prepared which means that production was made. During cross-examination the witness has stated that very rarely he used to attend to his duty at 7 A.M. and he does not remember when he attended at 7 A.M. Not for a single day he attended Melting department at 7 A.M. in 1977. He was speaking about the affairs of the Melting department on the basis of the report he got from other workers. According to him only 5 or 7 minutes will be taken to heat the furnace the other workers is WW-2. He is the worker of Melting department. He did the duty from 7 A.M. in 1976 and 1977. He says that at 7 A.M. the workers are to start the furnace and aluminium is to be put in the furnace. He wants to say that workers were doing production job between 7 A.M. and 9 A.M. He has denied the suggestion that no production was made but only preparatory works were done from 7 A.M. to 9 A.M. This is all the evidence before me. In this connection I may refer to Lat, M-13, the report of the Assistant Labour Commissioner, Central, given to the Secretary to the Government of India, Ministry of Labour, New Delhi who is the Officer conducted the conciliation proceedings and the parties appeared before him and placed their views. In this report we find that during the course of conciliation proceedings the management stated that the production continued to be affected on account of refusal by the workmen of A & B Melting Sections to do staggering duties. As against the submission of the management the Union stated that as there was the agitation started by all the unions on the issue of curtailment of overtime in the mint, it was not possible for the Union representative to say anything regarding the present dispute. here can be no doubt, therefore, that before the conciliation proceeding the allegation that production was being done between 7 A.M. and 9 A.M. was not made or hinted at. Giving my best consideration to the facts and circumstances I accept the evidence of the Works Manager as reliable and acceptable and I reject the evidence of WW-1 and WW-2 as untrustworthy the manner in which they gave evidence has not impressed me at all. I am therefore constrained to hold that for effective work in the shift from 9 A.M. and for efficient production preparation was necessary in the form of staggering duties between 7 A.M. and 9 A.M. and that there was no production made during that period. As those who started preparatory work from 7 A.M. were allowed to leave at 3.30 P.M. without causing any prejudice to them in any manner there was no distinct or any mini shift from 7 A.M. as alleged by the Workers Union. Of course, as I have atready stated and as submitted by Mr. Alam, learned Advocate appearing on behalf of the Workers Union, the workers there has a position to do meanwarders work for the transfer. kers have no objection to do preparatory work for starting effective production. From 9 A.M. but their grievance is that there should be no work of production between 7 A.M. and 9 A.M. From the evidence of WW-2 we get that by putting aluminium in the furnace ingots are prepared and that is production. From the evidence I am satisfied that no production was done in between 7 A.M. and 9 A.M. The Works Manager has also stated that no production is meant to be done during that period. In this view of the matter I have

no doubt that the management of the Mint is entitled to detail necessary number of workmen for doing preparatory works  $o_{\rm I}$  s.aggering duty between 7 A.M. and 9 A.M. and that no workman can have any legitimate grievance or objection to that. In this case I am satisfied that the action of the workers in refusing to perform staggering duties from 13-6-77 was improper, unjust and illegal.

11. In view of my findings and decision I must hold that the management of the Mint is entitled to engage and detail necessary number of workmen for staggering duties before the start of the actual work of the shift for production and there shall be no objection from the side of the workmen in this respect.

This is my award. R. BHATTACHARYA, Presiding Officer Dated, Calcutta, [No. L-4211(19)/78-D.II(B)]

3rd September, 1981

S. S. BHALLA, Desk Officer

New Delhi, the 30th September, 1981

S.O. 2841.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government industrial Tribunal, Hyderabad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Colfierles Co. Ltd., Bellampalli Division, Adilabad District (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 23rd September, 1981.

BEFORE SRI B. PRASADA RAO, B.A., B.L., INDUST-RIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD Industrial Dispute No. 10 of 1980

#### **BETWEEN**

Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division, Adilabad District (A.P.).

#### AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division, Adilabad District (A.P.).

#### APPEARANCES:

Sri S. Nagaiah Reddy, President, T.C.M.L, Union, Bellampalli for Workmen.

Sarvasri S. P. Ahuja, General Manager, S.C. Co., Ltd., Bellampalli and P. Papa Rao, Sr. Personnel Officer for Management.

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by its Order L-21011(B)/80-D.IV.B dated 14-8-1980 has referred to this Tribunal the following issues for adjudication in the industrial dispute between the workmen and the Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli Division, Adilabad District, A.P.:

"Whether the action of the management of Singareni Collieries Company Limited

- (1) in not confirming casual labour and worker-trainees who are working in place of regular workers and,
- (2) in not granting casual leave to casual labour and worker-trainees, is justified? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?"
- 2. The reference was registered by this Tribunal as Industrial Dispute No. 10 of 1980 and notices were sent to parties concerned.
- 3. On 15-4-1981 a joint memo dated 13-4-1981 was filed by the President, Tandur Coal Mines Labour Union, Belampalli for Workmen and the General Manager, Singareni Cossileries Company Limited, Bellampalli for Management praying for passing an award in terms of the settlement.

- 4. After having gone through the terms of the settlement it can be stated that it is just and proper and it is in the interest of both the concerned workman and also the Management. Such proper and just settlement have to be accepted in order to see that cordial relationships between workmen and the Management are maintained. Hence, in the circumstances, it is fit case for passing the award in terms of the Settlement.
- 5. Award is passed accordingly in terms of the settlement between the parties. Copy of the settlement is herewith attached as part of the Award.

Given under my hand and the seal of this Tribunal the 16th day of September, 1981.

B. PRASADA RAO, Presiding Officer

[No. L-21011(8)/80.D,1V(B)] S. S. MEHTA, Desk Officer

Minutes of discussions held on 13-4-81 in the Office of the General Manager, the Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, between the President, Tandur Coal Mines Labour Union Belampalli, and the Management of Singareni Collieries Company Limited, Belampalli.

In the matter of Casual Labour Worker Trainees Working in place of regular workers claiming Casual Leave, confirmation and such other benefits. The case was conciliated upon and the proceedings ended in failure. Subsequently, the Government of India has referred this issue for adjudication by the Hon'ble Industrial Tribunal (Central) Hyderabad and numbered as I.D. 10 of 1980. The Union and the Management have discussed this matter once again in the interest of industrial peace and harmonious relations, it has been decided to take action as per para 5 of the Memorandum of Settlement dated 29-1-1981 which was signed by all the Central Trade Unions functioning in Singareni Collieries and the Management over several demands. Basing on those lines, the following is agreed upon:—

# Terms of Settlement

1. To the extent of permanent work force determined/required for mines and departments, the trainee workers will be absorbed against permanent vacancies on the basis of seniority-cumsuitability and the rest of them will be designated and continued as Badlis. Such of the Badlis who have put in 190 (underground) or 240 (surface) musters as the case may be in the preceding calendar year will be allowed the benefit of Casual Leave and House Rent Allowance from 1st January, 1991. The earlier commitments with regard to extension of sick feave etc., will continue. Permanent requirement will be reviewed at Mines and Departments every six months as on 1st January and 1st July".

In the above circumstances, to promote peace and harmonious relations in the Industry, both parties hereby agree to implement the above decision strictly, this minutes of discussions settles the dispute in full and the parties will file the compromise memo before the Industrial Tribunal (Central) Hyderabad to pass an award in accordance with the above terms in the I.D. No. 10 of 1980,

#### **SIGNATURES**

FOR MANAGEMENT :

1.

General Manager, (S. P. AHUJA) The S.C.Co. Ltd, Belampalli. FOR WORKMEN:
(S. NAGAIAH REDDY)

President,
T.C.M.L. Union, Belampalli,

2.

(P. PAPA RAO)

Sr. Personnel Officer.

# New Delhi, the 1st October, 1981

S.O. 2842.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby prolishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Madras in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ms/s Travancore Titanium Products Ltd., Trivandrum and their workmen, which was received by the Central Government on the 22nd September, 1981.

# BEFORE THIRU T. SUDARSANAM DANIEL, B.A. B.L., INDUSTRIAL TRIBUNAL, MADRAS

(Constituted by the Government of India) Tuesday the 8th day of September, 1981

#### Industrial Dispute No. 11 of 1981

(In the matter of the dispute for adjudication under section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947) between the Workmen and the Management of M/s. Tranvancore Titanium Products Ltd., Trivandum)

#### **BETWEEN**

The Workmen, represented by

The Secretary, Tranvancore Titanium Products Employees Union, Trivandrum-695021.

#### AND

The Managing Director, M|s, Iravancore Titanium Products, Limited, Kochuveli, Trivandrum-695021.

Reference: Order No. L-29012/24/80-D.III.B, dt. 30-1-81.
Ministry of Labour, Government of India.

This dispute coming on for final hearing on Tuesday, the 14th day of July, 1981, upon Perusing the reference, claim and counter statements and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Thiru K. Chandaran, and for Thiruvalargal Row and Reddy and K. Chandaran, Advocates for the workmen and of Thiru K.V.R. Shenoi, for Menon and Pai, Advocates for the Management and having stood over till this day for consideration, this Tribunal made the following:

#### **AWARD**

This is an industrial dispute between the employers in relation to Messrs. Travancore Titanium Products, Trivandrum and their workmen, referred by the Government of India in their order No. L-29012-24/80-D.IIIB, dated 30-1:1981, Ministry of Labour, for adjudication by this Tribunal, in respect of the following issue:

"Whether the action of the management of Messrs, Travancore Titanium Products Ltd., Trivandrum in over-looking the services of Shri P. M. Mohamed Basheer a, typist from 1971 to 1975 for computation of the required experience of five years for promotion to the post of senior clerk, and not promoting him is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

The facts leading up to the dispute are as follows :-

The management is Messrs. Travancore Titanium Products, Limited, Trivandrum. The reference made by the Government of India, Ministry of Labour, relates to the services of Thiru P.M. Mohamed Basheer employed by the management. The Travancore Titanium Products Limited is a company incorporated under the Companies Act, having its registered and administrative office at Trivandrum, Kerala State. It is a public-sector undertaking of the Kerala State Government. Thiru P. M. Mohamed Basheer had joined the management on 11-2-1965 as a peon. Ex. M 1 is the copy of the appointment order issued and dated 5-2-1965. On 12-6-1971, the management promoted him to the post of typist, Vide Ex. M. 2 copy of this order. He was also promoted to the post of innior clerk on 24-2-1965 Vide copy of the order Fx. M. 4. While so, on 31-12-1975, the management and the five recognised trade unions, representing a total employees of 1,400 entered into a settlement. Ex. M. 6 is a copy of the memorandum of settlement entered

into between the parties. The agreement took retrospective effect from 1-1-1975. By the end of 1975, the post of typists and junior time-keepers were brought on par with the posts of junior clerk to take effect from 1-1-1975. Consequently, the posts of typist, junior time-keeper and junior clerk were to be on the same grade pay and status. This position is also specifically recognised in the settlement Ex. M. 6 vide clause (1)(d) that unified scales of pay were prescribed for all these posts. Ex. M. 3 is Subordinate Service Rules, of the Management under which the post of senior clerk was made a promotion post from the ranks of junior clerk. The rules under Ex. M. 3 prescribe that those graduates of three years or S.S.L.C. of five year's experience as junior clerk were eligible to be promoted as senior clerk. A note of explanation to the Rules is also pointed out that while computing the service of a junior clerk the service of a typist will also be taken into account. This was communicated by the Managing Director in his order dated 26-8-1978, copy of which is marked as Ex. M. 10. Copy of annexure to this order is marked as Ex. M. 10(a). Ex. M. 10(a) indicates the method of appointment and the qualifications required.

The case of Thiru P. M. Mohamed Basheer is that as per this order of the Managing Director, he became cligible to the post of Senior Clerk on and from 4-6-1976. Ex. M. 19 is the statement filed by the management showing the persons promoted as senior clerks after 4-6-1976. From Ex. M. 19, it can be noted that six were promoted as senior clerks on 21-11-1978 and four were promoted as senior clerks on 23-11-1979. The stand of the management is that as soon as the amendment under Ex. M. 10 and M. 10(a) contemplating the transfer of typists as junior clerks 10(a) contemplating the transfer of typists as junior clerks directly and providing for computation of service of typist as that of a junior clerk for promotion as a senior clerk was published the junior clerks and their unions represented to the management that this amendment would adversely affect the interests of junior clerks in the matter of promo-tion as senior clerks. Therefore, it was that the management took up the matter again with the Service Commission for their advice and directive and eventually the Service Commission by its letter dated 12-9-1980, copy of which is marked as Ex. M. 12, gave their final verdict and directive in the matter, In accordance with the same, the managing Director passed as order on 16-10-1980 copy of which is Ex. M.13 incorporating the directive of the Service Commission as to the computation of service. In paragraph 16 of the counter-statement the management has cointed. of the counter-statement, the management has pointedly taken a plea that promotion is management's function and as such no industrial dispute can be raised regarding the promotion of Thiru P.M. Mohamed Basheer, the workman concerned in this dispute in the absence of mala fides or victimisation. There cannot be any dispute about this posivictimisation. There cannot be any dispute about this posi-tion of law. Suffice for me to point out that the averments in the claim statement filed do not go to the extent of charging the management with mala fides or victimisation. It is also well-settled that even if victimisation and mala fides are established even then the Industrial Tribunal has no jurisdiction whatsoever to consider who among the candidates including the workmen concerned in this dispute should be promoted. Therefore the position is pretty clear that it is for the management to consdier the claim of Third P.M. Mohamed Basheer on merits and dispose it of according to law.

According to the union the workman became eligible for promotion to the post of senior clerk even on 4-6-1976. On the other hand, in paragraph 8 of the counter-statement, it is pointed out that this claim of the Union that the workman became eligible for promotion even from 4-6-1976 is totally incorrect and untenable because the order of the Managing Director and the explanatory note regarding the competation of service as typist as that of iunior clerk for promotion as senior clerk came into effect only on 26-8-1978 and not earlier. On the limited materials placed before this Tribunal I am unable to find that even from 4-6-1976. Thiru P.M. Mohamed Basheer became eligible for promotion as senior clerk. At best he can be held to have become eligible for promotion in view of the order of the Managing Director passed on 26-8-1978 under Ex. M. 10 and M. 10(a). Assuming that he became eligible for being promoted as senior clerk as and from that date, that does not necessarily follows that there were vacancies at that time for promoting him. On the other hand, as soon as the amendment under Ex. M. 10 and M. 10(a) were

ordered, the junior clerks already working began to challenge the amendment, because it would adversely affect their interest. At this juncture, it would be pertinent to point out paragraph 6 of the counter-statement. "Being a State Government Company, recruitment to certain categories of employees namely, all employees excluding "worker" as defined in the Factories Act and excluding persons employed in Supervisory or Managerial capacity basic salary exceeds Rs. 700/- per mensem is statutorily regulated by the Kerala Public Service Commission (Additional Functions as Respects certain Corporation and Companies) Act, 1970 and the Rules made thereunder. As a consequence promotion from a lower post to a higher post coming within the purview of the Public Service Commission is also regulated by directives, instructions and advices is sued by the Kerala State Public Service Commission under the Act and Rules". Ever since the red-rag raised by the junior clerks, the Management were taking steps with the Service Commission for inclusion of the post of typist in the feeder category directly for promotion to the post of senior clerk. For computing the ratio of jumor clerk to senior clerk fixed as 1:1 the junior time-keeper and Stores Assistant were clubbed with the junior clerks. In 1977, when the proposal of the management for inclusion of typist in the feeder category of senior clerks, along with the junior clerk, time-keeper and stores assistant, was mooted, the Public Service Commission analysed the method of recruitment to the feeder post referred to them either to delete the post of junior-time-keeper and stores-assistant from the feeder category or to reference to such post also. to the Service Commission for recruitment. The management opted to follow the first alternative. In this view there is no room to suggest that the action of the management was in any intended to thwart the promotional avenues of the concerned workman in this dispute.

It may also be re-called that, with Thiru P.M. Mohamed Basheer, another Thiru Prabhakara Nair was also promoted as typist on 4-6-1971, which means that Thiru P.M. Mohamed Basheer and Thiru Prabhakara Nair were in the employment of management as typists from 4-6-1971. The services of this Prabhakara Nair were admittedly terminated in July, 1980 (said to be for misconduct). However, it follows that even by about July, 1980 Thiru Prabhakara Nair was not considered to be qualified for promotion. It should also be remembered that on 24-2-1975, when Thiru P.M. Mohamed Basheer was promoted as Junior clerk, the post of junior clerk was higher in scale of pay to that of typist.

The learned counsel for the management also point out the following circumstances to give lie direct to any plausible case of mala fides or victimisation. The agreement under Ex. M. 6 though dated 31-12-1975, has to take effect from 1-1-1975. Therefore, if the terms of Ex. M. 6, were to be enforced strictly, the promotion given to Thiru P.M. Mohamed Basheer must be held to a nullity. But as a special case, the monetary benefits arising out of the agreement were extended to him and he enjoyed the same. although strictly he would not be entitled to it. During the closing stage of the arguments the learned counsel for the management stated at the bar and this was not seriously challenged that there are some junior clerks senior to Thiru P.M. Mohamed Basheer and who yet to be promoted. It is not clear under what circumstances those efforts to Thiru P.M. Mohamed Basheer as Junior clerks still continue as junior clerks.

The gravamen of the charge of the Union is that at no stage has the management really considered the merits of Thiru P.M. Mohamed Basheer for being promoted as senior clerk. Therefore, this grievance would be elimiated by the management, when they consider afresh on the totality of the facts placed and in the light of the rules whether if and from what date Thiru P.M. Mohamed Basheer has to be promoted as senior clerk from junior clerk. That apart, this Tribunal has no jurisdiction in the matter of promotion of Thiru P.M. Mohamed Basheer.

In the result, an award is passed directing the management to consider afresh on the over-all facts placed in the light of the rules, if Thiru P.M. Mohamed Basheer, junior clerk has to be promoted as senior clerk and if so from what date and the attendant benefits. In the peculiar facts of the case, I direct the parties to bear their respective costs.

Dated at Madras this the 8th day of September, 1981.

T. SUDARSANAM DANIEL, Presiding Officer [No. I -29012/24/80-D.III(B)] K, K. HANDA, Under Secy.

#### WITNESS EXAMINED

For both sides: None

# DOCUMENTS MARKED

For Workmen:

- W-1/27-11-79—Letter from the Management to the Union regarding promotion to Senior Clerks.
- W2/22-11-79—Managing Director's Order creating, the post of Scnior Time-keeper.
- W-3/22-11-79—Managing Director's Order creating the post of Senior typist.
- W-4/23-11-79—Management's Order promoting the Junior clerks to the post of Senior clerks.
- W-5/24-11-79—Managing Director's order creating the post of Senior Stores Assistant.
- W-6/23-4-80—Memo from the Management to Thiru P.M. Mohamed Basheer, in reply to his representation, dt. 1-4-80.
- W-7/16-6-80—I etter from the union to the Assistant Labour Commissioner (Central) Cochin-16, raising industrial dispute. (copy).

#### For Management:

- M-1/5-2-65—Appointment order issued to P.M. Mohamed Basheer as peon. (True copy).
- M-2/12-6-71—Management's Order promoting Thiru P.M. Mohamed Basheer as Typist (True copy).
- M-3/12-6-71—Subordinate Service Rules—1967 of the Management.
- M-4/24-2-75—Management's Order promoting Thiru P.M. Mohamed Basheer as Junior clerk (True copy).
- M-5/24-12-74—Managing Director's Order making amendment to Schedule-II with Subordinate Service Rules. (True copy).
- M-6/31-12-75—Memorandum of settlement between parties. (True copy).
- M-7/7-5-77—Letter from the Management to the Kerala Public Service Commission, Trivandrum, requesting the concurrence to amend the method of appointment (True copy).

- M-7(a) /28-2-73—Managing Director's Order regarding method of appointment (True copy).
- M-8/23-9-77—Letter from the Management to the Kerala Public Service Commission proposing to make amendments to the Subordinate Service Rules for promotion (True copy).
- M-9/22-3-78—Letter from the Kerala Public Service Commission to the Management regarding method of appointment. (True copy).
- M-10|26-8-78—Managing Director's Order regarding method of appointment and qualifications for recruitment (True copy).
- M-10(a)/26-8-78—Annexue I to Fx. M-10 showing the method of appointment and qualifications for the post of Senior clerk/Junior clerk/typist and Telephone Operator. (True copy).
- M-11/23-10-78—Letter from the Management to the Unions giving clarification to the Managing Director's Order No. PL/PRM/3/78, dt. 19-10-78. (True copy).
- M-12/12-9-80—Letter from the Kerala Public Service Commission to the Management regarding mehod of appointment and qualifications for the post of Junior/Senior clerks. (True copy).
- M-12(a)/8-4-80—Letter from the Management to the Kerala Public Service Commission about the filling up of vacancles of Senior clerks. (True copy).

- M-13/16-10-80---Managing Director's Order amending note under Serial Number 1 in the recruitment Rules. (True copy).
- M-14/1-8-78—Letters from the Kerala Public Service Commission to the Management regarding method fixing the qualifications, age limit, method of appointment etc., for all posts except attendent and peon (True copy).
- M-15/20-10-78—Letter from the Management to the Kerala Public Service Commission requesting to include the Stores Assistant in the feeder category, (True copy).
- M-16/16-1-79—Reply letter to Ex M-15 agreeing to include the post of Stores Assistant in the feeder category. (True copy).
- M-17/31-12-80—Managing Director's Order including the post of Stores Assistant in the feeder category. (Copy).
- M-18/31-12-80—Subordinate Service Rules of the Company.
- M-19/31-12-80—Statement showing the persons promoted as Senior clerks.
  - T. SUDARSANAM DANIFI, Presiding Officer Industrial Tribunal.